नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शनिवार 11 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 55 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

सरायकेला में डीजीपी का स्वागत करते पुलिस अधिकारी

घूस लेते सीओ समेत तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) रांची की टीम ने बुढ़मू अंचल कार्यालय में जमीन के म्यूटेशन के नाम पर रिश्वत लेने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए एक आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। फिर जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद राजस्व कर्मचारी और अंचल अधिकारी (सीओ) को भी गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसीबी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मांडर थाना क्षेत्र के ग्राम ब्रांबे निवासी सुबोध कुमार ने एसीबी रांची में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि मौजा सासम, प्रखंड बुढ़मू स्थित उनकी 3 एकड़ 20 डिसमिल जमीन का रजिस्ट्री उनकी पत्नी पिंकी देवी और साली जया कुमारी व संगीता गुप्ता के नाम से हो चुकी है। इसके बाद म्यूटेशन के लिए आवेदन और रजिस्ट्री की प्रति अंचल कार्यालय में जमा कर दी गई थी लेकिन लंबे समय तक म्यूटेशन नहीं किया गया। शिकायतकर्ता जब म्यूटेशन की प्रगति जानने बुढ़मू अंचल कार्यालय पहुंचे तो अंचलाधिकारी ने उन्हें भू-राजस्व कर्मचारी राजेश कुमार से मिलने को कहा। शिकायतकर्ता के अनुसार राजेश कुमार ने पहले म्यूटेशन की प्रक्रिया का हवाला दिया और फिर कहा कि काम कराने के लिए 80 से 90 हजार रुपये देने होंगे। बाद में कम राशि देने पर भी काम कराने का भरोसा दिलाया गया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने दोबारा अंचलाधिकारी से मुलाकात की। वहां भी उन्हें राजेश कुमार से ही बात करने को कहा गया। उसी दौरान राजेश कुमार ने अपने भाई गौतम कुमार से बातचीत कराने को कहा। गौतम कुमार ने शिकायतकर्ता से कहा कि फिलहाल 10 हजार रुपये दे दीजिए, यह पहली किस्त होगी। इसके बाद म्यूटेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी और पूरी राशि मिलने पर काम पूरा कर दिया जाएगा। शिकायतकर्ता रिश्वत देकर काम नहीं कराना चाहते थे। उन्होंने इसकी शिकायत एसीबी से की। एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें 10 हजार रुपये रिश्वत मांगने की बात सही पाई गई। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप की कार्रवाई की गई। एसीबी की टीम गौतम किशोर रवि को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के दौरान हुई जांच में शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए अन्य आरोप भी सही पाए गए। सत्यापन रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर एसीबी ने राजेश किशोर रवि तथा अंचल अधिकारी सच्चिदानंद कुमार वर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने बताया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ अग्रेतर कानूनी कार्रवाई जारी है।

निवेश ही नहीं, युवाओं-किसानों की तरक्की लक्ष्य : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। देश की राजधानी नयी दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 'नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन 2026' के भव्य समापन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के विकास को लेकर अपनी राय साझा की है। साथ ही राज्य के डेवलपमेंट को लेकर क्या उम्मीदें हैं उन्हें भी जनता के सामने रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि झारखंड आज अपनी पुरानी निर्भरता वाली छवि को पीछे छोड़ते हुए प्रगति का एक नया अध्याय लिख रहा है। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि इस दो दिवसीय महामंथन के जो भी सकारात्मक परिणाम निकलेंगे, वे बहुत जल्द धरातल पर दिखाई देंगे और राज्य को विकास की एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार की कार्यप्रणाली को स्पष्ट करते हुए कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह से झारखंड के हितों और यहां की साढ़े तीन करोड़ जनता की आकांक्षाओं को

केंद्र में रखकर नीतियां बना रही है। इस कंसल्टेशन प्रोग्राम को एक शुरुआत बताते हुए सीएम ने इसे एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल घड़े में गिरने वाली एक बूंद की तरह है, जो धीरे-धीरे पूरे घड़े को भर देगी। विकास की प्रक्रिया निरंतर चलने वाली है और हमारे ये छोटे-छोटे प्रयास ही आगे चलकर राज्य में बड़े बदलाव का मजबूत आधार बनेंगे। श्री सोरेन ने अतीत और वर्तमान की तुलना करते हुए कहा कि झारखंड एक ऐसा समृद्ध राज्य है जिसने अपने प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से अब तक पूरे देश का पेट भरा है और देश के विकास में रीढ़ की हड्डी साबित हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही रही कि खुद झारखंड और यहां के लोग लंबे समय तक अनेक कठिनाइयों व उपेक्षाओं का सामना करते रहे। सीएम ने दो टूक कहा कि अब वह समय आ गया है जब राज्य अपने जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों का पूरा लाभ यहां के मूलवासियों, आदिवासियों और युवाओं के विकास व समृद्धि के लिए सुनिश्चित करे। सरकार इसी विजन के साथ उद्योग, निवेश, आधुनिक प्रौद्योगिकी और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ाने की दिशा में बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार का उद्देश्य केवल बड़े-बड़े औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना भर नहीं है बल्कि एक ऐसा टिकाऊ विकास मॉडल तैयार करना है जिससे झारखंड के युवाओं, किसानों, छोटे-छोटे उद्यमियों और आम नागरिकों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ मिले। सरकार का अंतिम लक्ष्य झारखंड को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है। नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन 2026 के समापन के अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और डिनर रिसेप्शन का भी आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे कई देशों के राजनयिकों, देश-विदेश के कई वरिष्ठ अधिकारियों, कॉरपोरेट लीडर्स और मीडिया जगत के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस कार्यक्रम में झारखंड की समृद्ध और गौरवशाली संस्कृति, सभ्यता, पारंपरिक व्यंजनों और ऐतिहासिक विरासत की एक अद्भुत प्रस्तुति दी गई, जिसने मेहमानों का दिल जीत लिया।

संक्षिप्त समाचार

सीआरपीएफ जवान को हाइवा ने रौंदा

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले में एक तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई। यह घटना सिमरिया-चतरा मुख्य मार्ग स्थित देल्हो घाटी में हुई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को सड़क जाम कर दिया। मृतक जवान की पहचान बिराजपुर गांव निवासी 28 वर्षीय लक्ष्मण कुमार यादव के रूप में हुई है। लक्ष्मण जम्मू-कश्मीर में तैनात थे और एक महीने की छुट्टी पर सात दिन पहले ही अपने घर आए थे।

ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी रांची के ग्रामीण इलाकों में सक्रिय ड्रग्स पैडलर्स पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों के पास से ब्राउन शुगर, नकद और इलेक्ट्रॉनिक मशीनें बरामद की गई हैं। ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजा शिव दत्त मलिक उर्फ राजा और आसिफ खान के रूप में हुई है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

झड़प मामले में 25 नामजद

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। सदर थाना क्षेत्र के चियांकी में प्रशासन और ग्रामीणों के बीच झड़प मामले में 25 नामजद और 100 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सदर सीओ जागो महतो के आवेदन के आधार पर सदर थाना में गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सदर थाना प्रभारी अफजाल अंसारी ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल नेशनल हाइवे फोरलेन के लिए चियांकी में जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। शुक्रवार को जमीन अधिग्रहण के लिए गई प्रशासनिक और पुलिस टीम के साथ ग्रामीणों की झड़प हुई थी। इस झड़प में दो पुलिस जवान जख्मी हो गए थे।

ओझा गुणी के शक में वृद्ध की हत्या

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बालूमाथ थाना अंतर्गत गुरतुर गांव में शुक्रवार को 65 वर्षीय वृद्ध केशव राम की हत्या एक महिला ने ओझा गुणी के शक में कर दी। घटना के बाद आरोपी महिला घटनास्थल पर ही बैठी रही। जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी महिला को हिरासत में लेकर मामले की छानबीन कर रही है। केशव राम शुक्रवार को अपने घर के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान महिला सुनीता कुमारी वहां पहुंची और दोनों में विवाद होने लगा। इसके बाद सुनीता कुमारी ने टांगी लेकर दौड़ते हुए केशव राम पर हमला कर दिया। आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते तब तक महिला ने बुजुर्ग पर कई हमले कर दिए जिससे केशव राम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

युवक और महिला की निर्मम हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/खूंटी। खूंटी जिले में शुक्रवार सुबह एक सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को दहला दिया। खूंटी थाना क्षेत्र के घाघरा गांव के पास तजना नदी किनारे एक युवक और एक महिला का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतकों की पहचान लोहरदगा जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के बड़गाई गांव निवासी नेहा कुमारी और उनके पड़ोसी अरुण कुमार राणा के रूप में की है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक चंदन प्रमाणिक नामक शख्स संदेह के घेरे में है। यह शख्स मृतक नेहा के पति है। दोनों के बीच पारिवारिक विवाद था। तलाक को लेकर मामला कोर्ट में

विचाराधीन है। इसी बीच नेहा अपनी बहन की शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपने बेटे को लेने गुमला जिला के करंज थाना क्षेत्र के डुड़िया गांव स्थित अपने ससुराल गयी थी। डीएसपी मंगल सिंह जिमुदा ने बताया कि ससुराल वालों ने बेटा देने से इनकार कर दिया। तब पीड़िता करंज थाना पहुंची। उस वक्त थानेदार ने भरोसा दिलाया कि शुक्रवार को बच्चा मिल जाएगा। डीएसपी के मुताबिक थाना से निकलते वक्त नेहा के पति चंदन प्रमाणिक ने कुछ युवकों के साथ मिलकर नेहा और अरुण को अगवा कर लिया। इसकी भनक लगते ही नेहा और अरुण के परिजन गुरुवार शाम करंज थाना पहुंचे और अपहरण की आशंका जताई। पुलिस अभी जांच में जुटी ही थी कि शुक्रवार की सुबह नेहा और अरुण का शव खूंटी में तजना नदी के पास से बरामद हुआ। डीएसपी ने बताया कि हत्याकांड में इस्तेमाल किए गये स्कार्पियो गाड़ी को ट्रेस कर लिया गया है। बहुत जल्द हत्यारों को दबोच लिया जाएगा। डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस ने दावा किया है कि हत्याकांड में शामिल अपराधकर्मियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटनास्थल से नेहा की बहन की शादी का कार्ड भी बरामद हुआ है।

तालाब में डूबी पांच महिलाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले के गावां थाना क्षेत्र के भिखी गांव में शुक्रवार को तालाब में डूबने से एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई। यह घटना एक श्राद्धकर्म के दौरान हुई जब पांच महिलाएं तालाब में स्नान कर रही थीं। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तीन अन्य महिलाओं को सुरक्षित बचा लिया। जानकारी के अनुसार भिखी गांव में एक परिवार में श्राद्धकर्म का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान परिवार और गांव की कुछ महिलाएं पास के तालाब में स्नान करने पहुंची थीं। स्नान के क्रम में अचानक पांच महिलाएं गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। महिलाओं को डूबता देख तालाब में मौजूद अन्य महिलाओं ने शोर मचाना शुरू कर दिया जिसके बाद आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बिना देर किए तालाब में उतरकर सभी महिलाओं को बाहर निकाला और तत्काल इलाज के लिए गावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद कलवतीया देवी (44) और अंजली कुमारी (17) को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य तीन महिलाओं का प्राथमिक उपचार किया गया जिनकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही गावां थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है और घटना के कारणों की जांच में जुट गई है। इस हृदयविदारक घटना के बाद अस्पताल परिसर में ग्रामीणों और परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि श्राद्धकर्म के बीच हुई इस दुखद घटना ने पूरे माहौल को गमगीन कर दिया है।

सांसद ने सूर्य घर योजना के लिए केंद्र का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना भारत सरकार की एक शानदार पहल है जिसका लक्ष्य घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर देश के एक करोड़ घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान कराना है। इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले, इसे देखते हुए हजारीबाग में केंद्र का उद्घाटन सांसद मनीष जायसवाल ने किया है। पीएम सूर्य घर योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर लोगों को मुफ्त में बिजली उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही लाभुकों को आर्थिक लाभ प्रदान करना है। इस योजना के तहत लाभुकों को सरकार सोलर पैनल की लागत का लगभग 40% तक सीधे बैंक खाते में सब्सिडी के रूप में देती है। इसका लक्ष्य लोगों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करना है। इस योजना के तहत एक किलोवाट के सोलर सिस्टम पर 30 हजार, 2 किलोवाट पर 60 हजार और 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता पर अधिकतम 78 हजार तक की सब्सिडी मिलती है। सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि इस योजना के लाभ से लोग बिजली बिल बिल देने के भार से मुक्त हो सकते हैं। साथ ही बिजली बनने पर उसे ग्रिड को बेचकर आर्थिक रूप से संपन्न भी हो सकते हैं। पावर कट समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने बेहतर योजना देशवासियों को दी है।

डेंगू-चिकनगुनिया को लेकर हाई अलर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मानसून के दौरान डेंगू और चिकनगुनिया के बढ़ते खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने सभी उपायुक्तों को विस्तृत एडवाइजरी जारी करते हुए संक्रमण की रोकथाम के लिए तत्काल प्रभाव से व्यापक अभियान चलाने को कहा है। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने निर्देश दिया है कि बारिश के कारण जल जमाव वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को प्राथमिकता के आधार पर नष्ट किया जाए। सरकार की एडवाइजरी में कहा गया है कि डेंगू और चिकनगुनिया एडीज मादा मच्छर के काटने से फैलने वाले वायरल रोग हैं। यह मच्छर साफ पानी में पनपता है और घरों के भीतर या आसपास रखे पानी से भरे बर्तन, कूलर, प्लास्टिक की बोतलें, खुली पानी की टंकियां, पुराने टायर और कबाड़ में जमा पानी इसके प्रमुख प्रजनन स्थल हैं। ऐसे सभी स्थानों की नियमित सफाई और जल जमाव खत्म करने पर विशेष जोर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने नगर निगम, नगर परिषद, स्थानीय प्रशासन, एमपीडब्ल्यू, सामुदायिक स्वयंसेवकों और सहियाओं के सहयोग से विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान कर उन्हें तत्काल नष्ट किया जाएगा। सभी जिलों से विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर राज्य मुख्यालय को भेजने और डेंगू-चिकनगुनिया नियंत्रण गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा गया है। एडवाइजरी में 'वेक्टर सर्विलांस' को अभियान का अहम हिस्सा बनाया गया है। इसके तहत स्वास्थ्यकर्मी और संबंधित टीमें घर-घर जाकर मच्छरों के लार्वा की तलाश करेंगी और उन्हें नष्ट करेंगी। इसके लिए प्लास्टिक डिपर, प्लास्टिक पाइपेट, लार्वा संग्रह शीशी समेत सभी जरूरी उपकरण उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि घर और आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर और पानी के बर्तनों की नियमित सफाई करें, पानी की टंकियों को हमेशा ढककर रखें और बुखार आने पर बिना डॉक्टर की सलाह के दवा लेने के बजाय नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। विभाग का कहना है कि प्रशासन और आम लोगों की संयुक्त भागीदारी से ही डेंगू और चिकनगुनिया के बढ़ते खतरे पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

● **सरायकेला(नबिटा ब्यूरो)।** झारखंड में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा एवं कोल्हान क्षेत्र के डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा सरायकेला पहुंचे। जिला में उनके आगमन पर गेस्ट हाउस में पुलिस अधिकारियों द्वारा दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया और उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इस दौरे के दौरान डीजीपी और डीआईजी ने नगर क्षेत्र की वर्तमान विधि-व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों की जमीनी हकीकत जानी। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में सुरक्षा से जुड़े विभिन्न संवेदनशील बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई और अपराधियों पर नकेल कसने के निर्देश दिए गए।

नई शिक्षा व्यवस्था, शोध और नवाचार को मिलेगी गति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची विश्वविद्यालय का 67वां स्थापना दिवस शुक्रवार को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल में शुरू हुआ। 1960 में स्थापित रांची विश्वविद्यालय ने अपनी गौरवशाली शैक्षणिक यात्रा के 67 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया है। समारोह में शिक्षकों, विद्यार्थियों, पूर्व अधिकारियों और विभिन्न कॉलेजों के प्रतिनिधियों की बड़ी भागीदारी रही। स्थापना दिवस के अवसर पर उन विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिन्हें राष्ट्रपति के हाथों सम्मान प्राप्त हो चुका है। इसके अलावा खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रांची विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी हैं और ऐसे सम्मान अन्य छात्रों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) सरोज शर्मा ने कहा कि 1960 में स्थापित रांची विश्वविद्यालय की समृद्ध शैक्षणिक, सामाजिक और शोध परंपरा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में लगभग 16 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र पूरी तरह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप संचालित होगा। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री देना नहीं बल्कि उन्हें रोजगारपरक, कौशल आधारित और शोधोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति, संगीत, नृत्य, फाइन आर्ट्स और शोध गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की स्थापना की गई है जिससे शोध कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस समारोह तीन दिनों तक चलेगा। दूसरे दिन विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने के लिए कला, संस्कृति और फाइन आर्ट्स प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। वहीं 12 जुलाई को समापन समारोह के दौरान विभिन्न संकायों के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर और सतत विकास का संदेश भी दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि स्थापना दिवस केवल संस्थान की उपलब्धियों का उत्सव नहीं बल्कि भविष्य की शैक्षणिक दिशा तय करने का भी अवसर है। नई शिक्षा नीति, शोध, नवाचार, कौशल विकास और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से रांची विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान को और मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड स्टेट एजुकेशन ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष नरेंद्र भगत थे। समारोह में रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) सरोज शर्मा, रजिस्ट्रार, डीएसडब्ल्यू, विभिन्न संकायों के डीन, विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्य, पूर्व कुलपति, पूर्व रजिस्ट्रार, पूर्व डीएसडब्ल्यू, शिक्षक, अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक 'वंदे मातरम' के गायन से हुई, जिसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया।

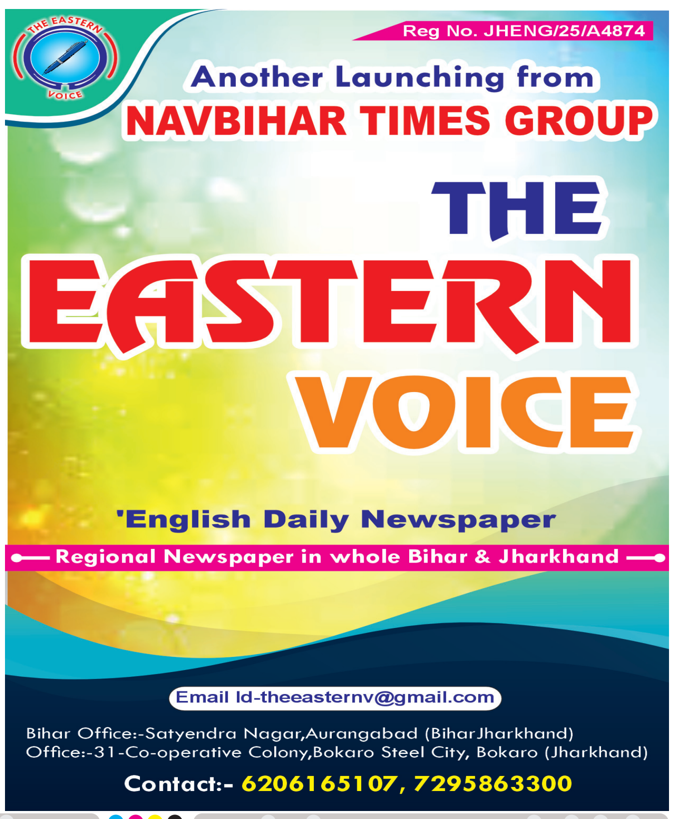

गिरिडीह में ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव ने शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय, गिरिडीह स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम, विद्युत व्यवस्था, बीयू हॉल, जनरेटर रूम, अग्निशमन यंत्रों एवं तैनात सुरक्षा बलों के लॉग बुक का अवलोकन

किया। उन्होंने सभी सुरक्षा उपकरणों के रखरखाव की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उपायुक्त ने वेयरहाउस में तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने दायित्वों के प्रति सतर्क एवं सक्रिय रहने का निर्देश दिया, ताकि ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी पायल राज, अग्निशमन पदाधिकारी रवि रंजन सिंह, निर्वाचन शाखा के अधिकारी तथा अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र हमेशा बंद रहने का आरोप, ग्रामीणों ने उपायुक्त से की जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। तिसरी प्रखंड की खिजुरी पंचायत के पश्चिमी भाग स्थित एक आंगनबाड़ी केंद्र के नियमित रूप से बंद रहने का आरोप लगाते हुए समाजसेवी उपेंद्र साव सहित दर्जनों ग्रामीणों ने गिरिडीह उपायुक्त को आवेदन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र की सेविका केवल उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर कर केंद्र से चली जाती हैं, जिससे बच्चों को आंगनबाड़ी की निर्धारित सेवाओं का नियमित लाभ नहीं मिल पा रहा है। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि बच्चों के लिए मिलने वाला पोषाहार एवं अन्य सामग्री केंद्र में रखने के बजाय सेविका अपने घर में रखती हैं।ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में पहले भी प्रखंड कार्यालय एवं अंचल कार्यालय में लिखित शिकायत की गई थी।

अल नीनो के संभावित प्रभावों को लेकर पशुपालकों को किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर जिला गव्य विकास कार्यालय ने प्रखंड बेंगाबाद के पतरोडीह गांव में पशुपालकों के बीच जागरूकता अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य एल नीनो (ए' ढद्बङ्ग) के संभावित

प्रभावों, बढ़ते तापमान और जल संकट की स्थिति में पशुधन की सुरक्षा के प्रति किसानों को जागरूक करना था कार्यक्रम में जिला गव्य विकास पदाधिकारी ने बताया कि एल नीनो के कारण अत्यधिक गर्मी, पानी की कमी और हीट स्ट्रेस जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन और प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है पशुपालकों को पशुओं के लिए पर्याप्त स्वच्छ एवं ठंडे पेयजल की व्यवस्था, संतुलित एवं पौष्टिक आहार के साथ खनिज मिश्रण का उपयोग, पशुशाला में छाया, स्वच्छता और पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखने तथा भीषण गर्मी में पशुओं को खुले में न रखने की सलाह दी गई अधिकारियों ने कहा कि यदि पशुओं में तेज सांस चलना, सुस्ती, भूख कम लगना, बुखार या अत्यधिक लार गिरने जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय या पशु चिकित्सक से संपर्क करें। विभाग ने जारी एडवाइजरी का पालन करते हुए पशुधन की नियमित स्वास्थ्य निगरानी करने की अपील की जिला गव्य विकास पदाधिकारी ने कहा कि पशुधन किसानों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक प्रबंधन एवं समय पर देखभाल बेहद जरूरी है। अभियान में जिला गव्य विकास कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण ने तोड़ा गांवों का संपर्क, कबरा कला-हैदरनगर मार्ग पर आवागमन का संकट

हुसैनाबाद/पलामू (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भजनिया से हैदरनगर तक निमार्णाधीन मुख्य सड़क ग्रामीणों के लिए फिलहाल राहत नहीं, बल्कि नई परेशानी का कारण बन गई है। निर्माण कार्य के दौरान परता गांव के समीप पुरानी संपर्क सड़क काटकर उस पर मिट्टी भर दिए जाने से कबरा कला समेत आसपास के कई गांवों का हैदरनगर मुख्यालय से संपर्क लगभग टूट गया है। वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण एजेंसी ने नई सड़क पूरी तरह तैयार होने से पहले ही पुराने मार्ग को बंद कर दिया। इससे अस्पताल जाने वाले मरीजों, स्कूल-कॉलेज आने-जाने वाले विद्यार्थियों, किसानों और व्यापारियों की परेशानी कई गुना बढ़ गई है। लोगों को लंबी दूरी तय कर वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे समय और आर्थिक दोनों तरह का नुकसान हो रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। कटे हुए मार्ग पर मिट्टी और कीचड़ जमा होने से रास्ता पूरी तरह आवागमन के लायक नहीं बचा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो किसी भी आपात स्थिति में बड़ी दुर्घटना या अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।समाजसेवी रामप्रवेश सिंह ने निर्माण कार्य की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य जनता को सुविधा देना होता है, न कि उनकी परेशानियां बढ़ाना। उन्होंने कहा कि नई सड़क चालू होने से पहले पुराने संपर्क मार्ग को बंद करना पूरी तरह अनुचित और प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है।उन्होंने कहा, "बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए सड़क काट देना गंभीर लापरवाही है। प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप कर आवागमन बहाल कराना चाहिए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।" ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि कबरा कला-हैदरनगर संपर्क मार्ग पर तत्काल आवागमन बहाल कराया जाए तथा सड़क निर्माण के दौरान सुरक्षित और सुगम वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर आंदोलन करने के लिए वे बाध्य होंगे।

वीवो ने पटना में अपना दूसरा एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। वीवो इंडिया ने बिहार में अपने प्रीमियम रिटेल नेटवर्क का विस्तार करते हुए बोरिंग कैनाल रोड, पटना में अपना नया वीवो एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया। 1014 वर्ग फुट में फैला यह सेंटर वीवो के वैश्विक रिटेल मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जहाँ ग्राहकों को आधुनिक, प्रीमियम और इमर्सिव शॉपिंग अनुभव मिलेगा। इस एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन बिहार सरकार

के लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने किया। इस अवसर पर वीवो इंडिया के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर नागसे अदम, वीवो इंडिया (ब्रांड रिटेल) के सेल्स ऑपरेशन्स हेड प्रमोद कुमार पाल सहित वीवो इंडिया के रिटेल पार्टनर्स मौजूद रहे। इस सेंटर में ग्राहकों के लिए इंटरैक्टिव एक्सपीरियंस जोन बनाए गए हैं, जहाँ वे वीवो के नवीनतम स्मार्टफोन्स और कनेक्टेड इकोसिस्टम उत्पादों का अनुभव कर सकते हैं। साथ ही, वीवो के प्रीमियम स्मार्टफोन्स से खींची गई शानदार तस्वीरों की एक विशेष फोटोग्राफी गैलरी भी प्रदर्शित की गई है, जो ब्रांड की कैमरा तकनीक और इमेजिंग क्षमताओं को दर्शाती है। वीवो ने इस अवसर पर भारत में अपने प्रीमियम रिटेल नेटवर्क को और मजबूत बनाने तथा ग्राहकों को वैश्विक स्तर का अनुभव उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नया वीवो एक्सपीरियंस सेंटर अब ग्राहकों के लिए खुल चुका है, जहाँ उन्हें व्यक्तिगत उत्पाद परामर्श, हैंड्स-ऑन डेमो और विश्वस्तरीय रिटेल अनुभव प्राप्त होगा।

एनएचएम के रिक्त पदों पर जल्द होगी भर्ती, उपायुक्त ने की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत संचालित स्वास्थ्य योजनाओं, मानव संसाधन और रिक्त पदों की समीक्षा की गई।

बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, नगर आयुक्त विजय सिंह बीरूआ, सिविल सर्जन डॉ. बच्चा प्रसाद सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे बैठक में सिविल सर्जन ने बताया कि एनएचएम के तहत सदर अस्पताल एवं विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कुल 101 पद रिक्त हैं। इन पदों के

लिए रोस्टर क्लियरेंस की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जिसके बाद अब नियुक्ति प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से भरने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और सरकार के निर्धारित नियमों के अनुरूप होगी रिक्त पदों में एएनएम, स्टाफ नर्स, ब्लॉक डाटा मैनेजर, फार्मासिस्ट, न्यूट्रिशनल काउंसलर, एसटीएस, डीएमसी-एलटी सहित कई तकनीकी एवं प्रशासनिक पद शामिल हैं। इन नियुक्तियों से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीबी नियंत्रण, मानसिक स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी उपायुक्त ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले के प्रत्येक नागरिक तक समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था होगी और मजबूत, नगर आयुक्त ने दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त विजय सिंह बीरूआ ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में संबंधित अधिकारियों एवं सफाई प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, नियमित कचरा संग्रहण, वार्डवार सफाई कार्यों की प्रगति तथा संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक वार्ड में नियमित एवं समयबद्ध सफाई सुनिश्चित की जाए। कहीं भी कचरे का जमाव न होने दिया जाए तथा नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और मजबूत करने, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, मुख्य सड़कों और नालियों की नियमित सफाई तथा स्वच्छता कार्यों की लगातार निगरानी करने पर विशेष जोर दिया उन्होंने आकांक्षा वेस्ट मैनेजमेंट के प्रतिनिधियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने और समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं सभी सफाई सर्किल प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण करने, सफाई कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्यों की मॉनिटरिंग करने तथा लापरवाही मिलने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर निगम क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी तथा वार्डवार सफाई कार्यों का लगातार मूल्यांकन किया जाएगा।

देवरी प्रखंड में ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का आयोजन, 120 आवेदन प्राप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निदेशार्नुसार जिले के सभी 13 प्रखंडों में 1 जुलाई से 30 जुलाई तक आयोजित प्रखंड स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस शिविर के तहत शनिवार को देवरी प्रखंड कार्यालय परिसर में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं एवं वाहन चालकों ने भाग लेकर ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया शिविर के दौरान कुल 120 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदन प्रक्रिया के साथ-साथ उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया। अधिकारियों ने वाहन चलाते

समय हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात नियमों का पूरी तरह अनुपालन करने की अपील की जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक वाजिद हसन ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की सहायता करने वाले गुड सेमेरिटन (गुड समेरिटन) नियमों की जानकारी देते हुए लोगों से निडर होकर घायलों की मदद करने का आह्वान किया शिविर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी नाजिया जरीन तथा एमवीआई गौरी शंकर सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने आवेदकों की प्रक्रिया का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि प्रखंड स्तर पर ऐसे शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके घर के नजदीक ही ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।शिविर के सफल संचालन में परिवहन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

रोटरी गिरिडीह ने लगाया निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच शिविर, 45 लोगों के लिवर की हुई जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रोटरी गिरिडीह की ओर से शुक्रवार को रोटरी नेत्र चिकित्सालय परिसर में निःशुल्क फाइब्रोस्कैन (फाइबरोस्कैन) जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आधुनिक फाइब्रोस्कैन मशीन के माध्यम से कुल 45 लोगों के यकृत (लिवर) की जांच की गई जांच के बाद शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. विकास लाल ने सभी प्रतिभागियों को उनकी स्वास्थ्य रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी सुझाव दिए। उन्होंने लिवर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य

जांच कराने की सलाह दी शिविर को सफल बनाने में रोटरी गिरिडीह के अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, सचिव मनीष बर्नवाल, शिविर संयोजक अमित अग्रवाल तथा मनीष तर्वे, आशीष तर्वे, रवि बगड़िया, तरणजीत सिंह, अमित डे, विकास बगड़िया, विकास बसईवाला, रवि चुड़ीवाला, भूपेंद्र सिंह, नीरज शर्मा और दिलीप जैन सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

रोटरी गिरिडीह के अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि क्लब भविष्य में भी जनहित में ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता एवं निःशुल्क जांच शिविरों का आयोजन करता रहेगा।

हैदरनगर का बेटा बना डीएसपी : सीआरपीएफ के आईजी ने कंधों पर सजाए तीन स्टार, क्षेत्र में जश्न का माहौल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हैदरनगर (पलामू)। हैदरनगर प्रखंड के लिए शुक्रवार का दिन गर्व और खुशी लेकर आया। प्रखंड मुख्यालय के मुख्य बाजार स्थित जगदंबा श्रृंगार स्टोर के समीप निवासी उमेश प्रसाद को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में पदोन्नति के बाद उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। रायपुर में आयोजित गरिमामयी रैंक सेरेमनी में सीआरपीएफ रायपुर सेक्टर के महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र कुमार ने उनके कंधों पर डीएसपी के तीन स्टार लगाकर पदोन्नति की औपचारिक घोषणा की। वर्तमान में उमेश प्रसाद सीआरपीएफ के आईजी कार्यालय, रायपुर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी पदोन्नति की खबर मिलते ही हैदरनगर समेत पूरे पलामू जिले में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे उनकी वर्षों की मेहनत, अनुशासन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान बताया।स्थानीय लोगों ने कहा कि सीमित संसाधनों के बीच हैदरनगर जैसे छोटे कस्बे से निकलकर देश की प्रतिष्ठित सुरक्षा संस्था में डीएसपी जैसे महत्वपूर्ण पद तक पहुंचना आसान नहीं होता। उमेश प्रसाद की सफलता इस बात का

प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। क्षेत्र के बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि उमेश प्रसाद की उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे हैदरनगर और पलामू जिले के लिए गर्व का विषय है। उनकी यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी और उन्हें देश सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का उत्साह देगी। सभी ने उनके उज्ज्वल, सफल और जनसेवा से परिपूर्ण कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय मत्स्यिकी दिवस पर 15 मत्स्य बीज उत्पादकों के बीच 180 लाख वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निदेशार्नुसार राष्ट्रीय मत्स्यिकी दिवस के अवसर पर जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के 15 मत्स्य बीज उत्पादकों के बीच कुल 180 लाख मत्स्य बीज, मत्स्य जाल एवं फीड का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला परिषद खूँटी श्री मसीह गुड़िया, अपर समाहर्ता श्रीमती सुषमा लकड़ा, ग्राम पंचायत रूमुतकेल की मुखिया ने उपस्थित होकर मत्स्य कृषकों को प्रोत्साहित किया तथा मत्स्य पालन को स्वरोजगार एवं आय संवर्धन का प्रभावी माध्यम बताते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने

के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम अलौन्दी, प्रखंड खूँटी के मत्स्य पालक श्री लीलमोहन ने तालाबों के जीर्णोद्धार की आवश्यकता से संबंधित विषय रखा। इस पर अध्यक्ष, जिला परिषद ने उन्हें आवश्यक कार्रवाई हेतु आवेदन उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। वहीं ग्राम पीपरटोली, खूँटी के मत्स्य पालक श्री बसंत प्रसाद ने बताया कि उनके क्षेत्र में नियमित विद्युत आपूर्ति नहीं रहने के कारण 25 बायोफ्लॉक टैंकों में मत्स्य पालन प्रभावित होता है। इस पर अध्यक्ष, जिला परिषद ने उन्हें सोलर आधारित व्यवस्था हेतु आवेदन देने की सलाह दी। अपर समाहर्त्ता ने मत्स्य कृषकों से राजस्व जलकरों की बंदोबस्ती जिला मत्स्य कार्यालय के माध्यम से लेकर मत्स्य पालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाने का आह्वान किया। जिला मत्स्य पदाधिकारी ने सभी मत्स्य कृषकों को अपने तालाबों, डोभा एवं अन्य जलस्रोतों का वैज्ञानिक ढंग से उपयोग कर मत्स्य पालन करने की सलाह दी।

उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में किसान प्रशिक्षण केन्द्र, शालीमार, राँची में पाँच दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक मत्स्य कृषकों से प्रशिक्षण प्राप्त कर आधुनिक तकनीकों के माध्यम से मत्स्य उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में जिला मत्स्य कार्यालय के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में मत्स्य कृषक उपस्थित रहे।

झारखंड के रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय का बढ़ता क्रेज: देशभर से नामांकन के लिए आवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। अपराध विज्ञान, फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच रांची स्थित झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। देश का तीसरा रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय इस शैक्षणिक सत्र में नए पाठ्यक्रमों, बढ़ते नामांकन और रोजगारोन्मुख शिक्षा के कारण चर्चा में है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने आवेदन किया है और 11 जुलाई को प्रवेश के लिए साक्षात्कार (इंटरव्यू) आयोजित किया जाएगा। वर्ष 2016 में स्थापित यह विश्वविद्यालय सुरक्षा शिक्षा के क्षेत्र में देश के चुनिंदा संस्थानों में शामिल है। गुजरात के गांधीनगर और राजस्थान के जोधपुर के बाद झारखंड में स्थापित यह विश्वविद्यालय अपराध विज्ञान, फॉरेंसिक साइंस, साइबर सुरक्षा, औद्योगिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन जैसे विषयों में विशेषज्ञ शिक्षा प्रदान कर रहा है। रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसे प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना है, जो पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों, फॉरेंसिक लैब, साइबर जांच एजेंसियों और निजी सुरक्षा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे सकें। इस सत्र में विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रमों का दायरा भी बढ़ाया है।

स्नातक स्तर पर क्रिमिनोलॉजी का नया कोर्स शुरू किया गया है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप तैयार किया गया है। वहीं स्नातकोत्तर स्तर पर डिजास्टर मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस, साइबर सिक्योरिटी समेत कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इसके अलावा फॉरेंसिक साइंस अब भी विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि बदलते दौर में साइबर अपराध और डिजिटल जांच की बढ़ती जरूरत को देखते हुए इन विषयों की मांग लगातार बढ़ रही है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ। हिमेंद्र कुमार भगत ने बताया कि इस वर्ष नामांकन को लेकर विद्यार्थियों में काफी उत्साह है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों से आवेदन प्राप्त हुए हैं। 11 जुलाई को इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद चयन प्रक्रिया पूरी होगी। विद्यार्थियों का रुझान खासकर फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी और क्रिमिनोलॉजी जैसे विषयों की ओर तेजी से बढ़ा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पढ़ाई को पूरी तरह रोजगारोन्मुख बनाने पर जोर दिया जा रहा है। प्लेसमेंट को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ हद तक विद्यार्थियों को प्लेसमेंट भी मिल रही है। हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में और अधिक कंपनियों, सुरक्षा एजेंसियों तथा सरकारी संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर बेहतर प्लेसमेंट उपलब्ध कराया जाए। डॉ। हिमेंद्र भगत ने कहा कि विश्वविद्यालय सामाजिक समावेशन को भी प्राथमिकता दे रहा है। टाना भगत समुदाय के बच्चों के लिए पहले एक वर्ष का विशेष आवासीय कोर्स संचालित किया जाता था, जिसे अब बढ़ाकर तीन वर्ष कर दिया गया है। इसका उद्देश्य उन्हें आधुनिक शिक्षा के साथ सुरक्षा और पुलिस प्रशासन से जुड़े विषयों का बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही झारखंड के विद्यार्थियों के लिए राज्य सरकार के आरक्षण रोस्टर का भी पालन किया जा रहा है, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिक अवसर मिल सकें। फिलहाल विश्वविद्यालय रांची में अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है, जबकि खूंटी में 75 एकड़ भूमि पर स्थायी परिसर के निर्माण की योजना पर काम चल रहा है। स्थायी कैंपस बनने के बाद विश्वविद्यालय पूरी तरह आवासीय होगा और हजारों विद्यार्थियों को आधुनिक प्रयोगशालाओं, स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय, खेल सुविधाओं और छात्रावास की सुविधा मिलेगी। रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, साइबर अपराध, फॉरेंसिक जांच और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय युवाओं को केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। नए पाठ्यक्रम, बढ़ते नामांकन, प्लेसमेंट पर बढ़ता फोकस और स्थायी परिसर की योजना के साथ विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में सुरक्षा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करने की तैयारी में जुटा है।

सरायकेला पहुंचे डीजीपी और डीआईजी: कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर दिए कड़े निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरायकेला। झारखंड में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को झारखंड की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा एवं कोल्हान क्षेत्र के डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा सरायकेला पहुंचे। जिला में उनके आगमन पर स्थानीय परिसदन (गेस्ट हाउस) में पुलिस अधिकारियों द्वारा दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया और उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इस दौरे के दौरान डीजीपी और डीआईजी ने नगर क्षेत्र की वर्तमान विधि-व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों की जमीनी हकीकत जानी। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में सुरक्षा से जुड़े विभिन्न संवेदनशील बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई और अपराधियों पर नकेल कसने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आम जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसके लिए पुलिस की कार्यप्रणाली को और आधुनिक व त्वरित बनाने की आवश्यकता है। नगर क्षेत्र में चल रही सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करते हुए गश्त बढ़ाने और खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया गया। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के दौरान सरायकेला के पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गीयारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनुभव भारद्वाज एवं डीएसपी मुख्यालय सहित जिले के अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

लातेहार में रेलवे लाइन सर्वे टीम को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। जिले के सदर थाना क्षेत्र के आरागुंडी गांव में शुक्रवार को जमकर बवाल हुआ। रेलवे लाइन का सर्वे करने गांव पहुंची टीम को कुछ ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। घटना के बाद पूरा गांव दो गुटों में बंट गया। लगभग 2 घंटे तक चले भारी बवाल के बीच पुलिस गांव पहुंची और सर्वे टीम को सुरक्षित गांव से बाहर निकाली। हालांकि इस दौरान एक व्यक्ति सर्वे टीम को ले जाने वाली गाड़ी को रोकने के क्रम में गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना के बाद गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। दरअसल, शुक्रवार को आरागुंडी गांव में रेलवे लाइन सर्वे करने वाली टीम पहुंची थी। इसकी जानकारी होने के बाद आदिवासी समाज के लोग सर्वे टीम का यह कहते हुए विरोध करने लगे कि ग्राम सभा की अनुमति के बिना गांव में घुसने का अधिकार सर्वे टीम को नहीं है। नाराज ग्रामीणों ने सर्वे टीम को बंधक बना लिया। इधर, सर्वे टीम को बंधक बनाए जाने की सूचना मिलने के बाद गांव के ही कुछ ग्रामीण इसका विरोध करने लगे और बंधक बनाए गई टीम के सदस्यों को छुड़वाने लगे। देखते ही देखते गांव दो गुटों में बंट गया और भारी बवाल शुरू हो गया। इस दौरान ग्रामीणों के बीच जमकर हाथापाई भी हुई। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई और मामले को शांत करने का प्रयास किया। पुलिस

ने सर्वे टीम के सदस्यों को वाहन में बैठकर सुरक्षित गांव से बाहर निकलने लगी। इस दौरान भी आदिवासी समाज के लोग पुलिस की गाड़ी को रोक कर यह मांग करने लगे कि सर्वे टीम बताए कि आखिर किसके आदेश पर वह गांव में सर्वे करने आई थी। तनाव बढ़ता देख पुलिस की टीम रास्ता बदलकर सर्वे टीम के सदस्यों को सुरक्षित गांव से बाहर निकालने लगी तो वाहन को रोकने के दौरान एक व्यक्ति सुरेंद्र उरांव को गंभीर रूप से चोट भी आ गई। सुरेंद्र उरांव को चोट लगने से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और हंगामा करने लगे। बाद में लातेहार से पुलिस की अतिरिक्त टीम को भेजी गई और ग्रामीणों को समझा- बुझाकर मामले को शांत कराया गया। वहीं घायल व्यक्ति को एम्बुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इधर, तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस की टीम गांव में ही कैंप कर रही है। इधर, इस संबंध में लातेहार एसपी कुमार गौरव ने कहा कि मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल गांव पहुंच गई थी और विवाद को सुलझा लिया गया है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या : 33–एसडीएसटीई–एएसएन–2026–27, दिनांक 09.07.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल–कालूबथान स्टेशन यार्ड में अप और डाउन लूप लाइनों का विस्तार"। **निविदा मूल्य:** रु. 1,22,26,597.75, **बयाना राशि:** रु. 2,44,500/–, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 31.07.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/**

ASN-176/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के प्रति व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। नगर निकायों में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ), कम्पोस्ट प्लांट, सैनिटरी लैंडफिल हेतु भूमि उपलब्धता एवं प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिला पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में औरंगाबाद जिले से जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, वरीय उप समाहर्ता श्वेता प्रियदर्शी, रितेश कुमार यादव, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, औरंगाबाद एवं संबंधित अन्य पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव द्वारा नगर निकायों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एमआरएफ, कम्पोस्ट प्लांट, सैनिटरी लैंडफिल तथा एसटीपी / एफएसटीपी हेतु भूमि की उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिया कि संबंधित योजनाओं के लिए उपयुक्त भूमि की उपलब्धता प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चितकी जाए तथा भूमि संबंधी सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए, ताकि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत अधोसंरचना विकास के कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सकें। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि औरंगाबाद जिले के कुल 8 शहरी निकायों में से 5 नगर निकायों में एमआरएफ एवं कम्पोस्ट प्लांट हेतु भूमि उपलब्ध है, जबकि सैनिटरी लैंडफिल हेतु 3 नगर निकाय में भूमि उपलब्ध है। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को भूमि उपलब्धता की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा नियमित समीक्षा करते हुए शीघ्र प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव द्वारा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों की सहमति प्राप्त करने, रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना, स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन, सामग्री की उपलब्धता, निरीक्षण, मानव संसाधन की तैनाती

तथा जिला-वार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी जिलों को नवंबर 2026 तक निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्यों में तेजी लाने, दैनिक प्रगति की सतत निगरानी करने तथा कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार औरंगाबाद जिले के लिए योजना के अंतर्गत 9,336 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित है। जिले में 6,578 किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटॉप अधिष्ठापन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा अब तक 7,236 लाभार्थियों की सहमति पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी है। समीक्षा के क्रम में यह भी बताया गया कि औरंगाबाद जिले में नवंबर 2026 तक लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन औसतन 49 सोलर रूफटॉप अधिष्ठापन की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में प्रतिदिन 10 अधिष्ठापन की गति से कार्य किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने कार्य में अपेक्षित तेजी लाने एवं दैनिक स्थापना दर में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि लाभार्थियों तक योजना की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही जीविका दीदियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्थानीय निकायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए डोर-टू-डोर संपर्क अभियान संचालित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवार इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। बैठक के उपरांत जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को मुख्य सचिव द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने, नगर निकायों में एमआरएफ, कम्पोस्ट प्लांट, सैनिटरी लैंडफिल एवं अन्य अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं हेतु भूमि उपलब्धता की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति हेतु समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बाइक चोरी का मामला दर्ज, 24 घंटे के भीतर पुलिस ने बरामद की मोटरसाइकिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के काली स्थान स्थित स्टेट बैंक के समीप से चोरी हुई मोटरसाइकिल को रफीगंज पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पीड़ित यूकेश कुमार ने रफीगंज थाना में दर्ज आवेदन में बताया कि उनकी कपड़े की दुकान काली स्थान स्थित स्टेट बैंक के बगल में है। वह प्रतिदिन अपने गांव से काले रंग की हीरो डिस्कवर मोटरसाइकिल (बीआर-26एच-0692) से दुकान आते हैं। घटना के दिन सुबह करीब नौ बजे उन्होंने बाइक दुकान के सामने खड़ी की थी। शाम करीब 6:30 बजे घर लौटने के लिए पहुंचे तो मोटरसाइकिल गायब थी। उन्होंने अपने स्तर से आसपास काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चलने पर अज्ञात चोर के विरुद्ध रफीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि मामला दर्ज होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और 24 घंटे के भीतर घटनास्थल के आसपास से चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली। मामले की जांच जारी है।

शराब के नशे में दो गिरफ्तार, भेजा गया न्यायालय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। पुलिस ने शराब के नशे में धुत दो व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान पूर्वी अमरपुरा गांव निवासी शिवकुमार यादव एवं अनिल कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष शम्भू कुमार ने बताया कि दोनों शराबी भालुखैरा से शराब के नशे की हालत में गिरफ्तार किया गया। दोनों शराबी को अल्कोहल ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई पुष्टि होने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सं. : 171_2026–27, 172_2026–27 और 173_2026–27, दिनांक: 08.07.2026, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा –711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/ सीपीडब्ल्यूडी/ एसईबी/ एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/4/हावड़ा। क्रम सं. 1, ई–निविदा सं. : 171_2026–27, कार्य का विवरण :** एईएन/रामपुरहाट के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/रामपुरहाट के खंड में रामपुरहाट इंस्टीट्यूट कॉलोनी में 24 यूनिट (04 बिल्डिंग, जी+2) टाइप–II स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण एवं एईएन/रामपुरहाट के अधीन सभी महिला कर्मचारियों के सुविधार्थ संलग्न शौचालय के साथ महिला ड्रेस चेंजिंग रूम का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 4,26,22,214.55, **बयाना राशि :** रु. 8,52,500/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.) :** शून्य। **क्रम सं. 2, ई–निविदा सं. : 172_2026–27, कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल में तालित, खाना, झापटेरढाल, बनपास, नोआदार ढाल, गुसकरा, पिचकुरीधल, भेदिया, बोलपुर शांतिनिकेतन, प्रांतिक, कोपाइ, अहमदपुर, बतासपुर, सांइथिया, गदाधरपुर, मल्लारपुर में गैर–उपनगरीय स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 11,05,36,595.14, **बयाना राशि :** रु. 22,10,700/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.) :** शून्य। **क्रम सं. 3, ई–निविदा सं. : 173_2026–27, कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल में 26 स्टेशनों पर गैर–उपनगरीय स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 10,41,32,731.67, **बयाना राशि :** रु. 20,82,700/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.) :** शून्य। **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 30.07.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई–निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के जरिए स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई–निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-205/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त निविदा सूचना सं.: ईएल–एसडीएएच–सीओएन–पीएसआई–182–2026–एनआईटी, निविदा सं.: ईएल–एसडीएएच–सीओएन–पीएसआई–182–2026, दिनांक 08.07.2026 उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, सियालदह, आर.एम.एस. बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता–700014 द्वारा अनुभवी विद्युत ठेकेदारों, पार्टनरशिप फर्मों आदि जिनके पास निम्नलिखित कार्य के लिए पर्याप्त वित्तीय क्षमता और उपयुक्त अनुभव के साथ वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है, से ई–निविदा प्रक्रिया के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** "पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में (क) गोपालनगर में 132 केवी/25 केवी ट्रैक्शन सब स्टेशन की डिजाइन, ड्राइंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करना और (ख) 25 केवी ए.सी. सिंगल फेज ओवरहेड इक्विपमेंट, एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर की डिजाइन, ड्राइंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करना एवं कूपर्स हॉल्ट में नए एसपी, माझेरग्राम में एसएसपी, बनगांव में एसएसपी, गोबरडांगा में एसपी द्वारा एसएसपी को प्रतिस्थापित करना और (ग) गोपालनगर में टीएसएस के लिए विद्युत (सा.) कार्य और कूपर्स हॉल्ट में नए एसपी, माझेरग्राम में एसएसपी, बनगांव में एसएसपी, गोबरडांगा में एसपी द्वारा एसएसपी को प्रतिस्थापित करना और (घ) रानाघाट–बनगांव दोहरीकरण के संबंध में टीएसएस, एसपी और एसएसपी के लिए रिटेनिंग वॉल, कंट्रोल बिल्डिंग का निर्माण और अन्य सिविल कार्य"। **निविदा मूल्य:** रु. 15,52,83,436.22, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **बयाना राशि:** रु. 31,05,700/– **समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 07.08.2026 को 15.00 बजे। निविदा कागजातों को **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है और इस निविदा के लिए ऊपर वर्णित अनुसार उल्लिखित निविदा की अंतिम तिथि और समय पर या उससे पहले "निविदा कागजात की लागत" और "बयाना राशि" के ऑनलाइन भुगतान के बाद बोली जमा की जा सकती है। इस निविदा के लिए हर पहलू से पूर्ण और ऊपर उल्लिखित सभी कागजातों के साथ निविदाएँ **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई–निविदा के माध्यम से जमा की जानी है। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और यदि कोई भी मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा और तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा कागजात, निविदा सूचना का विवरण, समय–समय पर जारी शुद्धिपत्र (यदि कोई हो) और अन्य बुनियादी जानकारी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। विस्तृत निविदा सूचना उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण, पूर्व रेलवे, आर. एम. एस. बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता–700014 के सूचना पट में भी देखी जा सकती है।

CON-22/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सांस्कृतिक कैलेंडर में शामिल होना पहला पड़ाव, जिउतिया लोकोत्सव को मिले पर्याप्त आवंटन की लड़ाई अभी बाकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग के सांस्कृतिक कार्य निदेशालय द्वारा जारी सांस्कृतिक कैलेंडर-2026 में दाउदनगर के जिउतिया लोकोत्सव को शामिल किए जाने पर खुशी जताते हुए वरिष्ठ साहित्यकार एवं शोधकर्ता डॉ. उपेंद्र कश्यप ने कहा कि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं माना जाना चाहिए। उनके अनुसार अब इस लोकोत्सव के लिए सरकारी आवंटन स्वीकृत कराने और इसे अधिक भव्य स्वरूप दिलाने की दिशा में प्रयास जारी रखने होंगे। डॉ. कश्यप ने बताया कि वर्ष 1995 से जिउतिया लोकोत्सव को राजकीय पहचान दिलाने तथा बिहार-झारखंड विभाजन के बाद इसे राज्य की प्रतिनिधि लोक-संस्कृति के रूप में स्थापित करने की मांग लगातार उठाई जाती रही है। इस अभियान में मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कैलेंडर में शामिल होना लंबे संघर्ष का एक पड़ाव है, जबकि आगे की यात्रा अभी शेष है। उन्होंने बताया कि औरंगाबाद जिले के 10 महोत्सवों को सांस्कृतिक कैलेंडर में स्थान मिला है। इनमें विभिन्न आयोजनों के लिए दो लाख से 15 लाख रुपये तक का आवंटन स्वीकृत किया गया है। सर्वाधिक 15 लाख रुपये देव महोत्सव को मिले हैं, जबकि दाउदनगर के जिउतिया लोकोत्सव के लिए अभी राशि आवंटित नहीं हुई है। डॉ. कश्यप ने कहा कि जिउतिया को केवल संतान की लंबी आयु और भगवान जीमूतवाहन की पूजा से जोड़कर देखना इसकी सांस्कृतिक व्यापकता को सीमित करना होगा। इस लोकोत्सव के सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम कहीं अधिक व्यापक हैं, जिन्हें लेकर उन्होंने पिछले तीन दशकों में विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में लगातार लेखन किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1995 में राष्ट्रीय नवीन मेल में जिउतिया पर उनका पहला विस्तृत लेख प्रकाशित हुआ था। इसके बाद बिहार और दिल्ली से प्रकाशित अनेक पत्र-पत्रिकाओं में इस विषय पर लेख प्रकाशित हुए। वर्ष 2000 में 'न्यूज़ ब्रेक' पत्रिका ने पहली बार जिउतिया पर रंगीन तस्वीरों के साथ चार पृष्ठ प्रकाशित किए, जिसके बाद एशियन न्यूज इंटरनेशनल (एएनआइ) की टीम ने दाउदनगर पहुंचकर इस लोकोत्सव का वीडियो कवरेज किया। बाद के वर्षों में भी विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रकाशनों में जिउतिया की सांस्कृतिक विशेषताओं पर लेख प्रकाशित होते रहे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष परमानंद प्रसाद के कार्यकाल में पहली बार नगर पंचायत परिसर में जिउतिया लोकोत्सव का औपचारिक आयोजन कराया गया। बाद में प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से यह परंपरा कुछ समय के लिए बाधित हुई, लेकिन लोक कलाकारों के प्रयासों से इसका आयोजन फिर शुरू हुआ। वर्तमान मुख्य पार्षद अंजली कुमारी के प्रयासों से अब जिउतिया लोकोत्सव को सांस्कृतिक कैलेंडर-2026 में स्थान मिला है। डॉ. कश्यप ने विश्वास जताया कि सांस्कृतिक कैलेंडर में शामिल होने के बाद यह लोकोत्सव सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता में स्थायी रूप से दर्ज रहेगा तथा भविष्य में इसके लिए पर्याप्त सरकारी आवंटन और व्यापक पहचान सुनिश्चित कराने की दिशा में प्रयास और तेज होंगे।

एसआइआर फॉर्म के बदले बीएलओ द्वारा पैसों की मांग, जांच के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। झारखंड में एसआईआर की प्रक्रिया जारी है लेकिन गढ़वा जिले में एक महिला बीएलओ पर एसआईआर फॉर्म देने और उसे भरने के एवज में पैसों की मांग का मामला सामने आया है। मामले में बीएलओ द्वारा पैसे मांगने का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद एसडीएम मयंक भूषण ने मामले की जांच के निर्देश बीडीओ को दिए हैं। दरअसल, गढ़वा के रंका प्रखंड के बूथ संख्या 383 में एक महिला बीएलओ जमीला बीबी के द्वारा एसआईआर फॉर्म देने एवं भरने के नाम पर खर्चा पानी मांगने के नाम पर पैसे की बात सामने आई है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई: एसडीएम

एसडीएम मयंक भूषण ने कहा कि रंका अनुमंडल की बूथ संख्या 383 के बीएलओ द्वारा खर्चा पानी मांगते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसके आलोक में रंका के बीडीओ को संबंधित बीएलओ की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जांच प्रतिवेदन मिलते ही उपायुक्त के निर्देश के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि गढ़वा के रंका प्रखंड के खपरो पंचायत के गोरयाबांध टोला की बीएलओ जमीला बीबी का पैसे मांगने का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एसआईआर फॉर्म देने और भरने के नाम पर पैसों की मांग की गई थी। मामले में ईटीवी भारत के संवाददाता ने स्थानीय लोगों से बातचीत की, जिसमें स्थानीय लोगों ने महिला बीएलओ द्वारा पैसे मांगने की बात कही है।

मैं हूं निर्दोष: बीएलओ

वहीं बीएलओ ने अपनी ओर से सफाई देते हुए कहा कि मुझे साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। मैं अभी तक 170 फॉर्म भर चुकी हूं, आप किसी से फोन करके पूछ सकते हैं लेकिन कुछ लोग मुझे फंसाने का प्रयास कर रहे हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सूचना सं. : ईएलआईएन–टीआरएस–एयूएक्स–मोटर–26–27, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, विद्युत लोको शेड, इस्पातनगर, झारखंड–827010 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं. **ईएलआईएन–टीआरएस–एयूएक्स–मोटर–26–27** के तहत ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** दक्षिण पूर्व रेलवे के डब्ल्यूएजी7 लोकोमोटिव के सभी ऑग्जिलरी मोटरों का मरम्मत/पुनरुद्धार कार्य। **मात्रा:** निविदा अनुसूची के अनुसार। **कार्य परिधि:** निविदा कागजात के साथ संलग्न। **निविदा मूल्य:** रु. 62,94,120/–, **बयाना राशि:** रु. 1,25,900/–, **अनुबंध की अवधि:** 18 माह। **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 30.07.2026 को 15.00 बजे। निविदा कागजात का विवरण ई–निविदा पोर्टल में उपलब्ध है और आईआरईपीएस वेबसाइट का यूआरएल है **www.ireps.gov.in** **(PR-459)**

पूर्व रेलवे

विस्तृत निविदा सं. ईपीसी–03–सीएओ–सी–ईआर–2026 : एकल चरण में खुली ईपीसी ई–निविदा–दो पैकेट प्रणाली, दिनांक: 08.07.2026, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूर्व रेलवे, 4था तल, 14, स्ट्रैंड रोड, एनकेजी, कोलकाता–700001 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा प्रणाली के तहत खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** ईपीसी मोड पर 'रानाघाट जंक्शन (छोड़कर) और कृष्णनगर जंक्शन (छोड़कर) के बीच किमी 75.210 (सियालदह से) से किमी 97.585 (सियालदह से) तक तीसरी लाइन बीजी ट्रैक का निष्पादन जिसमें विद्युतीकरण और सिग्नलिंग कार्य शामिल है'। **अनुमानित मूल्य :** रु. 252,87,96,407.71, **बयाना राशि :** रु. 5,05,75,900/–, **निविदा कागजात का मूल्य :** रु.0.00, **समापन अवधि :** 730 दिन। **अंतिम तिथि:** 22.09.2026 को 11.00 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा के लिए बोली उक्त वेबसाइट पर ई–निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

CON-23/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बोधि वृक्ष पर मिलीबग का संक्रमण

वैज्ञानिकों ने किया 'इको-फ्रेंडली' इलाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर परिसर स्थित पवित्र बोधि वृक्ष की सुरक्षा और दीर्घायु सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहल की गई। मानसून के आगमन से पहले बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति (बीटीएमसी) ने फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआई), देहरादून के वैज्ञानिकों की देखरेख में पवित्र बोधि वृक्ष एवं उसके समीप स्थित एक अन्य वृक्ष पर इको-फ्रेंडली पेस्ट मैनेजमेंट ट्रीटमेंट कराया।

नियमित वैज्ञानिक निरीक्षण के दौरान एफआरआई के वैज्ञानिक शैलेश पांडे और संतन भरथवाल ने बोधि वृक्ष पर मिलीबग का हल्का संक्रमण पाया। संक्रमण के कारण कुछ पत्तियों के पीले होने के संकेत मिले।

वैज्ञानिकों ने बताया कि मानसून के दौरान नमी बढ़ने से ऐसे कीट तेजी से फैल सकते हैं। इसे देखते हुए संक्रमण को बढ़ने से रोकने के लिए पर्यावरण के अनुकूल विशेष स्प्रे का प्रयोग किया गया।

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह उपचार पूरी तरह एहतियाती है और इसका उद्देश्य पवित्र बोधि वृक्ष की समग्र सेहत को सुरक्षित रखते हुए भविष्य में किसी भी प्रकार के संक्रमण को रोकना है। संक्रमण फैलने की आशंका को देखते हुए पास के वृक्ष पर भी समान उपचार किया गया।

यह विशेष उपचार एफआरआई के वैज्ञानिकों की प्रत्यक्ष निगरानी में संपन्न हुआ। इस दौरान बीटीएमसी की सचिव डॉ महाश्वेता महारथी, सदस्य डॉ अरविंद कुमार सिंह, सदस्य किरण लामा, महाबोधि मंदिर के मुख्य भिक्षु भिक्खु चालिंदा, वरिष्ठ भिक्षु भिक्खु डॉ

मनोज, रेजिडेंट भिक्षु नीमा लामा, मंदिर सुपरवाइजर शिव शंकर सिंह सहित बीटीएमसी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। बीटीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि मानसून शुरू होने से पहले इस तरह का वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल उपचार कर पवित्र बोधि वृक्ष को संभावित कीट संक्रमण से सुरक्षित रखने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल बोधि वृक्ष, बल्कि उसके आसपास के वृक्षों की भी बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी और उनकी दीर्घकालिक सेहत बनी रहेगी।

अपहृत युवती एकमा स्टेशन से बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। थाना क्षेत्र के एक गांव से शादी की नीयत से कथित रूप से अपहृत युवती को एकमा पुलिस ने एकमा रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद युवती को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस के अनुसार करीब एक माह पूर्व युवती के पिता ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध पुत्री के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस लगातार मामले की जांच और युवती की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान सूचना मिली कि युवती एकमा रेलवे स्टेशन पर मौजूद है, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया।

मामले के अनुसंधानकर्ता सह एसआई जगजीत कुमार ने बताया कि बरामद युवती को न्यायालय भेजा गया है, जहां उसका धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया जाएगा। न्यायालय के निर्देशानुसार आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

खेत से पूर्व मुखिया का शव बरामद, इलाके में तनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहटा। राजधानी पटना के बिहटा थाना क्षेत्र में राघोपुर पंचायत के पूर्व मुखिया संजय यादव का शव खेत से मिलने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। परिजनों ने गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बिहटा-बिक्रम स्टेट हाईवे पर आगजनी कर सड़क जाम कर दी। इसके चलते करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया और सैकड़ों वाहन फंस गए।

जानकारी के अनुसार, राघोपुर गांव के बधार (खेत) से रविवार सुबह पूर्व मुखिया संजय यादव का शव बरामद हुआ। परिजनों का आरोप है कि उनकी गला दबाकर हत्या की गई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया शव पर ऐसे कोई स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं, जिनसे हत्या की पुष्टि की जा सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही

लोगों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने राघोपुर तीनमुहानी के पास बिहटा-बिक्रम स्टेट हाईवे को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर आगजनी भी की, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। जाम में स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं सहित सैकड़ों वाहन फंस गए। सूचना मिलते ही पटना ट्रैफिक डीएसपी-5, दानापुर-2 डीएसपी अमरेंद्र कुमार झा, बिहटा, आईआईटी अमहारा और मनेर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान आक्रोशित परिजनों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

मृतक की बहन ने आरोप लगाया कि संजय यादव की हत्या साजिश के तहत कराई गई है। उन्होंने बिहटा पुलिस और अल्हनपुरा गांव के रहने वाले गुड्डू नामक व्यक्ति पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। परिजनों का कहना है कि घटना से दो दिन पहले पुलिस संजय यादव की तलाश में उनकी बहन के घर भी पहुंची थी, जिससे परिवार में पहले से ही तनाव था।

थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है और न ही किसी के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट और परिजनों के आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शादी समारोह में झड़प

डीजे पर गाना बजाने को लेकर हुआ विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिले के फारबिसगंज में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब डीजे पर गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट और अफरा-तफरी के बीच डीजे वाहन की चपेट में आने से वधू पक्ष के एक युवक की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद शादी की खुशियां पलभर में गम में बदल गईं।

जानकारी के अनुसार, फारबिसगंज शहर के गोढ़ियारे वार्ड संख्या-19 निवासी राजकुमार राय की पुत्री की शादी सुपौल जिले के राघोपुर प्रखंड के सिमराही बाजार निवासी विकास कुमार से तय थी। बुधवार देर रात बारात गोढ़ियारे पहुंची थी। दरवाजा लगने की रस्म से पहले गोढ़ियारे चौक के समीप डीजे पर गाना बजाने को लेकर बारातियों और स्थानीय लोगों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच

एक की मौत, दोनों पक्ष के कई घायल

मारपीट शुरू हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हंगामे के दौरान डीजे वाहन अचानक आगे बढ़ गया, जिससे कई लोग उसकी चपेट में आ गए। हादसे में गोढ़ियारे वार्ड संख्या-19 निवासी 20 वर्षीय मिठ्ठू कुमार राय गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्हें तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल फारबिसगंज ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना में वधू पक्ष के 12 वर्षीय सुशांत कुमार राय, 24 वर्षीय सुमन सागर और डीजे संचालक का भाई बबलू मंडल भी घायल हुए हैं। वहीं, बारात पक्ष के भी दो लोगों के घायल होने की सूचना है। सभी घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है।

काली मंदिर से चांदी का मुकुट सहित लाखों का सामान गायब, लोगों में रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। हथौड़ी थाना क्षेत्र के रहटौली गांव स्थित सरकारी विद्यालय के बगल में अवस्थित प्राचीन काली मंदिर में अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देकर लाखों रुपये मूल्य की धार्मिक सामग्री पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में आक्रोश और चिंता का माहौल है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में जुट गए और पुलिस से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

मंदिर के पुजारी श्याम झा ने बताया कि चोरों ने मां काली का लगभग 500 ग्राम वजनी चांदी का मुकुट, पीतल के कई पूजा बर्तन, माता रानी के वस्त्र, नथुनी, कान के आभूषण तथा अन्य धार्मिक सामग्री चोरी कर ली। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना तत्काल हथौड़ी थाना को दी गई तथा दोषियों की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की गई है। घटना के विरोध में गांव के सैकड़ों लोगों ने भी सामूहिक रूप से आवेदन पर हस्ताक्षर कर पुलिस प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर के आसपास लंबे समय से नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। लोगों ने मंदिर परिसर और आसपास नियमित पुलिस गश्त तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे। मुखिया प्रेमलाल साहनी, सरपंच रविंद्र चौधरी सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने मंदिर का निरीक्षण किया और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर चोरी की घटनाएं सामाजिक सौहार्द के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं और ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

हथौड़ी थाना अध्यक्ष मौसम ने बताया

कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा कि त्वरित कार्रवाई की जा रही है तथा घटना में शामिल किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और चोरी गए सामान की शीघ्र बरामदगी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस ने ग्रामीणों से भी सहयोग की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि दोषियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

कुशल युवा केंद्र से लाखों की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब वे शिक्षा और कौशल विकास केंद्रों को भी नहीं बख्श रहे हैं। गया के बेलागंज थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जहां कंचनपुर गांव के समीप नेशनल हाईवे 22 के किनारे स्थित कुशल युवा केंद्र में बीती देर रात अज्ञात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया और लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया।

केंद्र के संचालक विनोद कुमार ने बताया कि चोरों की इस करतूत से संस्थान को लगभग 1.50 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। चोरों ने मौके से एक टीवी और दो चालू लैपटॉप समेत अन्य कीमती कंप्यूटर उपकरण चोरी कर लिए। हद तो तब हो गई जब चोरों ने चोरी के साथ-साथ वहां रखे एक अन्य लैपटॉप को भी बुरी तरह तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया।

चोरों के दुस्साहस का अंदाजा इसी

कैमरा सहित डीवीआर ले गये चोर

बात से लगाया जा सकता है कि वे अपनी पहचान छुपाने और वारदात का कोई सुराग न छोड़ने की तैयारी के साथ आए थे। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से अपराधी केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ उखाड़ ले गए, ताकि पुलिस को कोई फुटेज न मिल सके। इस घटना ने पुलिस की गश्ती और एनएच पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। हैरान करने वाली बात यह है कि इसी केंद्र में पूर्व में भी ठीक इसी तरह की बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया जा चुका है। बार-बार एक ही संस्थान को निशाना बनाया जाना स्थानीय कानून व्यवस्था पर एक सीधा और तीखा सवाल खड़ा करता है। क्या पुलिस सिर्फ घटना के बाद लकीर पीटने के लिए है, या इन बेखौफ अपराधियों पर कोई ठोस कार्रवाई भी होगी?

चोरों ने एक ही दिन छह बंद घरों को बनाया निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। जिले में चोरों ने दिनदहाड़े बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कईया स्थित वास्तु विहार फेज-3 में बंद पड़े छह मकानों के ताले तोड़कर बदमाश नकदी, जेवरात और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। एक ही कॉलोनी में लगातार छह घरों को निशाना बनाए जाने से इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, जिन मकानों में चोरी हुई, उनके परिवार किसी जरूरी काम से बाहर गए हुए थे। चोरों ने इसी का फायदा उठाया और एक-एक कर छह घरों के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश कर गए। बदमाशों ने घरों में रखी नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य कीमती सामान समेट लिया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक चोरी का नुकसान लाखों रुपये का बताया जा रहा है।

शाम को जब मकान मालिक वापस लौटे तो मुख्य दरवाजों के टूटे ताले और घर के भीतर बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। अलमारियां और लॉकर भी खुले मिले। एक साथ छह घरों में चोरी की सूचना फैलते ही कॉलोनी में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए।

घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके

कॉलोनी के लोगों में रोष एवं दहशत का माहौल

पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है। साथ ही कॉलोनी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

एक ही कॉलोनी में दिनदहाड़े छह घरों में चोरी की घटना ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि रिहायशी इलाके में इस तरह की वारदात सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करती है। लोगों ने नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और कॉलोनी की सुरक्षा मजबूत करने की मांग की है।

हाल के दिनों में गया शहर और आसपास के इलाकों में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है। ऐसे में वास्तु विहार फेज-3 की यह घटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर हैं कि पुलिस इस संगठित चोरी का खुलासा कब तक कर पाती है और चोरी गया सामान बरामद होता है या नहीं।

गहना चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। एकमा थाना क्षेत्र के मठनपुरा गांव में घर से आभूषण चोरी कर एकमा बाजार की एक आभूषण दुकान में बेचने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुकानदार समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया। मठनपुरा गांव निवासी ने एकमा थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया कि उनके पुत्र ने गांव के ही एक युवक के साथ मिलकर घर से आभूषण चोरी कर लिया। आरोप है कि चोरी किए गए गहनों को एकमा बाजार स्थित एक सोना-चांदी की दुकान में बेच दिया गया। थानाध्यक्ष रामबालक यादव ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने कथित विक्रेता, उसके सहयोगी तथा संबंधित आभूषण दुकानदार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया। उन्होंने बताया कि मामले में अन्य संभावित आरोपितों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

टेलीकॉम कर्मी की गोली मारकर हत्या

गुस्साये लोगों ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जिले में गुरुवार रात एक सनसनीखेज वारदात में एयरटेल के एक कर्मचारी को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने दरभंगा-बहेड़ी स्टेट हाईवे-50 को जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुलिस ने मौके से दो खोखे बरामद किए हैं और एफएसएल की टीम साक्ष्य जुटाने में लगी है।

जानकारी के अनुसार, बहेड़ी थाना क्षेत्र के निमेठी गांव निवासी संजीव कुमार सिंह एयरटेल कंपनी में कार्यरत थे। गुरुवार रात वह सुरहाचट्टी स्थित टावर पर ड्यूटी पूरी कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान निमेठी गांव के पास आरा मिल के समीप पहले से घात लगाए अपाचे बाइक सवार अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से संजीव कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ग्रामीण एसपी दीक्षा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में

सामने आया है कि बदमाशों ने बेहद करीब से फायरिंग की। संजीव कुमार सिंह के जबड़े और कंधे में गोली लगी थी। घटनास्थल से पुलिस ने दो खोखे बरामद किए हैं। एफएसएल की टीम वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घटना से नाराज ग्रामीणों ने दरभंगाझबहेड़ी स्टेट हाईवे-50 को जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रही है।

प्रत्यक्षदर्शी विजय कुमार सिंह ने बताया कि संजीव कुमार सिंह का गांव में किसी से कोई विवाद नहीं था और सभी लोगों से उनके अच्छे संबंध थे। उन्होंने कहा कि बदमाश पहले से घात लगाए बैठे थे और जैसे ही संजीव वहां पहुंचे, उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ वर्ष पहले इसी स्थान पर नगर निगम के कर्मचारी अनिल सिंह की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ऐसे में एक ही इलाके में दो बड़ी वारदातों ने स्थानीय लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मारपीट मामले में तीन धराये

एकमा (सारण)। थाना क्षेत्र के एकमा बाजार में जमीन विवाद को लेकर दो सगे भाइयों के बीच हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया।

थानाध्यक्ष रामबालक यादव ने बताया कि घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने छापेमारी कर एक पक्ष के राजन कुमार (पिता- रामाशंकर प्रसाद) तथा दूसरे पक्ष के गणेश प्रसाद और रोहित राज (दोनों पिता- ओमप्रकाश प्रसाद), सभी निवासी एकमा बाजार, को गिरफ्तार कर लिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि विधिसम्मत कार्रवाई के बाद तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया गया है। वहीं, मामले में नामजद अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

बधार में पुलिस-बदमाशों के बीच फिर मुठभेड़

पिस्टल, कारतूस व मोबाइल सहित दो धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। अगिआंव-खरईचा बधार में हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज सिंह उर्फ गेहूमन और पंकज कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने उनके पास से एक देसी पिस्टल, दो कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। हालांकि, उनके दो अन्य साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। फरार अपराधियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

भोजपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी इलाके में जुटे हुए हैं। सूचना के अनुसार वे किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इसके बाद गड़हनी थाना पुलिस ने इलाके की घेराबंदी शुरू कर दी।थाना ध्यक्ष कमलजीत के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी।

पुलिस की मौजूदगी का पता चलते ही अपराधियों ने भागने की कोशिश की। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच फायरिंग की घटना हुई।

पुलिस के अनुसार अपराधियों की ओर से कई राउंड फायरिंग की गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की।

मुठभेड़ के दौरान दोनों पक्षों की ओर से कुल आठ राउंड गोलियां चलीं। हालांकि, इस दौरान किसी भी पुलिसकर्मी या आरोपी को चोट नहीं आई। बाद में पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को पकड़ लिया। मौके से हथियार और अन्य सामान भी बरामद किए गए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार सूरज उर्फ गेहूमन का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ लूट और आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वह

पहले भी जेल जा चुका है। वहीं दूसरे आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही पुलिस टीम पर हमला और फायरिंग के आरोप भी जोड़े गए हैं। सूरज उर्फ गेहूमन का नाम पहले एक चर्चित लूटकांड में भी सामने आया था। वर्ष 2024 में बैंक ऑफ बड़ौदा के एक सीएसपी केंद्र से लाखों रुपये की लूट हुई थी।

नि:शुल्क मानसिक रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन

टिकारी । ग्रामीण क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को संवेदना साइकियाट्रिक क्लिनिक एंड डी-एडिक्शन सेंटर के तत्वावधान में नि:शुल्क मानसिक रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

यह शिविर प्रातः दस बजे से अपराह्न तीन बजे तक केसपा स्थित माँ तारा मंदिर परिसर में स्थित पंचायत भवन में किया जाएगा। शिविर में प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. दीपशिखा काव्या मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराएंगी।

आयोजक गौरव राज उर्फ विक्की ने बताया कि शिविर में सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, अवसाद, घबराहट, अत्यधिक गुस्सा, याददाश्त की समस्या, नशे की लत, बच्चों की अतिचंचलता (हाइपरएक्टिविटी), बार-बार एक ही काम करने की आदत (ओसीडी) तथा अन्य मानसिक एवं व्यवहार संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों की जांच की जाएगी।

गयाजी बिहार की दूसरा प्रशासनिक एवं पर्यटन राजधानी घोषित हो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार से झारखंड के विभाजन के पूर्व जिस प्रकार अखंड बिहार की राजधानी पटना के बाद रांची दुसरी राजधानी थी उसी के तर्ज पर बिहार विभाजन के उपरांत गयाजी को बिहार का दूसरा प्रशासनिक और पर्यटन राजधानी घोषित करने की मांग कॉग्रेस पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने सरकार से की है। मांग करने वालों में बिहार प्रदेश कॉग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, राम प्रमोद सिंह, टिंकू गिरी, शिव कुमार चौरसिया, प्रद्युम्न दुबे, अशोक राम, रूपेश चौधरी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मुन्ना मांझी आदि ने कहा कि बिहार की राजधानी पटना के बाद सूबे के सबसे बड़ा, महत्त्वपूर्ण अति प्राचीन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त, विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपना स्थान रखने वाला गयाजी जो बिहार की दुसरी राजधानी बनने की सभी अहर्ताओं को रखता है, इसलिए उसे बिहार का दूसर प्रशासनिक एवं पर्यटन राजधानी घोषित किया जाये। नेताओं ने कहा कि गयाजी स्थित बिहार राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों सहित वरिष्ठ राजनीतिज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों सहित सभी प्रकार के प्रशिक्षण हेतु बने भवन में कल राज्य के सभी 243 विधायकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन करने आ रहे भारत के उपराष्ट्रपति एवं बिहार के मुख्यमंत्री एवं आज मीडिया से बातो के क्रम में बिहार विधानसभा अध्यक्ष द्वारा गायाजी को बिहार का दूसरा प्रशासनिक और पर्यटन राजधानी कहने से नहीं बल्कि उपराष्ट्रपति एवं मुख्यमंत्री से आग्रह कर गयाजी वासियों के वर्षों पुरानी मांग बिहार का दूसरा राजधानी घोषित कराने की मांग जोरदार ढंग से उठायी जाये।

नेताओं ने कहा कि गयाजी सड़क, रेल , वायु तीनों राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय मार्गो से जुड़े होने के साथ-साथ यहाँ राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थाओं जैसे आई आई एम, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, बिहार प्रशासनिक ट्रेनिंग सेंटर आदि स्थित है।

स्टेम सेल और पुनर्योजी चिकित्सा आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य : प्रो. शरद कुमार यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय (एकेयू), पटना के स्कूल ऑफ स्टेम सेल टेक्नोलॉजी एंड रीजनरेटिव मेडिसिन की ओर से 'हयूमनाइजिंग पोर्साइन ऑर्गन्स फॉर ज़ेनो-ट्रांसप्लांटेशन इन द एरा ऑफ स्टेम सेल टेक्नोलॉजी' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्विवद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. शरद कुमार यादव ने कहा कि स्टेम सेल और पुनर्योजी चिकित्सा आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य हैं। उन्होंने विद्यार्थियों और शोधार्थियों से अंतःविषयक अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को अपनाने का आहवान करते हुए कहा कि इन तकनीकों से चिकित्सा विज्ञान में नए आयाम स्थापित होंगे। व्याख्यान में स्टेम सेल तकनीक, जीन संपादन और पुनर्योजी चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के सलाहकार एवं विभागाध्यक्ष डॉ. एच. एन. दिवाकर के स्वागत भाषण से हुई। मुख्य वक्ता बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के अनुसंधान निदेशक प्रो. (डॉ.) नरेश कुमार सिंह ने जेनो-ट्रांसप्लांटेशन की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आनुवंशिक रूप से संशोधित पोर्साइन (सूअर) अंग भविष्य में मानव अंगों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्टेम सेल प्रौद्योगिकी, जीन एडिटिंग और रीजनरेटिव मेडिसिन में हो रही वैज्ञानिक प्रगति तथा अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में इन तकनीकों की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में उप-कुलसचिव डॉ. कुमारी अंजना, संकाय सदस्य डॉ. प्रियंका कृति नारायण, डॉ. श्वेता सिन्हा और डॉ. सुशांत कुमार सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे। महावीर कैंसर संस्थान, पटना के विद्यार्थियों ने भी इसमें भाग लिया। व्याख्यान के बाद आयोजित संवादात्मक सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. एच. एन. दिवाकर ने मुख्य वक्ता डॉ. नरेश कुमार सिंह को स्मृति-चिहन देकर सम्मानित किया।

बकाया वेतन भुगतान को लेकर अराजकीय प्राथमिक शिक्षकों ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार अराजकीय प्राथमिक शिक्षक महासंघ ने शुक्रवार को मीठापुर स्थित विग्रहपुर चौराहा के पास कार्यकारिणी बैठक की। बैठक में महासंघ ने अराजकीय प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के वर्षों से लंबित वेतन भुगतान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से शीघ्र हस्तक्षेप की अपील की। महासंघ के अध्यक्ष सुदामा ठाकुर ने कहा कि 54000 विद्यालयों की शेष भाग 390 विद्यालय जिसमें 2020 में 32 विद्यालय झारखंड में चली गई। शेष 358 विद्यालयों की शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी वेतन लंबित है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर समस्या को लेकर महासंघ द्वारा पहले भी पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को ज्ञापन

सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक शिक्षकों की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि राज्य के हजारों शिक्षक लंबे समय से आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं और सरकार से न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप कर सभी लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की। महासंघ के सचिव प्रदीप कुमार ने कहा कि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला है और उन्हें समय पर वेतन मिलना उनका अधिकार है। वर्षों से वेतन नहीं मिलने के कारण प्रभावित शिक्षकों एवं उनके परिवारों को आर्थिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले को संवेदनशीलता के साथ लेते हुए तत्काल निर्णय लेना चाहिए, ताकि सभी लंबित वेतन का भुगतान हो सके और शिक्षक पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सके। महासंघ ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री इस मानवीय एवं न्यायोचित मांग पर सकारात्मक पहल करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेंगे। मौके पर संगठन मंत्री सुबोध कुमार सिंह, संगठन महामंत्री सुजय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष निपु कुमार, उप प्रवक्ता संतोष कुमार सिंह सहित महासंघ से जुड़े सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिमरिया सिक्स-लेन पुल के एक्सपेंशन जॉइंट का बदला जा रहा हिस्सा, यातायात जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एनएच-31 के औंटा-सिमरिया (गंगा पुल एवं एप्रोच रोड) खंड पर स्थित सिमरिया सिक्स-लेन पुल के पियर पी-12 और पी-13ए के बीच एक्सपेंशन जॉइंट के प्रतिस्थापन का कार्य शुरू कर दिया है। यह कार्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे की तकनीकी निरीक्षण रिपोर्ट और अनुशंसाओं के आधार पर किया जा रहा है। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी आर. वेंकटेश्वरलु ने बताया कि आईआईटी बॉम्बे ने पुल का नियमित तकनीकी निरीक्षण किया था। निरीक्षण के बाद विशेषज्ञों ने पियर पी-12 और पी-13ए के बीच स्थित एक्सपेंशन जॉइंट को बदलने की अनुशंसा की थी जिसके आधार पर अनुरक्षण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि एक्सपेंशन जॉइंट पुल का महत्वपूर्ण तकनीकी अवयव है जो तापमान में बदलाव, यातायात के भार और संरचनात्मक गतियों के अनुसार पुल को आवश्यक लचीलापन प्रदान करता है। विशेषज्ञों के नियमित निरीक्षण के आधार पर आवश्यकता पड़ने पर ऐसे अवयवों का अनुरक्षण या प्रतिस्थापन किया जाता है। यह आधुनिक पुलों के निवारक अनुरक्षण का अहम हिस्सा है जिसका उद्देश्य संभावित तकनीकी समस्याओं का समय रहते समाधान कर पुल की दीर्घकालिक सुरक्षा, स्थायित्व तथा सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है। आर. वेंकटेश्वरलु ने कहा कि वर्तमान कार्य पुल के केवल एक सीमित हिस्से तक सीमित है। मरम्मत के दौरान भी पुल पर वाहनों का आवागमन जारी है और यातायात पर न्यूनतम प्रभाव पड़े, इसके लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अनुरक्षण कार्य पूरा होने के बाद यातायात पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। एनएचएआई ने स्पष्ट किया कि सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और राष्ट्रीय राजमार्ग परिसंपत्तियों की दीर्घकालिक विश्वसनीयता उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से प्रमुख पुलों और अन्य संरचनाओं का नियमित तकनीकी निरीक्षण कराया जाता है तथा विशेषज्ञों की अनुशंसाओं के अनुरूप समयबद्ध अनुरक्षण कार्य किए जाते हैं।

गांव-गांव रोजगार की नई कहानी, पंचायतों में डेयरी संभालेंगी जीविका दीदियां

प्रत्येक लाभुक को दी जाएगी 60 हजार रुपये की वित्तीय सहायता, डेयरी में होगा 15 हजार रुपये खुद का अंशदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जीविका स्वयं सहायता समूह और मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से जुड़ीं महिलाएं ग्राम पंचायतों में डेयरी का संचालन करेंगी। ऐसी महिलाओं को सात निश्चय योजना-3 के तहत बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फ़ेडरेशन लिमिटेड (कॉफेड) एवं जीविका का पूरा सहयोग मिलेगा। योजना के अनुसार राज्य के 38 जिलों से आने वाले सभी 8053 पंचायतों में जीविका-सुधा बिक्री केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके संचालन का पूरा बागडोर जीविका दीदियों के हाथों होगा। राज्य में करीब 13 लाख से भी अधिक जीविका समूह हैं। इन समूहों से एक लाख 81 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। राज्य सरकार ने इन महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का लाभ दिया है। तत्कालीन सरकार के वादों के अनुसार योजना से जुड़ीं महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कई प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप नई पहल के तहत ग्राम पंचायतों में जीविका-सुधा बिक्री केंद्र स्थापित करने की तैयारी है। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों का मानना है कि पंचायतों में जीविका के हाथों संचालित इस डेयरी से जहां स्थानीय लोगों को शुद्ध दूध और उसके अलग-अलग उत्पाद मिल सकेंगे वहीं महिलाओं के लिए रोजगार सृजन की नई राह बनेगी।

पंचायतों में खोले जाने वाले जीविका सुधा केंद्र के तहत

> **जीविका दीदियों को हर हाल में रोजगार से जोड़ा जाएगा। उन्हें सशक्त बनाने की कवायद के तहत ही यह नई पहल की जा रही है। इससे प्रत्येक पंचायत स्तर पर सुधा के उत्पादों की पहुंच होगी। सुधा सहकारिता का विकास एवं विस्तार होने से डेयरी उत्पादन से जुड़े किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो पाएंगे।**
> **श्रवण कुमार**
> **(मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग)**

प्रत्येक लाभुक को 60 हजार रुपये की वित्तीय मदद दी जाएगी और संबंधित महिला खुद के अंशदान के रूप में 15 हजार रुपये डेयरी के संचालन में खर्च करेगी। इस पूंजी का उपयोग डीप फ्रीजर, विसी कूलर, परिवहन सहायता सहित डेयरी उत्पादों की खरीद सहित अन्य आवश्यक पूंजीगत व्ययों के लिए किया जाएगा, जिससे बिक्री केंद्र का सफल संचालन सुनिश्चित हो सके। इस पूरी योजना का लाभ लेने की इच्छुक महिला के लिए जीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य होने के साथ-साथ मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की लाभार्थी होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक महिला से जुड़ी जानकारी लोकोस एप्लीकेशन पर उपलब्ध हो और समूह से प्राप्त ऋण का कोई बकाया ना हो। इसके अलावा संबंधित महिला के पंचायत क्षेत्र में स्वयं की अथवा किराये की दुकान हो। दुकान का क्षेत्रफल न्यूनतम 70 वर्ग फीट होना अनिवार्य होगा। बिजली की समुचित व्यवस्था एवं सड़क संपर्क उपलब्ध होना भी जरूरी है।

रैंडमाइज्ड लॉटरी से होगा चयन

योजना के अंतर्गत प्रत्येक पंचायत में जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं इच्छुक महिलाएं आवेदन करेंगी। प्राप्त आवेदनों के आधार पर संबंधित जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ (सीएलएफ) की ओर से निर्धारित मानकों के अनुसार पात्र महिला का सत्यापन होगा। इसके बाद सत्यापित पात्र महिलाओं का चयन प्रखंड स्तर पर रैंडमाइज्ड लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

सरकार और संगठन के समन्वय से विकास की गति होगी और तेज : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भाजपा, बिहार प्रदेश कार्यालय स्थित अटल सभागार में आज प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की अध्यक्षता में प्रदेश पदाधिकारियों एवं सभी जिला अध्यक्षों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जिसकी सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित एवं अनुशासित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि आगामी सभी संगठनात्मक कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी प्रत्येक पदाधिकारी और जिला अध्यक्ष की है। सभी कार्यकर्ता जन-जन तक सरकार की उपलब्धियों, सेवा, सुशासन और विकास के संकल्प को पहुंचाने का कार्य करें। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि संगठन की निरंतर सक्रियता और कार्यकर्ताओं की ऊर्ज़ा ही भाजपा की सफलता का आधार है। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों से आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से जनता की अपेक्षाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकता है। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, बिहार प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं बिहार सह-प्रभारी दीपक प्रकाश तथा संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया ने भी संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों एवं सभी जिला अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों के संगठनात्मक कार्यों की जानकारी साझा की तथा आगामी अभियानों और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए।

17 वर्षों से सेवा दे रहे तालिमी मरकज और टोला सेवकों का वेतन बंद करना अन्यायपूर्ण : गुलाम सरवर आजाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ऑल तंजीम-ए-इंसाफ बिहार के उप महासचिव गुलाम सरवर आजाद ने बिहार सरकार द्वारा तालिमी मरकज और टोला सेवकों के पिछले कई महीनों से वेतन भुगतान नहीं किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पिछले 17 वर्षों से शिक्षा सेवी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हजारों तालिमी मरकज और टोला सेवक आज आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। गुलाम सरवर आजाद ने कहा कि तालिमी मरकज और टोला सेवकों ने बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खासकर समाज के गरीब, वंचित और अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में इनकी भूमिका सराहनीय रही है। इसके बावजूद इन्हें राज्यकर्मी का दर्ज़ा देने की वर्षों पुरानी मांग पर सरकार गंभीरता से विचार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ ये शिक्षा सेवक स्थायी सेवा और सम्मानजनक दर्जे की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कई महीनों से वेतन बंद कर देना उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा कर रहा है। हजारों शिक्षा सेवियों के परिवार आज रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए परेशान हैं। ऑल तंजीम-ए-इंसाफ बिहार के उप महासचिव ने सरकार से मांग की कि तत्काल लंबित वेतन का भुगतान किया जाए और तालिमी मरकज एवं टोला सेवकों की सेवा को देखते हुए उन्हें राज्यकर्मी का दर्ज़ा देने की दिशा में ठोस निर्णय लिया जाए।

बिहार में आ रही औद्योगिक क्रांति, युवाओं के लिए खुल रहे रोजगार के असीम अवसर : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मंगल पांडेय ने बिहार सरकार की औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज और नई स्टार्टअप नीति की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की दृढ़ इच्छाशक्ति और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन के साझा प्रयासों (डबल इंजन सरकार) का परिणाम है कि आज बिहार उद्योग और नवाचार (स्टार्टअप) के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच रहा है। मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार में बड़े स्तर पर उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों के लिए बिहार सरकार द्वारा दिए जा रहे वित्तीय प्रोत्साहन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व हैं। आज राज्य में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार पूंजीगत सब्सिडी, 40 करोड़ रुपये तक का ब्याज अनुदान, स्टांप ड्यूटी एवं पंजीकरण शुल्क की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति और बिजली शुल्क में विशेष छूट जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं दे रही है। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाली इकाइयों को अतिरिक्त रोजगार सृजन प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे राज्य के युवाओं का पलायन थमेगा और वे अपने ही घर में सम्मानजनक आजीविका पा सकेंगे। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार ने बड़े निवेशकों के लिए जो नीतियां बनाई हैं, वे बेमिसाल हैं। 100 करोड़ से अधिक का निवेश और 1,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने वाली मेगा परियोजनाओं को 10 एकड़ तक की भूमि मुफ्त आवंटित करने का निर्णय राज्य के औद्योगिक इतिहास में मील का पत्थर है। इसके अलावा फॉर्च्यून 500 कंपनियों को 25 एकड़ तक की भूमि निःशुल्क देना और अन्य उद्योगों को बियाडा की दरों पर 50 प्रतिषत तक की भारी छूट देना यह साबित करता है कि बिहार अब 'बिजनेस फ्रेंडली' राज्यों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है।

उत्साह, उमंग और प्रतिभा के संग संपन्न सीएटीसी-5 शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार नेवल यूनिट द्वारा एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, राजेंद्र नगर, पटना में आयोजित दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समापन समारोह का शुभारंभ कैंप कमांडेंट कमांडर सन्नी कुमार गुप्ता, मौसम गुप्ता एवं उप कैंप कमांडेंट कर्नल जेरी मैथ्यू द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कैडेट्स एवं अभिभावकों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। अपने संबोधन में कमांडर सन्नी कुमार गुप्ता ने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने शिविर के दौरान कैडेट्स द्वारा प्रदर्शित समर्पण, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त प्रशिक्षण एवं अनुभव जीवनभर कैडेट्स का मार्गदर्शन करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कैडेट्स ने एक से बढ़कर एक गीत, नृत्य, समूह गान एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा पूरे परिसर को तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान कर दिया। शिविर के दौरान ड्रिल, बोट पुलिंग, शिप मॉडलिंग, हथियार प्रशिक्षण, नेवल ओरिएंटेशन, नेतृत्व विकास, व्यक्तित्व निर्माण, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, योग एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रदान किए गये प्रमाण-पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्तशासी संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एवं एप्लाइड न्यूट्रिशन, हाजीपुर द्वारा बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की विभिन्न बटालियनों एवं प्रशिक्षण केंद्रों में कार्यरत रसोइयों (कुक/परिचारी) के लिए आयोजित पांच दिवसीय 'कौशल विकास प्रशिक्षण एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम' के तृतीय बैच का सफलतापूर्वक समापन किया गया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। 06 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को खाद्य स्वच्छता, पोषण, सुरक्षित खाद्य प्रबंधन, रसोई प्रबंधन, व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई तथा आधुनिक पाक-कला तकनीकों का व्यावहारिक एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस पहल का उद्देश्य बीएसएपी की विभिन्न इकाइयों में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पोषण संबंधी मानकों को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी में होगा युवा मार्गदर्शन एवं कौशल विकास कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा (वैशाली)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर 15 जुलाई 2026 को कैरियर मिशन कंप्यूटर एकेडमी, जंदाहा के संस्थान परिसर में 'युवा भविष्य निर्माण एवं कौशल मार्गदर्शन कार्यक्रम' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा, आधुनिक तकनीकी ज्ञान, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से अवगत कराते हुए उन्हें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण संस्थान के मुख्य संचालक एवं शिक्षाविद् डॉ. आनंद रंजन झा होंगे।

वे युवाओं को वर्तमान समय में कौशल विकास के महत्व, डिजिटल शिक्षा, रोजगार की संभावनाओं, व्यक्तित्व विकास, उद्यमिता तथा बदलते वैश्विक परिदृश्य में सफलता के सूत्रों पर विस्तृत मार्गदर्शन देंगे। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में युवाओं को विभिन्न रोजगारपरक एवं कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी जिससे वे अपने करियर की सही दिशा का चयन कर सकें। संस्थान के संचालक डॉ. आनंद रंजन झा ने सभी युवाओं से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर विशेषज्ञ मार्गदर्शन का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल ही सफलता की सबसे बड़ी पहचान है। कौशलयुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल संसदीय समिति की बैठक

सांसदों ने जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, डीडीयू के सभागार में किया गया। इस बैठक में पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम द्वारा की गयी। बैठक में सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम, चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह, काराकाट के सांसद राजा राम सिंह, आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, सासाराम के सांसद मनोज कुमार, औरंगाबाद के सांसद अभय कुमार सिन्हा तथा राज्य सभा की सांसद साधना सिंह उपस्थित थे। इनके अलावा केंद्रीय मंत्री सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, भारत सरकार सह गया के सांसद जीतन राम मांझी के प्रतिनिधि राजेश कुमार पाण्डेय, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह के प्रतिनिधि अजीत कुमार तथा राज्य सभा की सांसद दर्शना सिंह के प्रतिनिधि विवेकानंद केसरी उपस्थित थे। बैठक में सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक रेलवे एवं जनप्रतिनिधियों के मध्य संवाद का एक सशक्त माध्यम है और आपके सुझाव हमें सेवा की गुणवत्ता में और सुधार लाने हेतु प्रेरित करते हैं। महाप्रबन्धक ने अपने स्वागत संबोधन में पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से सांसदगण को अवगत कराया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने किया आश्रित हितलाभ का भुगतान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक सीए निरंजन कुमार द्वारा सादे समारोह में मेसर्स मेसर्स फायरमैक्स टेक्निकल सर्विसेज के अंतर्गत बीमित व्यक्ति स्व. रिंकी देवी जो कंकडबाग, पटना में हाऊसकीपर के पद पर कार्यरत थे उनकी आश्रिता सुपुत्री रिया कुमारी, सुपुत्री- विधा कुमारी, सुपुत्री - नव्या कुमारी, सुपुत्र- कृष कुमार एवं सुपुत्र - टाइगर कुमार को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी। स्व. रिंकी देवी की मृत्यु 23-07-2024 को कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे व परिवार पूर्णतः आर्थिक रूप से उन पर

निर्भर था। नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के पश्चात इसकी जांच की गयी तथा ई0एस0आई0सी0 द्वारा आश्रितों के लिए मासिक पेंशन स्वीकृत किया गया। पेंशन के रूप में 281 रु. प्रतिदिन की दर से प्रतिमाह रु.8430/- आश्रितों को मिलेगा। दुर्घटना की तिथि से आज तक लगभग रु. 1,85,460-/ रुपये का बकाया भुगतान भी उनके खाते में अंतरित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कार्य के दौरान व कार्यस्थल और निवासस्थान के मध्य आवागमन के कारण होने वाली दुर्घटना को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के तहत रोजगार चोट के रूप में स्वीकृत करने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत बीमित कर्मचारी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रित परिवारजनों को ई0 एस0 आई0 योजना के तहत वेतन का 90% तक मासिक आश्रित पेंशन दिया जाता है।

संपादकीय

संघर्ष की विरासत, प्रतिरोध के बीच गूंजती पंडवानी की आवाज

विपरीत हालात के बावजूद तीजन बाई ने अपनी कला को नहीं छोड़ा और उसके तहत वे महाभारत कथा की अलग-अलग बारीकियों के साथ उसके अभिनय पक्ष पर काम करती रहीं।कला जगत में ऐसे कम लोग हुए हैं, जिन्होंने अपने जीवन में लगभग हर स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद न केवल मजबूत उपस्थिति दर्ज की, बल्कि अपनी चुनी हुई विधा को एक नया आयाम दिया।तीजन बाई और पंडवानी आज एक-दूसरे के मजबूत पर्याय के तौर पर जाने जाते हैं, तो इसकी एक ठोस पृष्ठभूमि भी है। महज नौ साल की उम्र में जब तीजन बाई ने अपने चचेरे नाना से पंडवानी का प्रशिक्षण लेना शुरू किया, तो उस उम्र में भी उन्हें समाज से लेकर अपने परिवार तक का काफी विरोध झेलना पड़ा।दरअसल, पंडवानी विधा में गायन को आमतौर पर पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। आगे उनका निजी जीवन भी इससे बुरी तरह प्रभावित हुआ और उनकी शादी भी टूटी। मगर पंडवानी और तीजन बाई ने शायद एक-दूसरे को चुन लिया था और यही वजह थी कि कमजोर सामाजिक तबके से आने और तमाम विपरीत हालात के बावजूद उन्होंने अपनी कला को नहीं छोड़ा और उसके तहत वे महाभारत कथा की अलग-अलग बारीकियों के साथ उसके अभिनय पक्ष पर काम करती रहीं।अपनी प्रतिबद्धता की वजह से ही वे न केवल अपने आसपास के गांवों में एक कामयाब पंडवानी गायिका के रूप में जानी गईं, बल्कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने भी उन्हें अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिला।उनकी प्रतिभा के लिए उन्हें पद्म पुरस्कारों सहित कई अन्य सम्मान से नवाजा गया, लेकिन उनकी अहमियत उनके व्यक्तित्व में मौजूद उन खासियतों से कायम रही, जिन्हें उन्होंने काफी मेहनत और संघर्ष से अर्जित किया था।उनकी प्रस्तुतियों में उत्साह, ऊर्जा, आक्रामकता, कठोरता से लेकर कोमलता और वात्सल्य के भाव दर्शकों के भीतर उतर जाते थे और इससे पता चलता है कि उन्हें इसके लिए किस स्तर की साधना से गुजरना पड़ा होगा।औपचारिक शिक्षा नहीं के बराबर होने के बावजूद अपनी चुनी हुई कला में उन्होंने जिस स्तर की बारीकियां हासिल कीं, वैसा विरले दिखता है।मौजूदा दौर में मंचीय प्रस्तुतियां महज चकाचौंध और आधुनिक तकनीक की गूंज में दबी लगती हैं, लेकिन कला और उसकी अहमियत को समझने वालों को तीजन बाई की प्रस्तुतियों के बीच ठहराव के साथ मौन की संवेदना के मायने भीतर तक उतर जाना ज्यादा याद रह जाता है।

दुनिया के कई देशों ने इस समस्या को सार्वजनिक नीति का विषय बनाया है। ब्रिटेन ने अकेलेपन से निपटने के लिए विशेष रणनीति तैयार की थी और जापान ने भी सामाजिक अलगाव की बढ़ती समस्या को देखते हुए अलग सरकारी व्यवस्था बनाई। भारत में भी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक संबंधों को लेकर चर्चा बढ़ी है, लेकिन अभी इस दिशा में व्यापक सामाजिक पहल की आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, सामुदायिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और बुजुर्गों के लिए सामाजिक मंच विकसित करने की जरूरत है, लेकिन समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं निकलेगा। समाज को भी अपने भीतर झांकना होगा। पड़ोस, मित्रता, सामुदायिक गतिविधियां, पुस्तकालय, उद्यान, वरिष्ठ नागरिक समूह और परिवार के भीतर संवाद–ये सभी सामाजिक जीवन के वे सूत्र हैं, जो व्यक्ति को अकेलेपन से बचाते हैं। आज जरूरत यह है कि हम डिजिटल संपर्क और मानवीय संबंधों के बीच का अंतर समझें। संबंध केवल संपर्क करने से नहीं बनते, उन्हें समय, संवाद और संवेदना से निभाया जाता है।

स्क्रीन के इस पार भीड़, उस पार अकेला इंसान, सिकुड़ रही हैं हमारी संवेदनाएं

(श्याम यादव)

मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त लोगों की भीड़ के बीच अकेला खड़ा एक व्यक्ति, जो डिजिटल युग में बढ़ते अकेलेपन और मानवीय संबंधों की घटती आत्मीयता का प्रतीक है।डिजिटल दुनिया में पहले से कहीं अधिक जुड़े होने के बावजूद लोग भावनात्मक रूप से पहले से अधिक अकेलापन महसूस कर रहे हैं। मौजूदा दौर में दुनिया की भीड़ ही सबसे ज्यादा चर्चा और चिंता का कारण बन रही है। हमारे आसपास इतने लोग दिखाई देते हैं कि कई बार हम खुद को गुम होता पाते हैं। यह प्रत्यक्ष दुनिया की बात है, लेकिन इसके अलावा आज हम अकेले में भी कभी अकेले नहीं होते हैं। यानी वास्तविक दुनिया की व्यस्तताओं से इतर आभासी दुनिया में हमारी उपस्थिति हमें जरूरत से ज्यादा बड़ी भीड़ से घेरे रखती है।

इसके बावजूद आखिर ऐसा क्या है और क्यों है कि चारों तरफ लोगों और भीड़ से घिरे होने के बावजूद हम अक्सर खुद को अकेला पाते हैं, अकेलेपन को लेकर परेशान होते हैं। यही शायद आज हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है। मनुष्य पहले कभी इतना जुड़ा हुआ नहीं था, लेकिन शायद पहले कभी इतना अकेला भी नहीं था। मोबाइल स्क्रीन, सोशल मीडिया और डिजिटल संपर्कों के इस दौर में संवाद बढ़ा है, पर आत्मीयता घटी है। यही कारण है कि अकेलापन अब केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है।

यों तो आभासी दुनिया में हर वक्त भीड़ देखने या उसके बीच मौजूद होने के बावजूद अकेलेपन के एहसास को लेकर दुनिया भर में चिंता जताई जा रही है, लेकिन कुछ समय पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन की सामाजिक संपर्क आयोग की रिपोर्ट ने भी अकेलेपन को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बताया है। दुनिया भर में हर वर्ष आठ लाख से ज्यादा लोगों की मौत सामाजिक अलगाव और अकेलेपन से जुड़ी हुई मानी जाती है। इससे पता चलता है कि अकेलापन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न भी है।

भारत में परिवार केवल आर्थिक संस्था की हैसियत में चलने वाला कोई ढांचा नहीं है, बल्कि भावनात्मक सहारे का आधार भी रहे हैं। संयुक्त परिवारों में तो कई पीढ़ियां साथ रहती थीं। घरों में बातचीत, हंसी, तकरार और अपनापन जीवन का हिस्सा थे। आज शहरीकरण और बदलती जीवनशैली ने परिवारों को छोटी-छोटी इकाइयों में बांट दिया है। लोग एक ही घर में रहते हुए भी अलग-अलग कमरों और उनमें भी अलग-अलग 'स्क्रीन' में सिमट गए हैं। यह शहरों की तस्वीर है, लेकिन सच यह है कि ग्रामीण समाज भी इस बदलाव से अछूता नहीं है। रोजगार और शिक्षा की तलाश में युवा शहरों की ओर चले गए हैं। गांवों में पीछे छूटे माता-पिता और बुजुर्ग अक्सर सामाजिक और भावनात्मक अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। वहीं शहरों में रहने वाला युवा वर्ग भी प्रतिस्पर्धा, असुरक्षा और व्यावसायिक दबावों के बीच अपने भीतर एक खालीपन महसूस करता है।

सच यह है कि अकेलापन उम्र नहीं देखता। बुजुर्गों के साथ-साथ युवा और किशोर भी इसकी चपेट में हैं। पढ़ाई, करिअर, असफलता का भय, रिश्तों की अस्थिरता और बढ़ती महत्त्वाकांक्षाएं व्यक्ति को भीतर से थका रही हैं। बाहर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर संवाद का एक गहरा अभाव पैदा हो गया है। सोशल मीडिया ने संपर्क के नए अवसर दिए हैं, लेकिन कई बार उसने निकटता का भ्रम भी पैदा किया है। मित्रता 'फॉलोअर' और 'लाइक' में बदलती और सिमटती जा रही है। हजारों संपर्कों के बावजूद लोग अपनी समस्याएं और भावनाएं साझा करने वाला कोई करीबी व्यक्ति नहीं खोज पाते। लोग 'ऑनलाइन' हैं, पर एक-दूसरे के जीवन में उपस्थित नहीं हैं। तकनीक ने संचार को सरल बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों का विकल्प अभी तक नहीं बन सकी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक अकेलापन, अवसाद, चिंता, नींद की समस्या, हृदय रोग और समयपूर्व मृत्यु के जोखिम को बढ़ा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सामाजिक संबंधों को अब स्वास्थ्य के एक महत्त्वपूर्ण आधार के रूप में देखने की जरूरत पर बल दिया है। यह एक ऐसी अदृश्य महामारी है, जो धीरे-धीरे समाज की जड़ों को प्रभावित कर रही है।

दुनिया के कई देशों ने इस समस्या को सार्वजनिक नीति का विषय बनाया है। ब्रिटेन ने अकेलेपन से निपटने के लिए विशेष रणनीति तैयार की थी और जापान ने भी सामाजिक अलगाव की बढ़ती समस्या को देखते हुए अलग सरकारी व्यवस्था बनाई। भारत में भी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक संबंधों को लेकर चर्चा बढ़ी है, लेकिन अभी इस दिशा में व्यापक सामाजिक पहल की आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, सामुदायिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और बुजुर्गों के लिए सामाजिक मंच विकसित करने की जरूरत है, लेकिन समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं निकलेगा। समाज को भी अपने भीतर झांकना होगा। पड़ोस, मित्रता, सामुदायिक गतिविधियां, पुस्तकालय, उद्यान, वरिष्ठ नागरिक समूह और परिवार के भीतर संवाद–ये सभी सामाजिक जीवन के वे सूत्र हैं, जो व्यक्ति को अकेलेपन से बचाते हैं।

आज जरूरत यह है कि हम डिजिटल संपर्क और मानवीय संबंधों के बीच का अंतर समझें। संबंध केवल संपर्क करने से नहीं बनते, उन्हें समय, संवाद और संवेदना से निभाया जाता है। किसी का हाल पूछ लेना, किसी बुजुर्ग के साथ कुछ समय बैठ जाना या किसी मित्र की चुप्पी को सुन लेना भी सामाजिक उपचार का काम कर सकता है। भारत जैसे भावनात्मक समाज की सबसे बड़ी ताकत उसके रिश्ते, पड़ोस, साझा जीवन और संवाद की परंपरा रही है। अगर ये कमजोर पड़ते हैं, तो अकेलापन केवल व्यक्ति की समस्या नहीं रहता, वह समाज की भी समस्या बन जाता है। डिजिटल युग में तकनीक आवश्यक है, लेकिन वह मानवीय संबंधों का विकल्प नहीं हो सकती, क्योंकि आखिरकार मनुष्य को वस्तुओं से अधिक किसी अपने के होने की आवश्यकता होती है।

समंदर बन गई हैं महानगरों की सड़कें, डूबती गाड़ियों को कोई किनारा नहीं मिलता

(नीरज कुमार दुबे)

क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए?

हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है?

क्या यह आश्चर्य की बात नहीं कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गुरुग्राम जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हर वर्ष मानसून आते ही जलभराव, जाम और अव्यवस्था की पहचान बन जाते हैं? क्या यह केवल मौसम की मार है, या फिर हमारी नगर योजना, निर्माण व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी असफलता है? यदि हर वर्ष यही स्थिति बननी है, तो फिर हर वर्ष होने वाली तैयारियों और बैठकों का परिणाम आखिर कहां दिखाई देता है?

क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं?

क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है?

क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है? यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां?

क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बर्बादी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला?

क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं?

क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं? लेकिन क्या यह भी उतना ही सच नहीं कि व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी पर होती है जिसके हाथ में योजना, संसाधन और निर्णय की शक्ति होती है? देखा जाये तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? क्या जनता को हर वर्ष एक ही परेशानी झेलने के लिए मजबूर रखना किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान हो सकती है? और यदि इन सवालों का उत्तर आज भी हमारे पास नहीं है, तो फिर क्या हमें पहले विकसित भारत का सपना देखना चाहिए, या पहले उसकी मजबूत बुनियाद तैयार करनी चाहिए?(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'जलालाबाद' से 'परशुरामपुरी' बनने की गौरवगाथा में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान

प्राचीन, सनातन और वास्तविक गौरव परशुरामपुरी का यह नाम परिवर्तन वास्तविकता में केवल धार्मिक नहीं, बल्कि इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा आर्थिक गेम-चेंजर साबित होने जा रहा है। जैसे ही यह क्षेत्र आधिकारिक तौर पर परशुरामपुरी के रूप में स्थापित होगा, देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल, लॉज, परिवहन, हस्तशिल्प, और पूजा-सामग्री से जुड़े स्थानीय व्यापार को भारी गति मिलेगी। युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

(रुद्र प्रताप दुबे)

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम बदलकर 'परशुरामपुरी' करके सांस्कृतिक पुनरुत्थान की दिशा में अहम कदम उठाया है, जिससे भगवान परशुराम की जन्मस्थली को वैश्विक पहचान मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन से क्षेत्र के आर्थिक विकास की नींव रखी गई है।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बार फिर सांस्कृतिक पुनर्स्थापना की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 6 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलकर 'परशुरामपुरी' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। मुग़ल कालीन नाम को हटाकर अपनी मूल सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटना, मात्र एक नाम का परिवर्तन नहीं बल्कि भारत के गौरवशाली अतीत और सनातन अस्मिता की पुनर्स्थापना है। जलालाबाद से परशुराम पुरी की यह यात्रा केवल एक कस्बे के नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं है। यह उस सोच का विस्तार है जिसमें स्थानीय इतिहास, लोक-आस्था और सांस्कृतिक स्मृति को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। भगवान परशुराम, जो शस्त्र और शास्त्र दोनों के प्रतीक माने जाते हैं, उनकी जन्मस्थली को उचित पहचान मिलना नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का माध्यम बन सकता है।

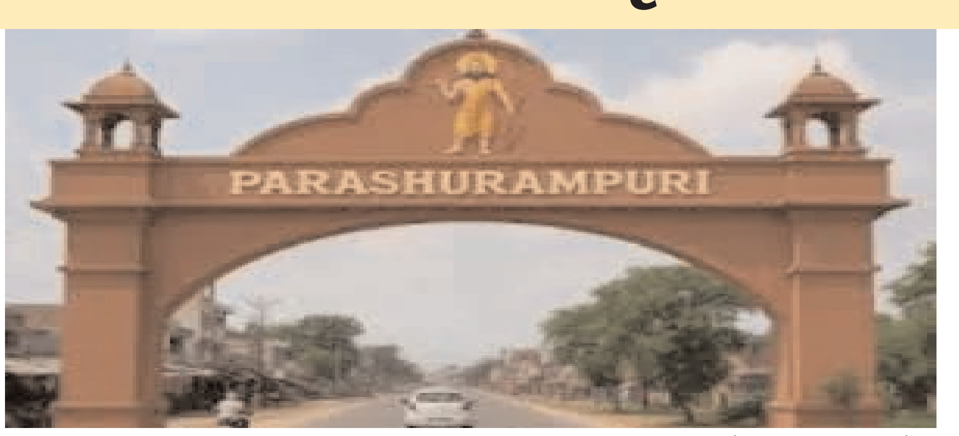

जलालाबाद का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली रहा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह भगवान परशुराम की तपोभूमि और जन्मस्थली रहा है। इसके बाद, महाभारत काल में भी इस क्षेत्र का विशेष महत्व था, माना जाता है कि पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय यहाँ के वनों में बिताया था लेकिन मुग़ल काल में थोपे गए इस नाम के कारण इस भूमि की वास्तविक पहचान कहीं छिप गई थी। मुग़ल दस्तावेज़ों में भी इस क्षेत्र का ज़िक्र एक महत्वपूर्ण परगने के रूप में करके इसकी महत्वपूर्ण धार्मिक पहचान को मिटाने का काम किया गया।

प्राचीन, सनातन और वास्तविक गौरव परशुरामपुरी का यह नाम परिवर्तन वास्तविकता में केवल धार्मिक नहीं, बल्कि इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा आर्थिक गेम-चेंजर साबित होने जा रहा है। जैसे ही यह क्षेत्र आधिकारिक तौर पर परशुरामपुरी के रूप में स्थापित होगा, देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल, लॉज, परिवहन, हस्तशिल्प, और पूजा-सामग्री से जुड़े स्थानीय व्यापार को भारी गति मिलेगी। युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। परशुरामपुरी के भव्य विकास के लिए सड़कों का चौड़ीकरण, मंदिर परिसर का सुंदरीकरण और बुनियादी ढांचागत विकास तेज होगा, जिससे इस पूरे क्षेत्र के आर्थिक स्तर में भारी सुधार देखने को मिलेगा। अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे धार्मिक केंद्रों में हाल के वर्षों में हुए कायाकल्प के बाद वहां श्रद्धालुओं की संख्या और स्थानीय आय दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है–परशुरामपुरी से भी वैसी ही अपेक्षा की जा रही है।वर्तमान में केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद जब उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे तब बीजेपी की डबल इंजन सरकार ने परशुराम मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, सड़क संपर्क, बिजली-पानी की बेहतर व्यवस्था और श्रद्धालु सुविधा केंद्रों पर निवेश करना प्रारंभ कर दिया था। अब शाहजहांपुर से सटे जिलों के लोगों का मानना है कि यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में एक प्रमुख धार्मिक-पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर सकता है। शाहजहांपुर, जो अब तक मुख्यतः कृषि और लघु उद्योगों पर निर्भर रहा है, मात्र इस पहचान के जरिए ही धार्मिक अर्थव्यवस्था के मानचित्र पर भी अपनी जगह बना सकता है।

जलालाबाद को परशुरामपुरी बनाने का यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस वृहद् सोच का हिस्सा है, जो भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान को राष्ट्र के विकास का आधार मानती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि भगवान परशुराम केवल एक जाति या वर्ग के आराध्य नहीं, बल्कि पूरे भारत के न्याय, करुणा और पुरुषार्थ के प्रतीक हैं। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने कई अवसरों पर रेखांकित किया है कि भारत की प्राचीन अस्मिता और महापुरुषों के गौरव को पुनर्स्थापित करना ही अमृत काल का मुख्य संकल्प है। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां 'विकास भी और विरासत भी की सोच को लेकर आगे बढ़ते हैं वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार यह रेखांकित करते रहे हैं कि उनकी सरकार विकास के साथ-साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक पहचान को भी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीते वर्षों में इलाहाबाद से प्रयागराज, मुगलसराय से पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर जैसे कई नामकरणों के जरिए यह नीति लगातार आगे बढ़ी है। इस ऐतिहासिक निर्णय को धरातल पर उतारने का श्रेय केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के साथ ही शाहजहाँपुर के स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अनथक प्रयासों को जाता है। स्थानीय विधायकों और जनप्रतिनिधियों के एकजुट नेतृत्व और भगीरथ प्रयास का ही परिणाम है कि शासन-प्रशासन स्तर की सभी कड़ियों को पार करते हुए इस प्रस्ताव को कैबिनेट की अंतिम मंजूरी मिल सकी। जनप्रतिनिधियों की इस सजगता ने क्षेत्र के लोगों को अपनी जड़ों पर गर्व करने का ऐतिहासिक अवसर देते हुए इस ऐतिहासिक क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान देने का रास्ता खोल दिया है। अयोध्या में श्री राम मंदिर और काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर के दिव्य स्वरूप के बाद, अब परशुरामपुरी का यह कायाकल्प सनातन संस्कृति के ध्वज को और ऊँचा ले जाएगा।स्थानीय जनता की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करके सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक विकास के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोना ही नव्य उत्तर प्रदेश का असली मंत्र है।

एनएफ रेलवे मजदूर यूनियन का प्रदर्शन, 43 सूत्री मांगों का डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। एन एफ रेलवे मजदूर यूनियन कटिहार मंडल के बैनर तले शुक्रवार को डीआरएम कार्यालय परिसर में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद यूनियन प्रतिनिधिमंडल ने मंडल रेल प्रबंधक किरेंद्र नरह को रेल कर्मचारियों से जुड़ी 43 सूत्री मांगों का विस्तृत ज्ञापन सौंपा। आयोजित प्रदर्शन के दौरान यूनियन के पदाधिकारी को मनोज सिंह उमाशंकर सहित अन्य नेताओं ने कहा कि लंबे समय से कर्मचारियों की मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण कर्मचारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। उनकी मुख्य मांगों में आठ घंटे की ड्यूटी व्यवस्था लागू करने, पदोन्नति, एरियर भुगतान, ट्रैक मेंटेनरों की समस्याओं, रेलवे कॉलोनियों की मरम्मत, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, एचआरएमएस संबंधी तकनीकी त्रुटियों के समाधान सहित कई महत्वपूर्ण मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। यूनियन द्वारा हक्की बारिश में कटिहार रेलवे के मुख्य प्रवेश द्वार पर भीषण जलजमाव का मुद्दा उठाते हुए इसे यात्रियों, कर्मचारियों और आम लोगों के लिए गंभीर परेशानी को भी बताया गया। नेताओं ने आरोप लगाया कि रेलवे इंजीनियरिंग विभाग के पास अब तक जलनिकासी की कोई स्थायी मास्टर प्लान नहीं है, जिसके कारण थोड़ी ही बारिश में मुख्य द्वार तालाब का रूप ले लेता है। इससे आवागमन बाधित होता है, दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है तथा रेलवे की छवि भी प्रभावित होती है।इसलिये रेलवे प्रशासन इस समस्या को अस्थायी उपायों से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक एवं स्थायी ड्रेनेज मास्टर प्लान तैयार कर प्राथमिकता के इसका निदान करना चाहिए। वही एन एफ रेलवे मजदूर यूनियन के केंद्रीय पदाधिकारी उमाशंकर ने रेल प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि रेल कर्मचारियों की 43 सूत्री मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन तेज करने को बाध्य होगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी एवं यूनियन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोसडीहरा गांव के तालाब के जीर्णोद्धार की जरूरत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर प्रखंड के कोसडीहरा गांव के समीप एक प्राचीन तालाब है जिसके किनारे सूर्य मंदिर का निर्माण किया गया है। पंचायत के मुखिया द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट का निर्माण कराया गया है। साथ ही जल संरक्षण का प्रयास जारी है परंतु तालाब की गहराई कम होने के कारण गर्मियों में पानी सूख जाता है। बारिश के मौसम में पानी तो रहता है परंतु सफाई की कमी के कारण तालाब में कई प्रकार के पौधा उग आए हैं। ग्रामीण विवेक सिंह ने बताया कि तालाब का जीर्णोद्धार करने की जरूरत है। अगर तालाब की गहराई हो जाती है तो जल संचय में काफी हद तक सहूलयित होगी। वहीं तालाब की उचित देखरेख नहीं होने के कारण पशु-पक्षियों को भी पानी नहीं मिल पाता है। ग्रामीणों का मानना है कि जबतक तालाब की उड़ाही नहीं होगी तबतक उसकी गहराई नहीं बढ़ेगी।

नाव के सहारे यात्रा के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन के दिये निर्देश

नाव घाटों पर एसडीएम-एसडीपीओ की सख्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। विगत कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिस से नदियां ऊफान पर हैं। गंगा जी का जलस्तर लगातार बढ़ने से मनिहारी अनुमंडल प्रशासन पूरी सतर्क हो गया है। मनिहारी साहिबगंज के बीच नदी मार्ग में नाव के सहारे यात्रा करनेवाले यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एसडीएम त्रिलोकीनाथ सिंह और एसडीपीओ विनोद कुमार ने विभिन्न नाव घाटों का संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने सभी 14 नाव घाटों के संचालकों, लेशी और नाविकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में नावों की ओवरलोडिंग नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम त्रिलोकीनाथ सिंह ने कहा कि प्रत्येक नाव का परिचालन केवल निर्धारित क्षमता के अनुसार होगा तथा रवाना होने से पहले सभी यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य रहेगा। सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यात्रियों से भी अपील की कि

जल्दबाजी में नाव पर न चढ़ें और केवल सुरक्षित नाव से ही सफर करें। वहीं एसडीपीओ विनोद कुमार ने चेतावनी दी कि ओवरलोडिंग, सुरक्षा नियमों की अनदेखी या लापरवाही मिलने पर संबंधित नाविकों व संचालकों के खिलाफ विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बरसात के मौसम में गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन की यह सख्ती यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम के रुप मे देखा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

वर्ष 1987 से चल रहा मदरसा विवाद के घेरे में अधिकारी बने अनजान

कदवा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के कुर्सेल पंचायत के शीशिया में स्थित मदरसा गौसिया इम्दादिया शीशिया इन दिनों विवाद के घेरे में आ गया है। जिसको लेकर मदरसा के हेड मौलवी इकरामुल हक अध्यक्ष जियाउल हक, सचिव अब्दुल हन्नान सहित स्थानीय लोगों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं।लेकिन न्याय नही मिल पा रहा है। हेड मौलवी के माध्यम से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 1987 से मदरसा का संचालन किया जा रहा है। जब वे जांच कराने गये तो शिक्षा विभाग के अधिकारी ने कहा कि पूर्व में मदरसा का जांच कर लिया गया है और जांच प्रतिवेदन 30 जून 2026 को बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना को भेज भी दिया गया है।जिसमें प्रबंध समिति के अध्यक्ष वसीमा शबनम, सचिव नोमान अरशद एवं प्रधान मौलबी कासिम अख्तर हैं। जबकि वर्षों से मदरसा का संचालन प्रधान मौलबी इकरामुल हक, सचिव अब्दुल हन्नान व अध्यक्ष जियाउल हक के द्वारा होता आ रहा है।हेड मौलवी ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी से जांच करवाने के लिए लिखित आवेदन दिया है। लेकिन मदरसा का पनः जांच नही कराया जा रहा है। मामले को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि मामले को लेकर जांच का आदेश आया है अब जांच के बाद हीं सही और गलत का पता चल पाएगा। जो भी हो अब सबसे बड़ा सवाल बनता है कि मदरसा के इस जांच में हुए फजीर्वाड़ा में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भी मिलीभगत है क्या? अगर नही तो अब तक मदरसा जांच नही होना शिक्षा विभाग के कार्यशैली पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है।

फलका थाना परिसर में उपद्रव और राइफल छीनने की नामजद महिला आरोपी गिरफ्तार

फलका/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बीते दिनों फलका पुलिस अभिरक्षा में बाइक लूट कांड के संदिग्ध राकेश कुमार यादव की मौत होने की घटना के पश्चात फलका मुख्य चौक व थाना परिसर में हुई उपद्रव, पुलिस के साथ मारपीट व राइफल छीनने के मामले में पुलिस ने छापेमारी कर घटना के एक नामजद महिला आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष प्रहलाद यादव ने बताया कि बीते दिनों पुलिस अभिरक्षा में बाइक लूट कांड के संदिग्ध राकेश कुमार यादव की मौत होने की घटना के पश्चात फलका मुख्य चौक व थाना परिसर में हुई उपद्रव के दौरान विधि व्यवस्था संधारण हेतु मौके पर तैनात पुलिसकर्मी के साथ मारपीट कर जख्मी करने एवं राइफल छीनने के मामले में एक महिला नामजद आरोपी थी, जो कुछ दिनों से फरार चल रही थी। जिसे सूचना पर गुरुवार की देर रात पोठिया पुलिस के सहयोग से चांदपुर गांव में छापेमारी कर आरोपी को घर से गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को आरोपी महिला को कागजी कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मांग दिवस पर आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं का प्रदर्शन

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार राज्य आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका एवं कर्मचारी संघ (ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन), आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स फेडरेशन (आईफा) तथा सीटू के आह्वान पर शुक्रवार को मांग दिवस के अवसर पर जिले की आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। इस दौरान सेविका-सहायिकाओं ने काला बिल्ला लगाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया और जिला पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए संघ की जिला सह राज्य महामंत्री मीना कुमारी ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं वर्षों से अल्प मानदेय पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने मांग की कि सेविका-सहायिकाओं का सरकारीकरण किया जाए तथा अन्य राज्यों की तर्ज पर उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में सेविका-सहायिकाओं को ग्रेच्युटी का लाभ, पेंशन की व्यवस्था, मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि तथा लंबे समय से लंबित बकाया मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए। इसके अलावा संगठन की अन्य लंबित मांगों को भी तत्काल पूरा किया जाए। संघ के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो सेविका-सहायिकाएं चरणबद्ध एवं व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। प्रदर्शन में जिला सम्मानित अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह, सुरदेव पांडे, डॉ. बिनोद, विनय यादव, गुड्डू सिंह, जिला कार्यकारी अध्यक्ष संजू कुमारी, जिला महासचिव गीता कुमारी सहित रूबी कुमारी, बीना सिंह, गीता सिंह, कमला कुमारी, शकुंतला देवी, अर्चना कुमारी, तेतरी देवी, लालती देवी, चंपा देवी, मंजू कुमारी, सुनीता कुमारी, रूबी यादव, प्रेमशिला देवी, अनीता मिश्रा, प्रियंका कुमारी, करुणा निधि, नीलम कुमारी, राधिका देवी, कुमारी सुमन लता, दिव्या कुमारी, रेहाना खातून, रजनी देवी समेत जिले की सैकड़ों आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं उपस्थित थीं।

मनिका के वार्ड पांच में ग्रामीणों को नहीं मिल रहा जल

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले के मदनपुर प्रखंड के तहत मनिका पंचायत के वार्ड नं- पांच में नल जल योजना की स्थिति इन दिनों काफी बदहाल हो गई है। यहां पांच वर्षो से नल-जल योजना का कार्य अधूरा पड़ा है। पीएचइडी विभाग के अधिकारी कार्य को पूर्ण नहीं किया गया है। योजना के पूर्ण नहीं होने से ग्रामीणों में पीएचइडी विभाग के प्रति आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि पांच वर्ष पूर्व पीएचइडी विभाग द्वारा नल-जल योजना कार्य प्रारंभ हुआ था। वार्ड में नल योजना का कार्य शुरू तो हुआ परंतु पूर्ण नहीं हो सका है। विभाग के द्वारा मोटर लगाया गया है। उसके बाद टंकी नहीं लगाया गया है। पाइप भी बिछाया गया तो सिर्फ अधूरा ही बिछाया गया है। पीएचइडी विभाग के अधिकारियों द्वारा यहां केवल कार्य में खानापूर्ति की गई है। बता दें कि राज्य सरकार द्वारा सात निश्चय योजना के तहत हर घर को नल से जल पहुंचाना है परंतु अब ग्रामीणों को सरकार का यह वादा खोखला लगने लगा है। अभी तक सभी घरों में ठीक तरह से नल का जल नहीं पहुंचना चिता का विषय है। गांव में 12० से अधिक घरों की बस्ती है परंतु एक भी घर में नल का जल ग्रामीणों को नसीब नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने कई बार विभाग के अधिकारियों को इससे अवगत कराया है परंतु अबतक मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। ग्रामीण अमित सिंह, विवेक सिंह बताते हैं।

52 गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद (कटिहार)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमदाबाद में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजित शिविर में 52 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर के दौरान एएनएम द्वारा गर्भवती महिलाओं का वजन, शुगर, खून, रक्तचाप सहित आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के बाद चिकित्सकों ने आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी तथा निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जयकुमार ने बताया कि

गर्भवती महिलाओं और गर्भस्थ शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रत्येक माह की 9, 15 एवं 21 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत शिविर आयोजित किया जाता है। काउंसलर अमित कुमार ने बताया कि शिविर में गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, नियमित प्रसव पूर्व जांच, साफ-सफाई,आयरन एवं कैल्शियम की दवाएं समय पर लेने तथा सुरक्षित मातृत्व से जुड़ी आवश्यक जानकारियां दी गईं। साथ ही जरूरत के अनुसार सभी लाभार्थियों को निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

झाड़-फूंक के चक्कर में गई मासूम की जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार) । मनिहारी थाना क्षेत्र के बाघमारा गांव में झाड़-फूंक के भरोसे रहने से चार वर्षीय मासूम की जान चली गई। जानकारी के अनुसार कुमारीपुर निवासी चंदन सिंह का पुत्र ईशू कुमार अपनी मां रूबी देवी के साथ ननिहाल बाघमारा आया था। शुक्रवार को वह घर के आंगन में खेल रहा था। तभी उसे जहरीले सांप ने डस लिया। परिजन तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय विष उतारने के लिए झाड़-फूंक कराने में लग गए। हालत बिगड़ने पर बच्चे को अनुमंडल अस्पताल मनिहारी लाया गया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। चिकित्सकों का कहना है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक पर भरोसा करने के बजाय मरीज को बिना देर किए नजदीकी अस्पताल पहुंचाना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है। समाजसेवी करण मानस ने भी अस्पताल पहुंचकर ईलाज मे मदद की। आमजन से अपील की कि सर्पदंश के मामले में झाड़-फूंक के चक्कर मासूम की जान गयी ।

मुरादपुर पंचायत में स्वच्छता कर्मियों की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समेली (कटिहार) । प्रखंड क्षेत्र के मुरादपुर पंचायत स्थित कचरा प्रसंस्करण इकाई में स्वच्छता कर्मियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व स्वच्छता पर्यवेक्षक उत्तम कुमार ने किया। इसमें पंचायत में चल रहे सफाई कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही सभी घरों से नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में यूजर शुल्क वसूली की भी समीक्षा हुई। उत्तम कुमार ने कहा कि सभी स्वच्छता कर्मी नियमित रूप से घर-घर जाकर यूजर चार्ज का संग्रह करें। लाभुकों को भुगतान की रसीद देना और समय पर राशि जमा करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि

नियमित शुल्क वसूली से पंचायत की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकेगा। बैठक में सूखे कचरे के वर्गीकरण,खाद की पैकिंग और कचरा प्रसंस्करण कार्य पर भी चर्चा हुई। कर्मियों से कहा गया कि सूखे कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में छांटकर पैक करें। ताकि उसका बेहतर उपयोग हो सके। तैयार खाद की पैकिंग नियमित रूप से करने पर भी जोर दिया गया। स्वच्छता पर्यवेक्षक ने कहा कि पंचायत को स्वच्छ रखने में सभी कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।उन्होंने सफाई कार्य में नियमितता बनाए रखने और आपसी समन्वय के साथ काम करने की अपील की। मौके पर स्वच्छताकर्मी सुनील कुमार रजक, ईश्वर मंडल, राजेंद्र हरिजन, दिनेश राय, दिलीप, निदेश, गौरव, वकील, कुशेश्वर समेत अन्य सफाई कर्मी उपस्थित रहे ।

नीमा में समूह की महिलाओं से पांच लाख की ठगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। थाना क्षेत्र के नीमा पंचायत में समुह के महिलाओ से केवाईसी के नाम पर लगभग पांच लाख रूपया ठगी का मामला प्रकाश मे आया है । पिड़ित पुसिया देवी, सेहरा खातुन, अगना खातुन, जयंती देवी, सहीदा खातुन, मिठू आलम, चिंटू आलम, विनोद कर्मकार आदि लोगो ने एसडीपीओ विनोद कुमार को आवेदन देकर न्याय का गुहार लगाया है । सभी ने बताया है कि नीमा के कृष्ण कुमार पिता शिवकुमार नया टोला बहादुरपुर निवासी ने समूह के महिलाओ से नो डियूज कराने के नाम पर चार लाख 84 हजार नौ सौ बारह रूपया उठाकर बैंक में जमा ना कर अपने

पास रख लिया । जब इसकी जानकारी समूह के सभी सदस्यो को हुआ तो कृष्ण कुमार ने रूपया वापस कर देने का स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट कर दिया । जब एग्रीमेंट का समय पुरा हो गया तब कृष्ण कुमार घर छोड़कर फरार हो गया है । समूह के सभी सदस्यो ने एसडीपीओ ने जांच कर उचित कार्रवाई करने का मांग किया है। एसडीपीओ ने बताया कि फजीर्वाड़ा को लेकर महिलाओ ने आवेदन दिया है। इसकी जांच कर दोषी पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी ।

ग्राम रक्षा दल के सदस्यों की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। बिहार राज्य दलपति एवं ग्राम रक्षा दल महासंघ के द्वारा मनसाही प्रखंड क्षेत्र के चित्तौरिया पंचायत के बड़ी बथना में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया और ग्राम रक्षा दल को प्रशिक्षण को लेकर तैयार रहने के लिए कहा गया। ग्राम रक्षा दल के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद यादव ने इस बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि युवा किसी भी बहकावे में ना आये ग्राम रक्षा दल का पूरे बिहार में एक रजिस्टर्ड संगठन हैं।जिसके भी उपाध्यक्ष वे हैं और कटिहार में भारती सिंह इसके जिला अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि भारती सिंह को प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर संगठन

विस्तार को लेकर निर्देश दिए गए हैं और इसी के आधार पर ग्राम रक्षा दल के सदस्यों को सरकारी प्रावधानों के अनुसार प्रशिक्षण दिए जाएंगे और उन्हें कार्य पर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो भी फर्जी संगठन चल रहे हैं उन पर आगे आने वाले दिनों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर पत्र भी जारी कर दिये गए हैं। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री रवि रंजन कुमार एवं प्रदेश प्रवक्ता मो. शाहजहां ने भी ग्राम रक्षा दल के कार्यो से सभी सदस्यों का अवगत कराया और संगठन के कार्य को आगे बढ़ाने की अपील की।

स्मैक तस्करी के आरोप में पुलिस ने पति-पत्नी को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण। नशेडियों एवं नशे के गोरखधंधे मे शामिल धंधेबाजों के विरुद्ध जिले के पुलिस कप्तान परिचय कुमार के सख्त निर्देश के आलोक मे मनिहारी अनुमंडल पुलिस सतर्क है। प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद कुमार ने जानकारी दिया कि जिले के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त दिशा निर्देश के आलोक में अमदाबाद पुलिस ने अवांछित गतिविधियों व नशे के धंधे में शामिल धंधेबाजों के विरूद्ध कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी स्मैक तस्करी के संबंध में मिली गुप्त सूचना के आधार अमदाबाद के भोलामारी गांव में मो. मोबारक हुसैन के घर पर अमदाबाद थानाध्यक्ष रंजीत कुमार के नेतृत्व व मैजिस्ट्रेट की मौजूदगी मे छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान मौके का लाभ उठाकर मो. मोबारक भाग निकला

था। उसके घर की तलाशी के क्रम में पुलिस ने दो ड्रम के बीच एक प्लासटिक डिब्बे मे छुपाकर रखे गये 203 ग्राम स्मैक बरामद की। बरामद स्मैक को जप्त करते हुए महिला पुलिस बल के सहयोग से पुलिस ने मोबारक की पत्नी मशकूरा बीबी (40) को गिरफ्तार कर लिया। इस संदर्भ मे अमदाबाद थानाकांड संख्या 206/26 दर्ज कर बीएनएस की धारा 8(सी)/21(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्जकर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। डीएसपी श्री कुमार ने बताया कि मौके से फरार मो. मोबारक हुसैन (42) को पश्चिम बंगाल के हरिश्चद्रपुर से पश्चिम बंगाल पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी दी कि स्मैक तस्करी कर बेचने के आरोप मे पकडे गये दम्पत्ति के घर से पुलिस ने 203.86 ग्राम स्मैक

पकडे गये दम्पत्ति के घर से पुलिस ने की 203.86 ग्राम स्मैक 11 पुडिया, 01 मोबाईल फोन, विभिन्न रंग का 11 लाईटर, 01 ईलेक्ट्रानिक तराजू के साथ नगदी बरामद

पिछले दिन भी छापेमारी के क्रम में 2750 लीटर बेजिंन पेट्रोल पेट्रोल, 35 लीटर नकली डीजल व कृत्रिम रंग पुलिस ने किया बरामद

11पुडिया मे ,01 मोबाईल फोन, विभिन्न रंग का 11 लाईटर, 01 ईलेक्ट्रानिक तराजू, मुबारक हुसैन के पास से 206750 रुपए नगद बरामद की गयी है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री कुमार ने बताया कि तकरीबन दो सप्ताह पूर्व मुबारक हुसैन के घर छापेमारी के क्रम मे 2750 लीटर बेजिंन पेट्रोल पेट्रोल, 35 लीटर नकली डीजल व कृत्रिम रंग पुलिस ने बरामद की थी। इसकी बारीकि से जांच पडताल की जा रही थी कि गुप्त सूचना मिली की स्मैक के धंधे में भी मुबारक शामिल है। इसी आलोक मे की गयी कार्रवाई में सफलता मिली है। नकली पेट्रोल और डीजल मामले में अलग से एक प्राथमिकी दर्ज कराये जाने की बात कही। इस अभियान में थानाध्यक्ष रंजीत कुमार के साथ पुअनि भोला कुमार, मसुधन कुमार, विद्या चक्रवर्ती सहित पुलिस बल के जवान शामिल रहे ।

संक्षिप्त समाचार

चोरी के गहने बेचने के मामले में तीन गिरफ्तार

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एकमा थाना क्षेत्र के मठनपुरा गांव में घर से आभूषण चोरी कर एकमा बाजार की एक आभूषण दुकान में बेचने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुकानदार समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया। मठनपुरा गांव निवासी एक व्यक्ति ने एकमा थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया कि उनके पुत्र ने गांव के ही एक युवक के साथ मिलकर घर से आभूषण चोरी कर लिया। आरोप है कि चोरी किए गए गहनों को एकमा बाजार स्थित एक सोना-चांदी की दुकान में बेच दिया गया। थानाध्यक्ष रामबालक यादव ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने कथित विक्रेता, उसके सहयोगी तथा संबंधित आभूषण दुकानदार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया। उन्होंने बताया कि मामले में अन्य संभावित आरोपितों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

मारपीट में दोनों पक्षों के तीन आरोपित गिरफ्तार

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के एकमा बाजार में जमीन विवाद को लेकर दो सगे भाइयों के बीच हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया। थानाध्यक्ष रामबालक यादव ने बताया कि घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने छापेमारी कर एक पक्ष के राजन कुमार (पिता- रामाशंकर प्रसाद) तथा दूसरे पक्ष के गणेश प्रसाद और रोहित राज (दोनों पिता- ओमप्रकाश प्रसाद), सभी निवासी एकमा बाजार, को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि विधिसम्मत कार्रवाई के बाद तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया गया है। वहीं, मामले में नामजद अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

अपहरण मामले में युवती सकुशल बरामद

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के एक गांव से शादी की नीयत से कथित रूप से अपहृत युवती को एकमा पुलिस ने एकमा रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद युवती को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस के अनुसार करीब एक माह पूर्व युवती के पिता ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध पुत्री के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस लगातार मामले की जांच और युवती की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान सूचना मिली कि युवती एकमा रेलवे स्टेशन पर मौजूद है, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया। मामले के अनुसंधानकर्ता सह एसआई जगजीत कुमार ने बताया कि बरामद युवती को न्यायालय भेजा गया है, जहां उसका धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया जाएगा। न्यायालय के निर्देशानुसार आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

शराब के साथ दो युवक गिरफ्तार

बनकटवा (पूर्वी चम्पारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 71वीं वाहिनी एसएसबी, जी कंपनी बरहरवा के जवानो ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाल से भारत में शराब लाने की कोशिश कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई सीमा स्तंभ संख्या 368/09 के समीप भारतीय क्षेत्र में लगभग 400 मीटर अंदर की गई।एसएसबी जवानों ने तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 30 बोतल नेपाली शराब बरामद की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों युवक नेपाल से शराब लेकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे। बरामद शराब को जब्त कर लिया गया तथा

कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई।कार्रवाई के दौरान पकड़े गए युवकों की पहचान आदापुर थाना क्षेत्र के बखरी गांव निवासी 16 वर्षीय सूरज कुमार, पिता मिथिलेश महतो तथा 18 वर्षीय अमरेश कुमार, पिता नंदलाल प्रसाद के रूप में हुई है। दोनों युवक सीमा पार से शराब लेकर आने के दौरान एसएसबी के हत्थे चढ़ गए। एसएसबी ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जब्त शराब एवं गिरफ्तार दोनों युवकों को आगे की कार्रवाई के लिए छौड़ादानो थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोकामा प्रखंड में शुक्रवार को करीब एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश ने पूरे इलाके की व्यवस्था बिगाड़ दी। तेज बारिश के चलते कई इलाकों, सड़कों और मोकामा रेफरल अस्पताल में पानी भर गया, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।शहर के निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई। नगरपरिषद क्षेत्र में बुडको द्वारा बनाए गए नालों की सफाई अधूरी होने से हालात और बिगड़े। कई जगह नाले पूरी तरह जाम पड़े हैं, जिसके कारण नालों का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा। लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।बारिश का सबसे ज्यादा असर मोकामा रेफरल अस्पताल पर पड़ा। अस्पताल के ओपीडी समेत सभी कमरों में पानी घुस गया। वार्डों में जलभराव के कारण

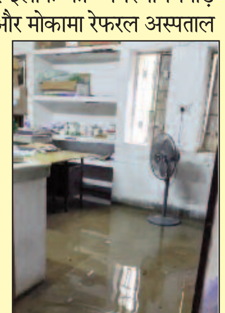

मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। डॉक्टरों और स्टाफ को भी इलाज में दिक्कतें आईं।स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश से पहले नालों की सफाई का दावा किया जाता है, लेकिन धरातल पर काम नहीं दिखता। बुडको के नालों का काम अधूरा होने से हर बारिश में यही हाल होता है। लोगों ने नगरपरिषद और प्रशासन से जल्द जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

पांच किलो गांजा बरामद, तस्कर फरार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ धनरूआ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शनिवार को धनरूआ थाना क्षेत्र के सिम्हाडी गांव में आसूचना संकलन के आधार पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध छापेमारी की गई। सूचना थी कि एक घर में गांजा की बिक्री की जा रही है।पुलिस टीम ने

छापेमारी के दौरान घर से 5 किलो गांजा बरामद कर उसे जब्त कर लिया। हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही धंधेबाज भागने में सफल रहा। फरार आरोपी की पहचान अजीत कुमार पिता स्व अमीरत प्रसाद के रूप में की गई है थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद गांजे को जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। अग्रतर विधि-सम्मत कार्रवाई* की जा रही है।पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में नशे के कारोबार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और इसमें शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

युवक को गोली मार कर जख्मी कर देने के मामले में आठ लोगों पर नामजद प्राथमिकी

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लहसुना थाना क्षेत्र के ग्राम डोमाचक में गुरुवार की शाम को हुए आपसी विवाद के दौरान गोलीबारी की घटना में एक युवक को गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे बेहतर इलाज हेतु पटना पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है, घटना के बाद जख्मी युवक अरुण कुमार के बडे भाई मनु कुमार पिता लालबाबू पासवान के बयान पर आठ लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। के सूत्रों के मुताबिक दो युवको को रात

में ही पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और उसके निशानदेही पर लगातार छापेमारी कर रही है।बहरहाल घटना के दौरान सूचना मिलते ही मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक, पूर्वी पटना ने भी घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए पिडित परिवारों से मुलाकात किया और घटनाक्रम के बारे में जांच की, उन्होंने कहा कि घटना में संलिप्त अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी होगी।

एमजीसीयू में एबीवीपी का 78 वां स्थापना दिवस एवं राष्ट्र छात्र दिवस उत्साह एवं गरिमा के साथ मना

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 78 वां स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय छात्र दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं परिषद के कार्यकताओं ने भाग लिया। वहीं प्रांत संगठन मंत्री राकेश मौर्य जी, सेवार्थ विद्यार्थी प्रमुख डॉ. श्याम नन्दन , जनजातीय कार्य प्रमुख डॉ.आशा मीणा, केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्य संयोजक पवन कुमार और विभाग संयोजक आयुष किशन ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि

अर्पित कर किया गया। वक्ताओं ने अइश्ढ की स्थापना, उसके इतिहास तथा छात्र हित, शिक्षा सुधार, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थी केवल भविष्य के नागरिक ही नहीं, बल्कि वर्तमान के उत्तरदायी नेतृत्वकर्ता भी हैं। उन्होंने छात्रों से शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने संगठन के 78 वर्षों की यात्रा, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान तथा युवाओं की सकारात्मक भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उपस्थित विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय छात्र दिवस की शुभकामनाएं दी गईं तथा छात्र शक्ति को समाज और राष्ट्र के विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए युवाओं से शिक्षा, चरित्र निर्माण और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त, डॉ. बबलू पाल , डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, डॉ सुनील घोडके, डॉ. उमेश अभिषेक पाण्डेय, निखिल , विनय, खुशबू, सलोनी, रमणदीप , शिवम, महेश, आशुतोष , रिशु राज, अनुज, मिंटू, आकाश, पूजा, सोलोनी गुप्ता, पवन गुप्ता, युवराज, रूपेश, धन्नजय, राज पांडेय व, प्रवीण, अश्विनी, अभिषेक ठाकुर, कामिनी, सोनी, गुड़िया, मुकेश प्रसाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर पंचायत पालीगंज की सामान्य बोर्ड बैठक में विकास योजनाओं पर लगी मुहर

सफाई, जलनिकासी व सड़क निर्माण को मिली प्राथमिकता

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर पंचायत पालीगंज की सामान्य बोर्ड बैठक शुक्रवार को प्रखंड परिसर स्थित मनरेगा भवन में उप मुख्य पार्षद रजनी कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नगर क्षेत्र के समग्र विकास, साफ-सफाई, जलजमाव, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक की शुरूआत में उप मुख्य पार्षद रजनी कुमारी ने सभी वार्ड पार्षदों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त बनाना सभी जनप्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सरकार की विकास योजनाओं का लाभ प्रत्येक वार्ड तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे, इसके लिए सभी को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। बैठक में बरसात के मौसम को देखते हुए जलजमाव और सफाई व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। वार्ड पार्षदों ने कई क्षेत्रों में जलनिकासी की समस्या उठाई, जिस पर नालों की

नियमित सफाई कराने तथा बंद पड़े पंपों की शीघ्र मरम्मत कर उन्हें चालू कराने का निर्णय लिया गया। नगर के मुख्य मार्गों की जर्जर सड़कों की मरम्मत एवं आवश्यक स्थानों पर नई सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव भी पारित किया गया। वहीं, खराब स्ट्रीट लाइटों को अविलंब ठीक कराने तथा अंधेरे वाले इलाकों में नई स्ट्रीट लाइट लगाने का निर्देश कार्यपालक पदाधिकारी को दिया गया। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को और प्रभावी बनाने, डस्टबिन की संख्या बढ़ाने तथा नियमित कचरा उठाव व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी। मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग एवं नालियों में दवा के छिड़काव का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया। सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई एवं रखरखाव को लेकर भी आवश्यक निर्देश जारी किए गए। उप मुख्य पार्षद रजनी कुमारी ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप नगर पंचायत क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने सभी वार्ड पार्षदों से अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा स्थानीय समस्याओं को समय पर बोर्ड के समक्ष रखने की अपील की। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी भावना, स्वच्छता पदाधिकारी अलंकारिका, वार्ड पार्षद संजय कुमार, राज किशोर कुमार, संजय प्रसाद, प्रवीण कुमार, परवेज हुसैन, सुमन सिन्हा, सूरती कुमारी, रिभा कुमारी, पूनम देवी, रंजना देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नगर पंचायत के कर्मी उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

पहाड़ीचक में बिजली चोरी पर बड़ी कार्रवाई, तीन उपभोक्ताओं पर प्राथमिकी

सोनपुर (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विद्युत विभाग द्वारा बिजली चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष छापेमारी अभियान के तहत नगर परिषद क्षेत्र के पहाड़ीचक में बड़ी कार्रवाई की गई। विभागीय टीम ने तीन उपभोक्ताओं को बिजली विच्छेदन के बावजूद अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा। तीनों के विरुद्ध सोनपुर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराते हुए क्षतिपूर्ति की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सहायक अभियंता के निर्देश पर विभागीय कर्मी तेजस्वी कुमार, राम बच्चन कुमार, सरोज कुमार एवं वीरेंद्र कुमार ने पहाड़ीचक डेमो शेड तथा गर्ल्स हाई स्कूल के समीप छापेमारी की। जांच के दौरान तीन उपभोक्ता अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाए गए। कनीय अभियंता सूरज कुमार ने बताया कि राधिका देवी पर पहले से ₹13,881 का बकाया था। बिजली कनेक्शन काटे जाने के बाद भी अवैध रूप से बिजली उपयोग करने पर विभाग को ₹9,847 की अतिरिक्त क्षति हुई। इस प्रकार कुल ₹23,328 की क्षतिपूर्ति के लिए एफआईआर दर्ज कराई गई। इसी तरह मीना देवी पर ₹16,015 बकाया होने के कारण बिजली आपूर्ति विच्छेद कर दी गई थी। बावजूद इसके उन्होंने बिना बकाया जमा किए अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया।

20 पुड़िया स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार, तीन युवक भी धराए

रक्सौल (पूर्वी चंपारण)/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रक्सौल पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 पुड़िया संदिग्ध स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं मौके पर नशा करने के आरोप में तीन अन्य युवकों कुमार को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से एक सीएनजी टेम्पू, एक अपाचे मोटरसाइकिल तथा एक ईवी मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस को आशंका है कि इन वाहनों का उपयोग नशीले पदार्थों के कारोबार में

को भी हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई बाइपास स्थित शास्त्री नगर इलाके में की गई। पुलिस इंस्पेक्टर रमेश कुमार महतो ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान धनगढवा कौड़ीहार पंचायत के वार्ड संख्या-13 निवासी भगवान साह के पुत्र श्याम बाबू साह के रूप में हुई है। उसके पास से 20 पुड़िया स्मैक जैसा संदिग्ध पदार्थ बरामद किया गया है। वहीं नशा करने के आरोप में धनगढ़वा कौड़ीहार पंचायत के वार्ड संख्या-1 निवासी स्वर्गीय इजहार मियां के पुत्र नबीहसन आलम, रक्सौल पुरंदरा निवासी विनोद कुशवाहा के पुत्र विवेक कुमार तथा पश्चिमी चंपारण जिले के सिकटा निवासी बैजू बैठा के पुत्र सतीश किया जा रहा था। जब्त संदिग्ध पदार्थ को जांच के लिए भेजा गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से एक सीएनजी टेम्पू, एक अपाचे मोटरसाइकिल तथा एक ईवी मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस को आशंका है कि इन वाहनों का उपयोग नशीले पदार्थों के कारोबार में किया जा रहा था। बरामद संदिग्ध मादक पदार्थ को पुलिस ने जांच के लिए आगे भेज दिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपियों का संबंध किसी बड़े नशा तस्करी गिरोह से तो नहीं है। सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

युवक से मारपीट, 75 हजार रुपये लूट का दावा, पुलिस को मामला संदिग्ध प्रतीत

मांझी (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मांझी थाना क्षेत्र के कबीरपार मठिया गांव के समीप शुक्रवार दोपहर साइकिल सवार एक युवक के साथ मारपीट की घटना हुई। घायल युवक ने आरोप लगाया कि मारपीट के बाद अपराधियों ने उसके पास मौजूद 75 हजार रुपये नकद छीन लिए। हालांकि पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और घटना के पीछे प्रेम प्रसंग की आशंका जताई जा रही है। घायल युवक की पहचान दाउदपुर थाना क्षेत्र के बंगरा मठिया गांव निवासी मन्नान मंसूरी के पुत्र जहीर मंसूरी उर्फ बबलू के रूप में हुई है। जहीर ने बताया कि वह डुमरी गांव स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) शाखा से 75 हजार रुपये निकालकर साइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान कबीरपार मठिया गांव के समीप दो युवकों ने उसे रोक लिया और लोहे की चेन से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोप है कि मारपीट के बाद दोनों युवक उसके पास मौजूद 75 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवक को अपने घर में शरण देकर हमलावरों को वहां से खदेड़ दिया। लोगों के हस्तक्षेप से युवक की जान बच गई। सूचना मिलने पर मांझी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मांझी पहुंचाकर उपचार कराया। घटना के बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

भारत विकास परिषद ने स्थापना दिवस पर दिया हरित भारत का संदेश

रक्सौल(पूर्वी चंपारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारत विकास परिषद, शाखाझरक्सौल ने अपने 64वें स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को ऐतिहासिक सौनाहा माई मंदिर परिसर में गोष्ठी एवं वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में औषधीय, फलदार, छायादार तथा अधिक ऑक्सीजन उत्सर्जित करने वाले पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि और सामूहिक 'वंदे मातरम' गायन से हुआ। वनस्पति मंत्रोच्चार के बीच मंदिर के पुजारी चंद्रिका दास के संयोजन में पौधारोपण किया गया। परिषद की ओर से पुजारी चंद्रिका दास को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

सोनपुर में ग्रामीण डाक सेवकों की बैठक

बचत खाता और डाक जीवन बीमा से अधिक लोगों को जोड़ने पर जोर

छपरा/सोनपुर (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ग्रामीण क्षेत्रों में डाक विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को सोनपुर उपमंडल में ग्रामीण डाक सेवकों, शाखा डाकपालों एवं शाखा डाकघर कर्मियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सारण के वरीय डाक अधीक्षक रासबिहारी राम ने की। बैठक को संबोधित करते हुए वरीय डाक अधीक्षक ने कहा कि डाक विभाग अब केवल डाक वितरण तक

सीमित नहीं रह गया है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बचत, बीमा एवं वित्तीय सेवाओं का भी प्रमुख माध्यम बन चुका है। उन्होंने सभी ग्रामीण डाक सेवकों से अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को डाक विभाग की योजनाओं की जानकारी देने तथा अधिक से अधिक लोगों के बचत बैंक खाते खुलवाने और डाक जीवन बीमा से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य गांव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसके लिए शाखा डाकपालों को घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। बैठक में शाखा डाकघरों के कार्यों की समीक्षा भी की गई। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा डाकघर कर्मियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर डाक निरीक्षक रमेश चंद्र सहित सोनपुर उपमंडल के सभी शाखा डाकपाल एवं ग्रामीण डाक सेवक उपस्थित थे।

एमआरएफ, एसटीपी व कम्पोस्ट प्लांट के लिए भूमि उपलब्ध कराने का डीएम ने दिया निर्देश

छपरा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत नगर निकायों में मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ), सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) एवं कम्पोस्ट प्लांट की स्थापना के लिए भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी 10 नगर निकायों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि नगर निगम छपरा सहित सभी नगर निकायों में एमआरएफ एवं कम्पोस्ट प्लांट का निर्माण कराया जाएगा, जबकि अधिकांश नगर निकायों में एसटीपी की स्थापना भी प्रस्तावित है। जहां सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां सतत लीज (परपेचुअल लीज) के आधार पर निजी भूमि उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाए। इसके लिए इच्छुक रैयतों से बातचीत कर भूमि चिन्हित करते हुए प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों को सतत लीज के तहत भूमि का दर निर्धारण कराने के लिए प्रस्ताव अपर समाहर्ता को भेजने का निर्देश दिया।

सर्वोच्च न्यायलय की 'प्रज्ञा योजना' के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक

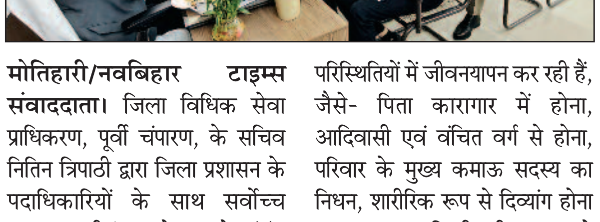

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चंपारण, के सचिव नितिन त्रिपाठी द्वारा जिला प्रशासन के पदाधिकारियों के साथ सर्वोच्च न्यायालय की 'प्रज्ञा योजना' के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह योजना भारत के मुख्य न्यायाधीश के निर्देशन में कोल इंडिया द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत संचालित की जा रही है, जिसके तहत चयनित 1000 बालिकाओं को चार वर्षों तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। बैठक में योजना के क्रियान्वयन, पात्रता मानदंड तथा लाभार्थी चयन की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। इस योजना के अंतर्गत कक्षा 8 एवं उससे ऊपर की छात्राओं को लाभान्वित किया जाएगा, जिनमें वे बालिकाएं शामिल होंगी जिनके दोनों माता-पिता का निधन हो चुका है, अथवा जो अत्यंत संवेदनशील परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही हैं, जैसे- पिता कारागार में होना, आदिवासी एवं वंचित वर्ग से होना, परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य का निधन, शारीरिक रूप से दिव्यांग होना अथवा अन्य किसी भी प्रकार से सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ी हुई बालिकाएं। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी नितिन त्रिपाठी ने कहा, प्रज्ञा योजना जैसी पहल समाज के सबसे कमजोर वर्ग की बालिकाओं के लिए आशा की नई किरण है। हमारा प्रयास है कि कोई भी पात्र बालिका इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने स्तर पर पात्र बालिकाओं की पहचान सुनिश्चित करें तथा इस योजना का अधिकतम लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने हेतु समन्वित प्रयास करें।

आरसेटी तक पक्की सड़क बनाने की मांग, महापौर ने दिए त्वरित निर्माण के निर्देश

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के कौशल विकास एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण के प्रमुख केंद्र सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) तक जाने वाली कच्ची संपर्क सड़क के पक्कीकरण की मांग ने जोर पकड़ लिया है। शुक्रवार को आरसेटी के निदेशक बिपिन कुमार ने नगर निगम की महापौर प्रीति कुमारी को पत्र सौंपकर ब्रांच रोड से संस्थान परिसर तक पक्की एप्रोच सड़क के शीघ्र निर्माण की मांग की। निदेशक श्री कुमार द्वारा सौंपे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (एम.ओ.आर.डी) के

मार्गदर्शन तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के तत्वावधान में संचालित आरसेटी में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों, महिलाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सिलाई, ब्यूटी पार्लर, मशरूम उत्पादन, डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन, वर्मी कम्पोस्ट सहित विभिन्न स्वरोजगारपरक आवासीय प्रशिक्षण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। प्रशिक्षण के उपरांत लाभार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंक ऋण, हैंडहोल्डिंग तथा अन्य आवश्यक सहयोग भी प्रदान किया जाता है। श्री कुमार ने बताया कि ब्रांच रोड से आरसेटी तक जाने वाली सड़क अभी कच्ची है। विशेषकर बरसात के मौसम में जलजमाव और कीचड़ के कारण प्रशिक्षुओं, बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों, विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, अतिथियों एवं स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका प्रतिकूल प्रभाव प्रशिक्षण गतिविधियों पर भी पड़ता है।उन्होंने जनहित, कौशल विकास और क्षेत्रीय प्रगति को ध्यान में रखते हुए सड़क का शीघ्र निर्माण अथवा सुदृढ़ीकरण कराने का अनुरोध किया। उनका कहना है कि सड़क बनने से प्रतिवर्ष प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले हजारों प्रशिक्षुओं के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की स्थायी सुविधा उपलब्ध होगी। उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए महापौर प्रीति कुमारी ने संबंधित अधिकारियों को आरसेटी तक एप्रोच सड़क का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कराने का निर्देश दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण का कार्य जल्द शुरू कराकर इसे समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा ।

पहली बारिश में ही सड़कों का हाल बेहाल

सरकारी पैसे की बर्बादी या निगरानी तंत्र की विफलता?

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बहरागोड़ा। पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में सड़कों की बदहाल स्थिति एक बार फिर बड़े विवाद और चर्चा का विषय बन गई है। मानसून की शुरूआत से पहले हुई सामान्य बारिश ने ही क्षेत्र के विकास दावों की पोल खोल कर रख दी है।

भाजपा के युवा नेता और समाजसेवी राहुल ऋषि सारंगी द्वारा अपने सोशल मीडिया मंचों पर चलाई जा रही ग्रेट रोड सीरीज इस समय पूरे क्षेत्र में हॉट टॉपिक बनी हुई है। इस सीरीज के माध्यम से वे विधानसभा की बदहाल सड़कों की जमीनी और वास्तविक तस्वीरें लगातार साझा कर रहे हैं।

राहुल सारंगी ने इस मुहिम के तहत सीधे क्षेत्र के विधायक समीर कुमार मोहंती, जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने सवाल उठाया है कि जिन सड़कों के निर्माण और मरम्मत के नाम पर कागजों में करोड़ों रुपये खर्च करने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, उनकी हालत महज एक ही बारिश में इतनी भयावह कैसे हो गई?

कई सड़कों पर तो विशेष मरम्मत कार्य के बोर्ड टंगे हैं, लेकिन धरातल पर उसकी गुणवत्ता शून्य नजर आ रही है भाजपा के युवा नेता राहुल सारंगी द्वारा उठाए गए मुद्दों में क्षेत्र की इन महत्वपूर्ण सड़कों की दुर्दशा का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। आरोप लगाया है कि स्थानीय ग्रामीणों में गुहियापाल मार्ग के निर्माण कार्य को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि

कांट्रेक्टर द्वारा हाल ही में सड़क मरम्मत कराई गई थी एक दो साल के अंदर यह सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। यह पूरी तरह से सरकारी पैसे की बर्बादी और निगरानी तंत्र की विफलता।

जल भराव में फंसी गाड़ियां, घंटों जाम में फंसे रहे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावागढ़ । बाघमारा प्रखंड के सिनीडीह से चिटाही के रामराज मंदिर जाने वाले मार्ग पर स्थित टुंडू रेल अंडरपास एक बार फिर राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गया। जल जमाव के कारण अंडरपास में पानी भर जाने से एक मारुति वेन और एक आटो बीच में ही फंस गया। जिसके बाद मुख्य मार्ग में घंटों वाहनों का परिचालन ठप रहा।

लोगों के अनुसार कुछ देर पूर्व ही बारिश होने से अंडरपास में पानी का स्तर बढ़ने के कारण चालकों को पानी के स्तर का अंदाजा नहीं लग सका। नतीजा जैसे ही मारुति वेन और आटो अंडरपास पार करने लगा कि पानी इंजन में घुस गया। दोनों वाहन बीच में ही बंद होकर फंस गया। वाहनों के फंसने से सांसद व विधायक से मिलने उनके आवास पर जाने वाले तथा विशेषकर रामराज मंदिर दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं और दैनिक राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। चिटाही धाम और सांसद ढुलू महतो के आवास का मुख्य मार्ग जाम रहने के कारण लोगों को आठ किलोमीटर दूर भाया सोनारडीह घूमकर जाना पड़ा। करीब डेढ़ घंटे के बाद पानी का बहाव कम होने के बाद पानी में फंसे वाहनों को निकाला गया। जिसके बाद उक्त मार्ग पर यातायात सामान्य हो पाया।

मटकुरिया गोलीकांड मामला

पूर्व मंत्री सहित 30 लोगों को मिली सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद के चर्चित मटकुरिया गोलीकांड मामले में 15 वर्ष तक चली लंबी सुनवाई के बाद आखिरकार शुक्रवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाया। धनबाद एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत ने मामले के पूर्व मंत्री मन्नान मलिल्क समेत सभी 30 नामजद आरोपियों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को तीन वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। हालांकि, अदालत ने सभी दोषियों को अपील दायर करने के लिए 30 दिनों की औपबंधिक जमानत पर रिहा करने का आदेश भी दिया।

कांग्रेस के पूर्व विधायक मन्नान मल्लिक, उनके पुत्र हुबान मल्लिक, शब्बीर आलम ,धर्मवीर कुमार शर्मा, राजकुमार पासी, वीरेंदर कुमार सिंह ,कुमार अभिषेक, मोहम्मद अजीम ,अजय कुमार सिंह शगुन चौहान ,बलदेव पांडेय, दिल चंद चौहान ,मोहम्मद कलाम, भगवान साव, शक्ति कुमार, बाबर अली खान, ब्रजेश कुमार ,वीरेंदर पासवान ,अरविंद कुमार सिंह, ,रंजीत कुमार, जीवन चंद्र घोष, मोहम्मद हलीम अंसारी, मदन महतो, नवनीत नीरज, हरिंदर शाही, दीपक कुमार पासवान इजहार अहमद, बद्री रविदास।

सुनवाई के दौरान विनोद सिंह उर्फ पप्पू सिंह एवं अजय कुमार राउत हाजिर नहीं हुए, लिहाजा अदालत ने दोनों का बंध पत्र रद कर दिया और गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया।

15 वर्षों तक चली लंबी कानूनी सुनवाई के बाद अदालत ने सुनवाई पूरी करते हुए आज की तारीख फैसले के लिए निर्धारित की थी।धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत ने मामले के सभी आरोपियों को सशरीर अदालत में उपस्थित रहने का आदेश दिया था। लिहाजा दो को छोड़कर सभी आरोपी सदेह अदालत में हाजिर थे। पूर्व विधायक मन्नान मल्लिक व उनके पुत्र हुबान मलिक वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित हुए उनके अधिवक्ता द्वारा अदालत को बताया गया कि वो इलाजरत हैं।

दो वाहनों की टक्कर में छह घायल

गोला। रामगढ़-बोकारो एच एच 23 चक्रवाली गांव स्थित चौधरी होटल के सामने शुक्रवार अहले सुबह स्कॉर्पियो (जेएच 09एआर-4647) और अर्टिगा कार (जेएच 01एफयू-4526) के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों पर सवार छह लोग घायल हो गए।

टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को वाहनों से बाहर निकालकर तत्काल एनएचएआइ के एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला पहुंचाया। जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया गया।

जानकारी के अनुसार, अर्टिगा कार पर सवार लोग बोकारो से रांची की ओर जा रही थी। वहीं स्कॉर्पियो बंगाल के तुलिन से जैनामोड़ में आयोजित एक बारात से लौट रही थी। चक्रवाली स्थित चौधरी होटल के समीप दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए।

दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार दानिश अंसारी, अजमल अंसारी, इरफान और मेराज घायल हो गए। सभी जैनामोड़ क्षेत्र के रहने वाले बताए जाते हैं।

बीएसएल के निगमित सामाजिक दायित्व के तहत शिक्षा और कौशल विकास पहलों का विस्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा अपने निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत स्थानीय विस्थापित परिवारों और स्थानीय युवाओं के शिक्षा एवं तकनीकी कौशल के लिए कई महत्वपूर्ण एवं दूरगामी कदम उठाए गए हैं। इन प्रयासों में बोकारो इस्पात शैक्षणिक न्यास द्वारा संचालित बोकारो प्राइवेट आईटीआई की भूमिका विशेष तौर पर उल्लेखनीय है जिसके माध्यम से न केवल विस्थापित एवं स्थानीय युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान की जा रही है, बल्कि रोजगारउन्मुख कौशल विकास और ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग के जरिए औद्योगिक मंचों पर उनके लिए नए अवसरों के मार्ग प्रशस्त किए जा रहे हैं।

ज्ञातव्य है कि बोकारो प्राइवेट आईटीआई में 40 प्रतिशत सीट विस्थापित परिवार के अभियर्थियों के लिए आरक्षित है, साथ ही इस श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए यह पाठ्यक्रम पूरी

तरह से निःशुल्क है। यहाँ फिलहाल इलेक्ट्रीशियन, फिटर और वेल्डर जैसे कोर-औद्योगिक ट्रेडों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देकर स्थानीय कार्यबल की दक्षता को निरंतर बढ़ाया जा रहा है।

वैश्विक औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जल्द ही कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (सीओपीए), डीजल मेकेनिक, फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट से संबंधित ट्रेड्स की भी शुरूआत करने की योजना है। अपनी स्थापना काल से अब तक इस केंद्र में 2149 विद्यार्थियों का दाखिला हो चुका है जो क्राफ्ट्समैन ट्रेनिंग स्कीम (नियमित) एवं क्राफ्ट्समैन ट्रेनिंग स्कीम - ड्यूल, दोनों पाठ्यक्रमों के तहत लाभान्वित हो रहे हैं।

इस बहुआयामी पहल के दौरान आयोजित कैंपस रिक्रूटमेंट-सह-प्लेसमेंट ड्राइव स्थानीय सामाजिक-आर्थिक उत्थान का एक सशक्त माध्यम सिद्ध हो रहे हैं, जिसमें देश की बड़ी पीएसयू कंपनियां सहित अन्य कॉर्पोरेट कंपनियां जैसे होंडा मोटरसाइकिल, स्पार्क मिंडा, एक्साइड और टीवीएस जैसी इकाइयां ग्रामीण अंचल के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही हैं।

बोकारो आईटीआई के प्रशिक्षुओं को कौशल विकास के उद्देश्य से बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों में कार्यस्थल (ऑन-द-जॉब) प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। यह विशेषता बोकारो आईटीआई को राज्य के अन्य सभी आईटीआई संस्थानों से विशिष्ट एवं अलग पहचान प्रदान करती है।

बीएसएल का यह प्रयास स्थानीय युवाओं और विस्थापित परिवार के नौजवानों के लिए नए अवसरों का सृजन करने के साथ ही बोकारो इस्पात संयंत्र के समावेशी विकास और राष्ट्र निर्माण के व्यापक संकल्प को भी निरंतर मजबूती प्रदान कर रही है।

बिहार-झारखण्ड के बीच चलेगी मेमू ट्रेनें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। राजधानी पटना के मौर्या होटल में आयोजित पूर्व मध्य रेलवे की जोनल कमेटी की हाईलेवल बैठक में बिहार रेल यूजर्स एसोसिएशन ने यात्रियों की सहूलियत के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण 12 सूत्री प्रस्ताव रखा है। एसोसिएशन के मुख्य प्रतिनिधि के रूप में अवध बिहारी पांडे ने महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह और अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों के समक्ष इन मांगों को बेहद मजबूती से उठाया। इस आशय की आधिकारिक जानकारी एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष हर्षराज ने शुक्रवार को दी। यदि ये मांगें मंजूर होती हैं, तो जमुई, शेखपुरा, बांका, लखीसराय और भागलपुर रेलखंड की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी।

इस बैठक में सबसे प्रमुख रूप से बहुप्रतीक्षित वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस और अंग सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12253 / 12254) का झाझा स्टेशन पर कमर्शियल ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इसके अलावा बिहार और झारखंड की प्रमुख रेल नगरियों को आपस में जोड़ने के लिए झाझा-गोमो नई मेमू सेवा वाया धनबाद, झाझा-बांका मेमू और झाझा-राजगीर नई ट्रेन सेवा शुरू करने का बड़ा प्रस्ताव दिया गया है। साथ ही साथ यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए वर्तमान में चल रही गया-झाझा मेमू ट्रेन को सीधे बाबाधाम देवघर तक विस्तारित करने की भी पुरजोर वकालत की गई है। एसोसिएशन की तरफ से पिछले काफी समय से बंद पड़ी झाझा पिट लाइन को फिर से चालू करने और किऊल पिट लाइन के निर्माण कार्य में तेजी लाने का विशेष आग्रह किया गया है। पिट लाइन सुचारु होने से इस पूरे पिछड़े क्षेत्र से लंबी दूरी की नई ट्रेनों का नियमित परिचालन सुगमता से शुरू हो सकेगा, जिससे स्थानीय यात्रियों को महानगरों के सफर में भारी राहत मिलेगी। इसके साथ ही किऊल स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 3 और 4 की ऊंचाई बढ़ाने और वहां यात्रियों की सुविधा के लिए एक शानदार नई स्टेशन निर्माण की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

सर्वे को ले दो पक्षों में खूनी संघर्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के आरागुंडी गांव में डीवीसी तुबेद कोल परियोजना से कोयला परिवहन के लिए प्रस्तावित रेलवे लाइन के सर्वे को लेकर शुक्रवार को जमकर बवाल हो गया। सर्वे करने पहुंची टीम को ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक बंधक बनाए रखा।

इस दौरान गांव दो गुटों में बंट गया और देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चले, जिसमें ग्राम प्रधान पीतांबर यादव और सुरेंद्र उरांव घायल हो गए। सूचना मिलने पर लातेहार पुलिस मौके पर पहुंचकर सर्वे टीम को सुरक्षित बाहर निकाला। हालात को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, सर्वे टीम बिना पूर्व सूचना और ग्रामसभा की अनुमति के गांव पहुंची थी। विरोध कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पारंपरिक पड़हा राजा व्यवस्था लागू है और ग्रामसभा की स्वीकृति के बिना किसी भी प्रकार का सर्वे या ड्रोन से मापी नहीं होने दी जाएगी। उनका आरोप है कि प्रशासन और संबंधित एजेंसी ने स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना सर्वे शुरू करने का प्रयास किया, जिसके कारण विवाद उत्पन्न हुआ।

- सर्वे टीम को लोगों ने बनाया बंधक
- ग्राम प्रधान सहित दो लोग जख्मी
- मौके पर पहुंची तीन थानों की पुलिस

रेलवे लाइन के समर्थन में खड़े नंदकिशोर यादव, जितेंद्र यादव, पीतांबर यादव समेत अन्य ग्रामीणों ने कहा कि फिलहाल केवल प्रारंभिक सर्वे का कार्य किया जा रहा है।

उनका कहना है कि सर्वे पूरा होने दिया जाना चाहिए और आगे की प्रक्रिया गांव के सभी लोगों की सहमति से तय की जाएगी। वहीं विरोध कर रहे सुरेंद्र उरांव, शिवनाथ उरांव, विजय उरांव, जीतन उरांव, मंगलदेव उरांव, उर्मिला देवी, राजेश उरांव और सरिता सेवी समेत अन्य ग्रामीणों ने दोहराया कि ग्रामसभा की अनुमति के बिना किसी भी कीमत पर सर्वे नहीं होने दिया जाएगा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में लातेहार, चंदवा और बालूमाथ थाना की अतिरिक्त पुलिस टीम भी गांव पहुंच गई।

पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद सर्वे टीम को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए गांव और आसपास के इलाके में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पूरे मामले पर प्रशासन की नजर बनी हुई है।

इस संबंध में अंचल अधिकारी नंदकुमार राम ने कहा कि गांव के ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया गया है। गांव से पुलिस फोर्स हटा लिया गया है।

ग्राम रक्षा दल की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही। बिहार राज्य दलपति एवं ग्राम रक्षा दल महासंघ के द्वारा मनसाही प्रखंड क्षेत्र के चित्तौरिया पंचायत के बड़ी बथना में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया और ग्राम रक्षा दल को प्रशिक्षण को लेकर तैयार रहने के लिए कहा गया। ग्राम रक्षा दल के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद यादव ने इस बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि युवा किसी भी बहकावे में ना आये ग्राम रक्षा दल का पूरे बिहार में एक रजिस्टर्ड संगठन हैं।जिसके भी उपाध्यक्ष वे हैं और कटिहार में भारती सिंह इसके जिला अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि भारती सिंह को प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर संगठन विस्तार को लेकर निर्देश दिए गए हैं और इसी के आधार पर ग्राम रक्षा दल के सदस्यों को सरकारी प्रावधानों के अनुसार प्रशिक्षण दिए जाएंगे और उन्हें कार्य पर लगाए जाएंगे।

ब्राउन शुगर व नगदी सहित दो चढ़े पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। तमाड़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने ब्राउन शुगर तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 15 ग्राम ब्राउन शुगर, दो इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, एक कीपैड मोबाइल और 1.70 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राजा शिव दत्त मलिक उर्फ राजा और आसिफ खान के रूप में हुई है। दोनों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, नौ जुलाई को वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि तमाड़ थाना क्षेत्र के बंगाली टोला में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद ग्रामीण पुलिस अधीक्षक और बुंडू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर तमाड़ थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

पुलिस टीम जब बंगाली टोला स्थित राजा शिव दत्त मलिक के घर पहुंची, तभी वहां मौजूद एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम आसिफ खान बताया। एनडीपीएस एक्ट की धारा-50 के तहत तलाशी लेने पर उसके पास से करीब तीन ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने यह ब्राउन शुगर राजा शिव दत्त मलिक से खरीदी थी। आसिफ की निशानदेही पर पुलिस ने राजा शिव दत्त मलिक के घर की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान 12 ग्राम ब्राउन शुगर, दो इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, एक कीपैड मोबाइल और तस्करी से अर्जित 1.70 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। बरामद नकदी और अन्य सामान के संबंध में आरोपित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

धनबाद में पहली बार अत्याधुनिक तकनीक से सफल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जोड़ा फाटक रोड स्थित पाटलीपुत्र हॉस्पिटल में अत्याधुनिक डायरेक्ट एंटीरियर अप्रोच तकनीक से सफल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी कर ऑथोर्पेडिक चिकित्सा के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के ऑथोर्पेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. निखिल ड्रोलिया और उनकी टीम ने 65 वर्षीय मरीज मोहम्मद अब्दुल अजीज खान की सफल सर्जरी की। मरीज चिरकुंडा निवासी मोहम्मद अब्दुल अजीज खान साइकिल दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिससे उनके कुल्हे की हड्डी टूट गई थी। जांच के बाद चिकित्सकों ने हिप रिप्लेसमेंट की सलाह दी। इसके बाद डायरेक्ट एंटीरियर अप्रोच तकनीक से ऑपरेशन किया गया। अस्पताल के अनुसार, मरीज की स्थिति अब संतोषजनक है और वह तेजी से

स्वस्थ हो रहे हैं। डॉ. निखिल ड्रोलिया ने बताया कि डायरेक्ट एंटीरियर अप्रोच हिप रिप्लेसमेंट की एक अत्याधुनिक और कम आक्रामक (मिनिमली इनवेसिव) तकनीक है। इसमें प्रमुख मांसपेशियों को काटने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे ऑपरेशन के बाद दर्द कम होता है और मरीज पहले की तुलना में जल्दी चलने-फिरने तथा सामान्य जीवन में लौटने में सक्षम होते हैं। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से हिप डिसलोकेशन का खतरा कम रहता है, अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि घटती है और मरीज कम समय में अपनी दैनिक गतिविधियां शुरू कर सकते हैं। साथ ही पारंपरिक तकनीक की तुलना में बैठने और सामान्य शारीरिक गतिविधियां करने में भी अधिक सुविधा मिलती है। डॉ. ड्रोलिया के अनुसार, धनबाद में इस तकनीक से यह पहला हिप रिप्लेसमेंट ऑपरेशन है। अब तक इस तरह की सर्जरी के लिए मरीजों को दिल्ली, मुंबई या कोलकाता जैसे महानगरों का रुख करना पड़ता था। अब यह सुविधा धनबाद में उपलब्ध होने से मरीजों का समय और खर्च दोनों बचेंगे।

पाटलीपुत्र हॉस्पिटल के डायरेक्टर-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. निर्मल ड्रोलिया ने कहा कि अस्पताल आधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से धनबाद एवं झारखंड के मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

महिलाओं से लाखों की ठगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी। थाना क्षेत्र के नीमा पंचायत में समुह के महिलाओ से केवाईसी के नाम पर लगभग पांच लाख रूपया ठगी का मामला प्रकाश मे आया है । पिड़ित पुसिया देवी, सेहरा खातुन, अगना खातुन,जयंती देवी, सहीदा खातुन, मिठू आलम, चिंटू आलम, विनोद कर्मकार आदि लोगो ने एसडीपीओ विनोद कुमार को आवेदन देकर न्याय का गुहार लगाया है । सभी ने बताया है कि नीमा के कृष्ण कुमार पिता शिवकुमार नया टोला बहादुरपुर निवासी ने समूह के महिलाओ से नो डियूज कराने के नाम पर चार लाख 84 हजार नौ सौ बारह रूपया उठाकर बैंक में जमा ना कर अपने पास रख लिया । जब इसकी जानकारी समूह के सभी सदस्यो को हुआ तो कृष्ण कुमार ने रूपया वापस कर देने का स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट कर दिया । जब एग्रीमेंट का समय पुरा हो गया तब कृष्ण कुमार घर छोड़कर फरार हो गया है । समूह के सभी सदस्यो ने एसडीपीओ ने जांच कर उचित कार्रवाई करने का मांग किया है।

सदर अस्पताल में एक ही रात तीन मरीजों की मौत से सहमे लोग

लोगों में नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा सदर अस्पताल में बुधवार रात एक ही रात तीन मरीजों की मौत के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। लोग अपने-अपने स्तर से तरह-तरह की अटकलें लगा रहे हैं। मृतकों के स्वजन ने आरोप लगाया कि मरीज रातभर तड़पते रहे, लेकिन ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर उन्हें देखने तक नहीं पहुंचे। घटना के बाद अस्पताल परिसर में आक्रोश का माहौल रहा।

मृतकों में चापुड़िया निवासी 25 वर्षीय मुन्ना मोहली शामिल हैं, जिन्हें सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल लाया गया था। वहीं चंद्रदीपा निवासी 45 वर्षीय बाबूराम मरांडी की खून की उल्टी होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई।

तीसरी मृतका मंडलों निवासी 25 वर्षीय पार्वती दास थीं, जिन्हें सांप काटने के बाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

स्वजन का आरोप है कि रातभर मरीजों की हालत बिगड़ती रही, लेकिन ड्यूटी डॉक्टर ने एक बार भी वार्ड में जाकर मरीजों का हाल नहीं लिया। उनका कहना है कि समय पर उपचार और निगरानी मिलती तो जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है।

उधर, आपातकालीन ड्यूटी में तैनात डॉ. ए.पी.एन. देव ने लापरवाही के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि मुन्ना मोहली और बाबूराम मरांडी दोनों गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और अस्पताल में अंतिम समय में लाए गए थे। उनकी स्थिति अत्यंत नाजुक थी, जिसके कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। उन्होंने बताया कि तीसरी मृतका पार्वती दास के मामले की उन्हें जानकारी नहीं है।

इस बीच भाजपा नेत्री बबीता झा ने स्वास्थ्य विभाग और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सदर अस्पताल की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्वास्थ्य सेवाओं में शीघ्र सुधार नहीं हुआ और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपा आंदोलन करेगी।

इंग्लैंड से पहली बार टी20 सीरीज हारा भारत

7 साल बाद लगातार दो सीरीज हारे विश्व विजेता

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार मैच हार रही है। इंग्लैंड ने शुक्रवार (10 जुलाई) को चौथे टी20 में भारत को 9 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर लिया। इंग्लैंड ने पहली बार दो या उससे ज्यादा मैचों की द्विपक्षीय सीरीज में भारत को हराया है।

भारत ने पिछले छह में से पांच सीरीज जीते हैं, जबकि एक सीरीज ड्रॉ रही थी। मार्च में लगातार दूसरा विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम इंग्लैंड से पहले आयरलैंड से 2 मैचों की टी20 सीरीज हारी। इससे पहले भारतीय टीम फरवरी 2019 में लगातार 2 टी20 सीरीज हारी थी। न्यूजीलैंड ने उसे 1-2 और ऑस्ट्रेलिया ने उसे 2-0 से हराया था। मौजूदा सीजन से पहले भारत ने अपनी पिछली 12 द्विपक्षीय टी20 सीरीज में से 11 में जीत दर्ज की थी। दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका में हुई सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी।

इंग्लैंड से 2018 के बाद सीरीज हारी भारतीय टीम

भारतीय टीम 2018 में इंग्लैंड दौरे पर 2 सीरीज हारी थी। वनडे में में 2-1 और टेस्ट में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच खेली गई किसी भी प्रारूप की सीरीज भारतीय टीम नहीं हारी थी। वह 10 में से 8 सीरीज जीती थी। इंग्लैंड में खेली गई पिछली 2 टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबर रहीं।

इंग्लैंड की दूसरी बड़ी जीत- भारत ने चौथे टी20 में 37 गेंद रहते 9 विकेट से जीत हासिल की। 150 से ज्यादा रनों के लक्ष्य को पीछा करते हुए यह इंग्लैंड की विकेट के हिसाब से संयुक्त रूप से दूसरी सबसे बड़ी जीत थी। इससे पहले उसने 2020 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में 192 रनों के लक्ष्य को 1 विकेट खोकर हासिल किया था।

फ्रांस ने लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई

एम्बाप्पे ने की मेसी की बराबरी

नई दिल्ली। बोस्टन के जिलेट स्टेडियम में खेले गए 2026 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में किलियन एम्बाप्पे और उस्मान डेम्बेले के गोलों की बदौलत फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से करारी शिकस्त दी। फ्रांस लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। कतर में 2022 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराया था। एम्बाप्पे ने 60वें मिनट में पहला गोल किया।

इसके ठीक छह मिनट बाद डेम्बेले ने दूसरा गोल करके फ्रांस की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले हाफ में एम्बाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदलने से चूक गए, लेकिन इससे उनकी टीम को कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने दूसरे हाफ में एक शानदार गोल किया और फिर उस्मान डेम्बेले को असिस्ट भी किया। इस गोल के साथ, एम्बाप्पे आठ गोलों के साथ लियोनेल मेसी के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड ने नौ विकेट से हराया

3-0 से बनाई अजेय बढ़त

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला ब्रिस्टल में हुआ। इंग्लैंड ने 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज करते हुए भारत को 9 विकेट से हराया। भारत ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले खेलते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 13.5 ओवर में सिर्फ 1 विकेट गंवाकर मुकाबला जीत लिया। फिल साल्ट ने 59 और हैरी ब्रूक ने नाबाद 79 रन बनाकर शानदार अर्धशतक जड़े। इसी के साथ इंग्लैंड ने सीरीज भी जीत ली है और 3-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

श्रेयस अय्यर ने तोड़ा रोहित शर्मा और एमएस धोनी का रिकॉर्ड

● ब्रिस्टल में टॉस जीतते ही किया कमाल

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच ब्रिस्टल में टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक बार फिर से टॉस जीता। बतौर भारतीय कप्तान उन्होंने लगातार अपना छठा टॉस जीता और रोहित शर्मा व एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने अपनी कप्तानी में भले अभी तक पहला मैच नहीं जीता है लेकिन वह एक भी टॉस अभी तक नहीं हारे हैं। श्रेयस अय्यर ने इससे पहले आयरलैंड दौरे पर भी दोनों मैचों में टॉस जीता था। वह मौजूदा इंग्लैंड सीरीज में भी पहले चारों मैच में टॉस जीते हैं। उन्होंने बतौर कप्तान लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने के मामले में विराट कोहली (6) की बराबरी की है। वह अब लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने वाले संयुक्त रूप से दूसरे भारतीय कप्तान बने हैं।

लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने वाले भारतीय कप्तान

● 7 : एमएस धोनी (मई 2010 – फरवरी 2012) ● 6 : विराट कोहली (अगस्त 2019 – दिसंबर 2019) ● 6* : श्रेयस अय्यर (जून 2026 – जुलाई 2026) ● 5 : रोहित शर्मा (फरवरी 2020 – फरवरी 2022) ● 5 : एमएस धोनी (सितंबर 2007)

5 छक्के, 27 गेंद, 42 रन

वैभव सूर्यवंशी का इंग्लैंड में अब तक का प्रदर्शन

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी का इंटरनेशनल क्रिकेट में आगाज खास नहीं रहा है। इंग्लैंड में खेली पहली तीन पारियों में लगातार वह फेल ही साबित हुए हैं। उन्होंने पहली तीन पारियों में 14, 13 और 15 रन ही बनाए हैं। अभी तक लगातार उनकी आईपीएल वाली कमजोरी ही इंग्लैंड में उजागर हुई है। वह तीनों मुकाबलों में शॉर्ट बॉल के सामने दिक्कत में दिखे हैं। पिछली दोनों पारियों में वह शॉर्ट पिच डिलीवरी पर ही आउट हुए हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड सीरीज में अभी तक तीन पारियों में 42 रन ही बनाए हैं। उन्होंने 27 गेंद का सामना किया है जिसमें 5 छक्के और सिर्फ एक चौका उनके बल्ले से निकला है। मगर उनकी सबसे बड़ी दिक्कत शॉर्ट बॉल की समस्या नहीं दूर हो रही है। जोफ्रा आर्चर ने लगातार दूसरी बार वैभव का विकेट झटका है।

उन्होंने ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी20 इंटरनेशनल में 10 गेंद पर 15 रन ही बनाए हैं। इंटरनेशनल डेब्यू करते हुए मैनचेस्टर में उन्होंने 12 गेंद पर 14 रन बनाए थे। फिर दूसरी पारी में नॉटिंघम में वह 13 रन ही बना पाए थे। नॉटिंघम के बाद ब्रिस्टल में भी वह आर्चर का

शिकार बने हैं। आर्चर के खिलाफ वैभव ने 3 पारियों में 13 गेंद पर सिर्फ 18 रन ही बनाए हैं और दो बार उनका शिकार भी वह बने हैं।

वैभव सूर्यवंशी की जगह पर मंडराया खतरा?

भारतीय टीम ने तीन महीने पहले विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन को बाहर करते हुए वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में जगह दी थी। अब वैभव ने पहली तीनों पारियों में निराश किया है। उनके अप्रोच पर सवाल उठने लगे हैं।

वैभव को जितनी तेजी से टीम में लाने की मांग उठ रही थी। उतनी तेजी से ही अब उनकी खामियां सामने आ रही हैं। इसी कारण सीरीज के आखिरी मुकाबले में अब उनकी जगह पर भी खतरा मंडरा रहा है। वैभव सूर्यवंशी ने पहली तीन पारियों में सिर्फ 42 रन बनाए हैं। उनका इंटरनेशनल डेब्यू खास नहीं रहा है। अब आखिरी टी20 में उनकी जगह संजू सैमसन की एंट्री होती है या नहीं यह देखने वाली बात होगी।

भारत ने गंवाई यूथ वनडे सीरीज

रोमांचक मैच में 1 विकेट से जीता श्रीलंका, अंतिम 10 ओवर में ठोके 76 रन

नई दिल्ली। श्रीलंका की अंडर-19 टीम ने हम्बनटोटा में खेले गए तीसरे यूथ वनडे में भारतीय टीम को एक विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही श्रीलंका ने 2-1 से यूथ वनडे सीरीज अपने नाम की। हम्बनटोटा के महिंदा राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे में श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

इंडिया -19 टीम ने वीके विनीत के शतक की मदद से 50 ओवर में 8 विकेट पर 290 रन का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका -19 ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 291 रन बनाकर मैच और सीरीज अपने नाम की। चार जून 2026 को इसी मैदान पर खेले गए पहले यूथ वनडे इंटरनेशनल को इंडिया -19 ने 4 विकेट से जीता था, लेकिन छह जुलाई को हुए दूसरे वनडे

इंटरनेशनल में उसे आठ विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी।

तीसरे यूथ वनडे इंटरनेशनल की बात करें तो श्रीलंका -19 का 40 ओवर में स्कोर आठ विकेट पर 215 रन था। श्रीलंका -19 को 10 ओवर में 76 रन बनाने थे और उसके सिर्फ दो विकेट गिरना शेष थे। इसके बाद चमिका हीनतिगाला और गिम्हन मेंडिस ने नौवें विकेट के लिए 47 गेंद में 61 रन की साझेदारी की। गिम्हन मेंडिस 22 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए।

चमिका हीनतिगाला सात चौके और दो छक्के की मदद से 68 गेंद में 84 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका -19 की ओर से सेनूजा वेकुनागोडा ने भी अर्धशतक लगाया। सेनूजा वेकुनागोडा ने 10 चौके और एक छक्के की मदद से 59 गेंद में 67 रन की पारी खेली। इंडिया -19 की ओर से अनमोलजीत सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अनमोलजीत सिंह ने 8 ओवर में 42 रन देकर चार विकेट लिए। शाविन विनोद 10 ओवर में 41 रन देकर तीन विकेट लेने में सफल रहे। मोहित उल्वा ने भी दो विकेट लिए, लेकिन इसके लिए उन्होंने नौ ओवर में 66 रन दे डाले।

30 पदकों का बड़ा झटका

कुश्ती-बैडमिंटन समेत 6 खेलों के हटने से भारत की मेडल उम्मीदों पर संकट

नई दिल्ली। बर्मिंघम 2022 के खेलों में इन हटाए गए खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 30 पदक (13 स्वर्ण, 5 रजत और 12 कांस्य) जीते थे, जो भारत के पूरे 61 पदकों का लगभग आधा हिस्सा है। यह नुकसान भारत के लिए नया नहीं है, बल्कि पिछले कई संस्करणों का इतिहास बताता है कि इन खेलों को हटाने से भारत को हमेशा बड़ा आर्थिक व खेल-कूद का नुकसान उठाना पड़ा है।

● कुश्ती : बर्मिंघम 2022 में भारत ने कुश्ती में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण, 1 रजत और 5 कांस्य सहित 12 पदक हासिल किए थे। अगर पीछे देखें, तो गोल्ड कोस्ट 2018 खेलों में भी भारतीय पहलवानों ने 5 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 12 पदक देश की झोली में डाले थे।

● **बैडमिंटन** : साल 2022 में पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी के दम पर भारत ने 3 स्वर्ण समेत 6 पदक हासिल किए। इससे पहले 2018 में भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण (मिक्सड टीम और सायना नेहवाल), 3 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीते थे। 2014 में भी बैडमिंटन से 1 स्वर्ण (पारुपल्ली कश्यप), 1 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 4 पदक आए थे।

● **टेबल टेनिस** : बर्मिंघम 2022 में टेबिल टेनिस में अचंत शरद कमल के नेतृत्व में पैरा-इवेंट्स को मिलाकर 4 स्वर्ण समेत 7 पदक आए।

● **हॉकी और स्क्वैश** : बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की महिला क्रिकेट टीम ने रजत पदक जीता, जबकि हॉकी में 2 पदक (1 रजत, 1 कांस्य) और स्क्वैश में 2 कांस्य पदक भारत के नाम रहे।

13 चौके, 23 छक्के, 55 गेंद, नाबाद 206 रन

अंग्रेज बल्लेबाज का टी20 में दोहरा शतक, टीम ने खड़ा किया 417 रन का स्कोर

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड में टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेल रही है। इसी बीच इंग्लैंड में ही एक क्लब टी20 मैच में डम्बलटन क्रिकेट क्लब की टीम ने 417 रन का ऐतिहासिक स्कोर खड़ा कर दिया। प्रीमियर वन टॉप टियर डिवीजन के टी20 मैच में यह रिकॉर्ड बना। इस मैच में डम्बलटन क्लब के बल्लेबाज इवान गेग ने दोहरा शतक भी लगाया। उन्होंने 55 गेंद में 206 रन की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 13 चौके और 23 छक्के लगाए।

इस टूर्नामेंट में डम्बलटन क्रिकेट क्लब की टीम ने हेदरली एंड रेडिंग्स क्लब के खिलाफ मुकाबले में 417 रन का विशाल स्कोर बनाया। इस दौरान 22 चौके और 47 छक्के डम्बलटन की पारी में लगे। टीम की ओर से सिर्फ चौके छक्कों से ही 370 रन बने। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए हेदरली की टीम 188 रन से मैच हार गई और 229 रन पर सिमट गई। इस मुकाबले में कुल तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए। डम्बलटन की तरफ से एक दोहरा शतक और एक शतक लगा। ओपनर इवान गेग ने 206 रन की पारी खेली। वहीं उनके साथी डेन हॉलैंड ने 37 गेंद में 122 रन की पारी खेली। वहीं 418 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेदरली एंड रेडिंग्स की टीम की तरफ से हैरी ब्लूमफील्ड ने भी 109 रन की पारी खेली। उन्होंने 48 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और 12 छक्के लगाए।

● **टी20 क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े स्कोर-** टी20 इंटरनेशनल की बात करें तो जिम्बाब्वे के नाम सर्वाधिक 344/4 रन का विशाल स्कोर दर्ज है। जिम्बाब्वे ने जाम्बिया के खिलाफ यह रिकॉर्ड स्कोर 2024 में बनाया था। जबकि टी20 क्रिकेट में एक टीम के सर्वाधिक स्कोर का रिकॉर्ड बड़ौदा का है। बड़ौदा ने सिक्किम के खिलाफ 2024 में 5 विकेट पर 349 रन बनाए थे। टेस्ट प्लेइंग नेशन की बात करें तो यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है जिसने 304 रन साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2025 में बनाए थे।

दस परीक्षा केंद्रों पर 4992 परीक्षार्थी आजमाएंगे अपना भाग्य

12 को आयोजित है मद्य निषेध विभाग के अवर निरीक्षक पद की परीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा विज्ञापित मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग में अवर निरीक्षक मद्य निषेध के पद पर नियुक्ति हेतु आगामी 12 जुलाई को आयोजित होने वाली प्रारंभिक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर जमुई जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में डीएम के निर्देश पर समाहरणालय के सभा कक्ष में संयुक्त ब्रीफिंग का आयोजन किया गया। जिले के सभी प्रतिनियुक्त जोनल मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी और सभी दस परीक्षा केंद्रों के केन्द्राधीक्षक बैठक में उपस्थित थे। एडीएम रविकांत सिन्हा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा को अत्यंत पारदर्शी, स्वच्छ, शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए बिहार लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम 2024 और बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम 1981 के प्रावधानों को कड़ाई से लागू किया जाए और किसी भी प्रकार की शिथिलता बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और अभ्यर्थियों की त्रिस्तरीय जाँच सुनिश्चित करने पर बल दिया। इस दौरान महिला अभ्यर्थियों की जाँच के लिए महिला पुलिसकर्मियों को तैनात करने तथा आधुनिक उपकरणों का उपयोग करने की हिदायत दी। कहा कि परीक्षा एकल पाली में पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे तक आयोजित होगी, जिसके लिए अभ्यर्थियों की रिपोर्टिंग का समय पूर्वाह्न 09.30 बजे तय किया गया है। परीक्षा प्रारंभ होने से ठीक 30 मिनट पहले, यानी पूर्वाह्न 10.30 बजे परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार निश्चित रूप से बंद कर दिए जाएंगे और इसके बाद किसी भी परिस्थिति में देर से आने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा मानकों को रेखांकित करते हुए सख्त हिदायत दी गई कि परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, डिजिटल डायरी, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर या किसी भी तरह की इलेक्ट्रॉनिक व लिखित सामग्री ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा और इस नियम का उल्लंघन करने वालों की उम्मीदवारी तुरंत रद्द कर दी जाएगी। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विडियोग्राफी कराई जाएगी। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की बायोमेट्रिक उपस्थिति और फोटोग्राफी भी सुनिश्चित की जाएगी। ज्ञात हो कि इस परीक्षा के लिए जमुई जिले में कुल 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 4992 परीक्षार्थी शामिल होंगे। डीडीसी सुभाष चंद्र मंडल, एसडीएम सौरव कुमार, डीईओ धनंजय कुमार पासवान आदि ओहदेदार बैठक में उपस्थित थे।

डीएम ने जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निष्पादन के दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई। बिहार सरकार के 'सात निश्चय-3' के तहत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लोक-शिकायतों के त्वरित निवारण हेतु जमुई जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी अनुक्रम में शुक्रवार को डीएम के द्वारा समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में 'जनता दरबार' का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का सीधे श्रवण कर उनका पारदर्शी, त्वरित और विधि सम्मत समाधान सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर जिले के सुदूरवर्ती एवं ग्रामीण अंचलों से आए विभिन्न फरियादियों ने उपस्थित होकर अपनी-अपनी समस्याओं से जिला पदाधिकारी को अवगत कराया, जिन्हें अत्यंत संवेदनशीलता और धैर्यपूर्वक सुनते हुए उनके निराकरण हेतु आश्वस्त किया गया। आयोजित इस जनता दरबार में विभिन्न लोक-कल्याणकारी एवं विकासात्मक विभागों से संबंधित कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में भूमि विवाद, सीमांकन एवं दाखिल-खारिज की प्रधानता के कारण राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित सर्वाधिक 13 मामले दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त अनुमंडल लोक शिकायत निवारण कार्यालय से 4, ग्रामीण क्षेत्रों की विकास योजनाओं एवं बुनियादी अवसंरचना से जुड़े ग्रामीण विकास विभाग से 2 तथा स्थानीय स्वशासन, सुचारू विद्युत आपूर्ति एवं शहरी नागरिक सुविधाओं से संबंधित पंचायती राज विभाग, विद्युत विभाग व नगर परिषद से क्रमशः 1-1 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त सभी आवेदनों की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई की गई। उन्होंने कई मामलों में ऑन-स्पॉट संबंधित जिलास्तरीय एवं प्रखंडस्तरीय पदाधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से तथा दूरभाष के माध्यम से निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का एक निश्चित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करते हुए कृत कार्रवाई की प्रति जिला मुख्यालय को उपलब्ध कराई जाए। जिला पदाधिकारी ने आधिकारिक रूप से स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का प्राथमिक ध्येय आम जनता को 'सुगम जीवन' की अनुभूति कराना है, अतः जन-समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर शिथिलता, अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही अक्षम्य होगी। जिला पदाधिकारी के इस त्वरित, नियमसंगत औरलोक-कल्याणकारी दृष्टिकोण के प्रति जनता दरबार में उपस्थित आवेदकों ने पूर्ण संतोष व्यक्त किया।

भागलपुर स्टेशन पर मालदा मंडल यात्री निवास का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। पूर्व रेलवे के मालदा मंडल अंतर्गत भागलपुर रेलवे स्टेशन यात्री निवास (स्लीपिंग पॉडस) सुविधा से युक्त इस मंडल का पहला स्टेशन बन गया है। यह उपलब्धि यात्रियों को आधुनिक एवं उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में मालदा मंडल के सतत प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मंडल की पहली स्लीपिंग पॉड्स सुविधा का आज मालदा के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्तिक सिंह के पर्यवेक्षण में सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। इस नये यात्री निवास की सुविधा यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही आधुनिक, सुरक्षित एवं आरामदायक विश्राम की सुविधा प्रदान करेगी। इसका विशेष लाभ ट्रांजिट यात्रियों, पर्यटकों तथा कनेक्टिंग ट्रेन की प्रतीक्षा करने वाले यात्रियों को मिलेगा। यह सुविधा शीघ्र ही यात्रियों के उपयोग हेतु प्रारंभ की जाएगी, जिससे उन्हें किफायती दरों पर आरामदायक एवं सुविधाजनक विश्राम का बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा। इस निवास में में 23 डबल-लेवल पॉड यूनिट स्थापित किए गए हैं, जिनमें कुल 46 बिस्तरों की व्यवस्था है। यात्रियों की गोपनीयता एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो निजी कक्ष (प्राइवेट रूम) भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, एक भारतीय शैली एवं एक पश्चिमी शैली के शौचालय सहित स्वच्छ एवं आधुनिक वॉशरूम की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अग्नि सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं, जिनमें फायर डिटेक्शन एवं अग्निशमन उपकरण शामिल हैं। स्लीपिंग पॉडस सुविधा का शुभारंभ मालदा रेल मंडल द्वारा रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण एवं विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

'सर्कुलर एवं हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था' पर विद्वानों ने किया मंथन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कहलगांव (भागलपुर)। शहर के प्रतिष्ठित शंकर साह विक्रमशिला महाविद्यालय परिसर में शुक्रवार से दो दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय सेमिनार का भव्य शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा इंडियन केमिकल सोसाइटी (भागलपुर चैप्टर) एवं एग्रो-इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर (भागलपुर, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस संगोष्ठी का मुख्य विषय सर्कुलर और हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देना व चुनौतियां और अभिनव समाधान निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) कुमारी सुदामा यादव व अन्य अतिथियों ने किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान पर्यावरणीय और वैश्विक चुनौतियों के आलोक में यह संगोष्ठी अत्यंत प्रासंगिक है। समाज के सतत विकास के लिए आधुनिक अर्थव्यवस्था के नए प्रतिमानों, विशेषकर सर्कुलर और हाइड्रोजन इकोनॉमी को समझना और अपनाना आज के समय की सबसे बड़ी मांग है। टीएमबीयू के कुलपति सह कार्यक्रम के चीफ पेट्रोन प्रो. विमलेन्दु शेखर झा ने अपने शुभकामना संदेश के माध्यम से इस शैक्षणिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने इसे वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के लिए बेहद जरूरी बताते हुए सेमिनार की सफलता की कामना की। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में शैक्षणिक जगत के कई लब्ध-प्रतिष्ठित विद्वान विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए, जिनमें मुख्य रूप से प्रो. अशोक कुमार झा, प्रो. दीपू महतो, प्रो. (डॉ.) निर्मला कुमारी प्रो. अनिरुद्ध कुमार, डॉ. रंजन कुमार सिन्हा, डॉ. बलिराम प्रसाद सिंह, डॉ. प्रभात चन्द्रा लक्ष्मी मिश्रा। इस खास अवसर पर प्रो. देवाशीष सहित देश-विदेश के अनेक जाने-माने शिक्षाविद और शोधार्थी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े रहे। सेमिनार के दूसरे तकनीकी सत्र में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शोधार्थियों ने अपने उत्कृष्ट शोध पत्रों का वाचन किया और पर्यावरण स्थिरता के लिए अभिनव समाधान सुझाए। इस महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता प्रो. राजकुमार साह तथा प्रो. पवन कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से की। इससे पूर्व, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एसएसवी कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य सह संगोष्ठी संयोजक डॉ. राजेश कुमार मिश्र ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। और कॉलेज की निरंतर बढ़ती अकादमिक सक्रियता पर प्रकाश डाला। इस भव्य राष्ट्रीय संगोष्ठी को सफल बनाने में आयोजन सचिव डॉ. नमन कुमार, उमा शंकर पासवान तथा संयुक्त आयोजन सचिवों डॉ. निकेश कुमार, डॉ. कीर्ति वर्धन गौतम, डॉ. संतोष कुमार एवं डॉ. दिलीप कुमार चौधरी की भूमिका बेहद सराहनीय रही। मंच का संचालन डा. संतोष कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन दर्शनशास्त्र विभाग के डॉ. निकेश कुमार द्वारा किया गया। इस भव्य आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों एवं छात्र-शोधार्थियों ने बढ़-चढ़कर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

एक नजर

पांच बालिका खिलाड़ियों का चयन

जमुई/खैरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शारीरिक शिक्षा कार्यालय जमुई द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 के अंडर-14 बालिका वर्ग के लिए जमुई जिला टीम में खैरा फुटबॉल एकेडमी की पांच खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ियों में निशा कुमारी, वैश्णवी कुमारी, खुशी कुमारी, राधिका यादव और दीपिका कुमारी शामिल हैं। वहीं, एकेडमी के हेड कोच कृष्णानंद शर्मा भी टीम के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। खिलाड़ियों के चयन से खैरा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि पर जिला जदयू चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. दयानंद उर्फ द्रोगी तथा टीम मैनेजमेंट कोच राजीव पंडित ने सभी खिलाड़ियों और कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी खिलाड़ी राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जमुई और खैरा का नाम रोशन करेंगी।

पुलिस पर हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

जमुई/खैरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गरही थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान पुलिस टीम पर हमला कर शराब पीने के आरोप में हिरासत में लिए गए दो लोगों को छुड़ाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई कंड संख्या 96/26 में की गई है।मालूम हो कि सात जुलाई की शाम पुअनि. सर्जना कुमारी के नेतृत्व में गादी विशनपुर मोड़ पर वाहन जांच के दौरान दो बाइक चालकों को रोककर शराब सेवन की जांच की जा रही थी। इसी बीच 50 से 100 लोगों की भीड़ मौके पर पहुंच गई और पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की, हाथापाई तथा हथियार छीनने का प्रयास करते हुए हिरासत में लिए गए दोनों लोगों को जबरन छुड़ा लिया। घटना में महिला सिपाही चांदनी कुमारी को भी दांत काटकर घायल कर दिया गया था। इस मामले में नौ नामजद समेत 50 से 100 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लगातार छापेमारी के दौरान पुलिस ने कंड के नामजद अभियुक्त शंभू यादव (पिता स्व. मोहन यादव), ग्राम कुड़वाताड़, कन्हैया तांती (पिता हीरो उर्फ होरो तांती) एवं कारू तांती (पिता अर्जुन तांती), दोनों निवासी हरनी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गरही थानाध्यक्ष विपिन चंद्र पालटा ने बताया कि मामले के शेष फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डकैती का वारंटी व मारपीट का आरोपित गिरफ्तार

जमुई/चकाई (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। चंद्रमंडीह थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है। पकड़े गए आरोपियों में एक डकैती कांड का स्थाई वारंटी भी शामिल है। थानाध्यक्ष गजेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस को क्षेत्र में फरार अपराधियों और वारंटियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस दौरान डकैती कांड के स्थाई वारंटी निरजामुद्दीन अंसारी ग्राम बाघमारा को घेराबंदी कर दबोच लिया गया। वहीं एक अन्य मामले में मारपीट के आरोपी टुनटुन यादव ग्राम सोनेया को भी पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि दोनों आरोपी काफी समय से पुलिस की नजरों से बचकर छिपे हुए थे। पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। अभियान में थानाध्यक्ष के अलावे एसआई नंदन कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मंदिर के पास अज्ञात अधेड़ का शव मिला

जमुई/खैरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। खैरा थाना क्षेत्र के अमारी पंचायत के डुमरकोला गांव स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप शुक्रवार की शाम एक अज्ञात अधेड़ का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने शाम करीब चार बजे मंदिर के पास शव पड़ा देखा, जिसके बाद इसकी सूचना खैरा थाना पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही पुअनि. ईशा श्री पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, जमुई भेज दिया।फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं लोगों की समस्याएं

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित कर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए तथा कई शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान भी कराया जनता दरबार में बिजली बिल, भूमि विवाद, पेंशन, पारिवारिक कलह, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, प्रधानमंत्री आवास, राशन कार्ड तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। उपायुक्त ने अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आम नागरिकों के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है। इससे लोगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान होने के साथ-साथ प्रशासन के प्रति जनता का विश्वास भी मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव है, उनका नियमानुसार तुरंत निपटारा किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

ट्रांसपोर्टर के घर लाखों की चोरी

बेटी की शादी के जेवरात भी ले उड़े चोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बरही। न्यू कॉलोनी में गुरुवार देर रात चोरों ने एक ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के घर में बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर खिड़की और ग्रिल खोलकर घर में दाखिल हुए तथा लगभग 10 से 15 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। चोरी गए आभूषणों में व्यवसायी की बेटी की शादी के लिए सुरक्षित रखे गए जेवर भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़ित ट्रांसपोर्ट व्यवसायी देवेंद्र सिंह घटना के समय अपनी पत्नी और पुत्री के साथ घर में सो रहे थे। चोर जिस कमरे में परिवार के सदस्य सो रहे थे, उसका दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और इसके बाद घर में रखे कीमती आभूषण एवं अन्य सामान खंगालते रहे। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी जेवरात लेकर फरार हो गए। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी होने पर परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर बरही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा आवेदन के आधार पर अज्ञात चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

घटना के बाद न्यू कॉलोनी के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में रात्रि गश्ती बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है।

साइबर ठगी करने वाले पांच अपराधी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर ताराटांड़ थाना क्षेत्र के मिडिल स्कूल ताराटांड़ के पीछे जंगल में छापेमारी कर साइबर थाना पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी जंगल में बैठकर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे लोगों को कस्टमर सुप्पोर्ट .ऐपक एवं विफईयरटेल .ऐपक नामक फर्जी ऐपक फाइल भेजकर उनके मोबाइल पर नियंत्रण हासिल करते थे और साइबर ठगी को अंजाम देते थे। इस मामले में गिरिडीह साइबर थाना कंड संख्या 21/2026 दिनांक 10 जुलाई 2026 दर्ज किया गया है गिरफ्तार आरोपियों में जनार्दन मंडल (26), अशोक कुमार (24), बल्लू कुमार मंडल (26), दीपक कुमार मंडल (20) एवं विष्णु कुमार (23) शामिल हैं। सभी ताराटांड़ थाना क्षेत्र के निवासी हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 10 मोबाइल फोन, 13 सिम कार्ड, एक लैपटॉप और चार मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अशोक कुमार साइबर ठगी के एक पुराने मामले में वर्ष 2020 में जेल जा चुका है, जबकि बल्लू कुमार मंडल भी साइबर ठगी और अन्य मामले में पहले जेल जा चुका है। यह कार्रवाई साइबर थाना प्रभारी रामेश्वर भगत के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने की, जिसमें साइबर थाना के अन्य पुलिसकर्मी एवं पुलिस लाइन से प्राप्त सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

आजीविका गतिविधियों में तेजी लाने का डीसी ने दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में पलाश-जेएसएलपीएस (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी) की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशिक्षु आईएएस ऋत्विक मेहता, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, एवं जेएसएलपीएस के जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) ने किया। बैठक में पिछले माह की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2026-27 के विभिन्न लक्ष्यों एवं उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कृषि, पशुपालन, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), उद्यमिता विकास, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, बैंक लिंकेज, स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण, सामाजिक समावेशन एवं अन्य आजीविका गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी प्रखंडों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों की आय बढ़ाने के लिए नवाचार अपनाने तथा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। बैठक में चैनपुर प्रखंड के चेडाबार बाजार में संचालित आजीविका गतिविधियों एवं वहां की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही बैंक लिंकेज, उद्यम पंजीकरण एवं एफएसएसएआई पंजीकरण जैसे लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत लाभुकों के चार आश्रितों को दो-दो लाख रुपये के डमी चेक प्रदान किए गए। इनमें आशा कुमारी (पति स्व. हेमंत कुमार रवि), सुनीता देवी (पति स्व. शिबन भूईयां), दिलदार अंसारी (पति स्व. नाबिया बीबी) एवं लक्ष्मण शर्मा (पत्नी स्व. रीना देवी) शामिल हैं। उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक समयबद्ध ढंग से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक के उपरांत जेएसएलपीएस की ओर से आयोजित रक्तदान अभियान में स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले रक्तवीरों को उपायुक्त ने प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं डोनर कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके इस मानवीय योगदान की सराहना की।

जलजमाव से बढ़ी परेशानी

नावकोठी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड की महेशवाड़ा पंचायत अंतर्गत वभनगामा गांव में जलजमाव की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। राम प्रकाश चौधरी के घर से वभनगामा चौक तक सड़क पर लंबे समय से गंदा पानी जमा रहने के कारण ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया है। यह मार्ग पहसारा-बखरी मुख्य सड़क तक पहुंचने का प्रमुख संपर्क मार्ग है, लेकिन जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से हल्की बारिश के बाद भी सड़क कई दिनों तक जलमग्न रहती है। ग्रामीणों के अनुसार जलजमाव वाला हिस्सा सड़क के पूरब वार्ड संख्या-15 तथा पश्चिम वार्ड संख्या-11 के बीच स्थित है, जिससे दोनों वार्डों के लोग प्रभावित हैं। सड़क पर गंदा पानी जमा रहने से पूरे इलाके में दुर्गंध फैल रही है, वहीं मच्छरों का प्रकोप भी लगातार बढ़ रहा है। इससे डेंगू, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक बीमारियों की आशंका बढ़ गई है। शाम होते ही मच्छरों का आतंक इतना बढ़ जाता है कि लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण राम प्रकाश चौधरी, रामचंद्र ठाकुर, राजेश ठाकुर, मनोज साह और रामविलास साह ने बताया कि जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण वर्षों से यह समस्या बनी हुई है। सड़क पर जमा पानी और कीचड़ से होकर लोगों को बाजार, खेत, स्कूल तथा मुख्य सड़क तक जाना पड़ता है। कई बार राहगीरों के फिसलकर गिरने की भी आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों एवं प्रशासन से अविलंब स्थायी जलनिकासी की व्यवस्था कराने, नालों की सफाई कराने तथा सड़क पर जमा पानी की निकासी सुनिश्चित करने की मांग की है।

वाद्य यंत्र हैं, गुरु नहीं, बंद डिब्बों में कैद हैं बच्चों के सपने

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई/सिकंदरा। सरकारी विद्यालयों में संगीत शिक्षा को बढ़ावा देने की महत्वाकांक्षी योजना संगीत शिक्षकों के अभाव में दम तोड़ती नजर आ रही है। शिक्षा विभाग ने लाखों रुपये खर्च कर तबला, हारमोनियम, की-बोर्ड, ढोलक, डफली और बांसुरी जैसे वाद्य यंत्र विद्यालयों को उपलब्ध करा दिए, लेकिन इन्हें सिखाने वाला शिक्षक नहीं होने से स्कूलों में ये सामान अब भी बंद डिब्बों में पड़े हैं। इससे बच्चों का संगीत सीखने का सपना अधूरा रह गया है। गौरतलब हो कि प्रखंड के 15 उच्च विद्यालय, 69 मध्य विद्यालय और 67 प्राथमिक विद्यालयों में संगीत सामग्री पहुंच चुकी है। प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में संगीत शिक्षक का कोई पद ही स्वीकृत नहीं है, जबकि उच्च विद्यालयों में मात्र दो विद्यालयों को छोड़ अधिकांश जगह संगीत शिक्षक के पद रिक्त हैं। ऐसे में विभाग की यह योजना कागजों तक सीमित होकर रह गई है। विद्यालयों के शिक्षकों का कहना है कि वाद्य यंत्र उपलब्ध हैं, लेकिन प्रशिक्षित शिक्षक नहीं होने से संगीत की नियमित कक्षाएं संचालित नहीं हो पा रही हैं। अभिभावकों का कहना है कि जब तक नियमित संगीत शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होती, तब तक सामान्य शिक्षकों को अल्पकालिक संगीत प्रशिक्षण देकर बच्चों को संगीत की प्राथमिक शिक्षा शुरू कराई जा सकती है। इससे सरकारी संसाधनों का भी सदुपयोग होगा और बच्चे भी संगीत में रुचि रखकर शिक्षा ले पाएंगे। बीइओ रूपम कुमारी का कहना है कि विभाग की ओर सभी विद्यालयों को संगीत सामग्री उपलब्ध करा दी गई है। मध्य एवं प्राथमिक विद्यालयों में संगीत शिक्षक का पद नहीं है, अधिकांश हाईस्कूलों में भी शिक्षकों की कमी है।

संक्षिप्त समाचार

श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज का पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन एवं बोकारो रायफल क्लब के तत्वावधान में रायफल शूटिंग खेल के विकास एवं राष्ट्रीय - अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बनाने के उद्देश्य से आज रायफल शूटिंग खेल के प्रशिक्षण केंद्र 'श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज' का विधि विधान से पूजन आज सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सेक्टर 3सी में किया गया। उक्त पूजा के लिए विशेष कर आचार्य संतोष पाण्डेय बनारस से आकर पूजा व हवन का कार्यक्रम सम्पन्न कराए। श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज का विधिवत उद्घाटन 19 जुलाई दिन रविवार को किया जाएगा। इस शुभ अवसर बोकारो रायफल क्लब के सचिव अनील कुमार, हिंदुस्तान स्काउट गाइड के आशीष अग्रवाल, पूर्वांजित, आलोक कुमार, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 2 अ के प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा, मधुसूदन, सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य संजीव कुमार, यूनिक एंड यूनिटी के धनजीत के गरिमामय उपस्थिति में पूजन कार्यक्रम हुआ।

लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षण शिविर का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंदनकियारी प्रखंड में लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में कुल 70 अभ्यर्थियों ने लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 51 अभ्यर्थी सफल घोषित हुए तथा 19 अभ्यर्थी असफल रहे। शिविर के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी एवं मोटरयान निरीक्षक स्वयं उपस्थित रहे तथा पूरी परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी करते हुए इसे पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराया।

साथ ही अभ्यर्थियों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों एवं सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। इस विशेष शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके प्रखंड स्तर पर ही लर्निंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना, परिवहन सेवाओं को सुलभ बनाना तथा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग द्वारा भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन कर अधिक से अधिक नागरिकों को सरल, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी परिवहन सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

एसआईआर-2026 अभियान : गुंजा देवी एवं किरण देवी बनी आज की सर्वश्रेष्ठ बीएलओ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एसआईआर-2026 अभियान के तहत आज गुरुवार को उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो को सर्वश्रेष्ठ बीएलओ के रूप में चिन्हित किया गया है। गोमिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-135 की बीएलओ गुंजा देवी ने एक ही दिन में 968 गणना प्रपत्र का वितरण कर सर्वाधिक प्रपत्र वितरित करने का उल्लेखनीय कार्य किया। उनके सुपरवाइजर मनोज कुमार है। वहीं, गोमिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-317 की बीएलओ किरण देवी ने एक दिन में 67 गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कर सर्वाधिक डिजिटाइजेशन का रिकॉर्ड बनाया। उनके कार्य में सुपरवाइजर फतिक चंद्र महतो ने सक्रिय सहयोग किया। जिला

निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने दोनों बीएलओ एवं उनके सुपरवाइजर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों से अन्य बीएलओ भी प्रेरणा लें तथा एसआईआर-2026 अभियान के तहत गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य को निर्धारित समय सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ण करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

मटकुरिया गोलीकांड में पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक सहित 30 लोगों को 3 साल की सजा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मटकुरिया गोलीकांड मामले में शुक्रवार को एडीजे-16 के न्यायालय ने अपना फैसला सुना दिया। कोर्ट ने इस मामले में 30 लोगों को दोषी मानते हुए 3-3 साल की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में झारखंड के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक का नाम भी शामिल है। यह घटना 27 अप्रैल 2011 की है। उस दिन बीसीसीएल के मटकुरिया स्थित क्वार्टरों को कब्जा मुक्त कराने पुलिस बल पहुंची थी। इस दौरान पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। उस समय धनबाद के एसपी रविकांत धान थे। इस झड़प में 4 लोगों की मौत हो गई थी।तत्कालीन एसडीओ के लिखित आवेदन पर बैंक मोड़ थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामला एडीजे-16 की कोर्ट में चल रहा था। आज सुनवाई के बाद कोर्ट ने 30 आरोपियों को दोषी करार देते हुए सभी को 3 वर्ष की सजा सुनाई है। 15 साल पुराने इस मामले के फैसले के बाद धनबाद की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

हम आपको सुनते हैं में दिव्यांग कलाई प्रमाणिक के चेहरे पर खिली मुस्कान

उपायुक्त ने कुछ ही मिनटों में सौंपी बैटरी चालित ट्राईसाइकिल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं' कार्यक्रम (लोक संवाद) आम नागरिकों के लिए भरोसे और संवेदनशील प्रशासन का सशक्त माध्यम बना। कार्यक्रम के दौरान चंदनकियारी प्रखंड के भोजुडीह निवासी दिव्यांग कलाई प्रमाणिक की वर्षों की आवश्यकता कुछ ही मिनटों में पूरी हो गई, जब उपायुक्त अजय नाथ झा ने उन्हें बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई। ट्राईसाइकिल मिलते ही उनके चेहरे पर उभरी मुस्कान ने पूरे माहौल को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में उपायुक्त ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। प्राप्त 25 आवेदनों पर क्रमवार सुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, बीएसएल, डीपीएलआर, आपूर्ति, कल्याण तथा विभिन्न अंचल कार्यालयों से जुड़े मामलों पर विचार किया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी आवेदक को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन रिस्पॉन्सिव एवं नागरिक-केंद्रित प्रशासन की अवधारणा के अनुरूप कार्य कर रहा है और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम आपको सुनते हैं केवल शिकायत सुनने का मंच नहीं, बल्कि आमजन के विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक जरूरतमंद को समय पर राहत और न्याय मिले। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सीएसआर नोडल शक्ति कुमार, परियोजना पदाधिकारी मानिक चन्द्र सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अवैध खनन रोकने के लिए सामूहिक पहल जरूरी, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें : विजय कुमार झा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय कुमार झा ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और अवैध खनन पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आम जनजीवन, खेत-खलिहान, नदियों, पहाड़ों और जंगलों को बचाने के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि छाताबाद में हुए भू-धंसान से कई परिवार बेघर हो गए हैं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए डीजीएमएस, केंद्र एवं राज्य सरकार, जिला प्रशासन, सीआईएसएफ और जनप्रतिनिधियों को समन्वित रूप से प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध उत्खनन की समस्या के लिए संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। विजय कुमार झा ने कहा कि धनबाद कोयलांचल को कोयला चोरी और अवैध खनन से बचाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा भी धनबाद में बैठक की गई थी। उन्होंने दावा किया कि सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीआईएसएफ ने क्षेत्र-1 से क्षेत्र-12 तक पिछले 16 महीनों में 856 छापेमारी कर लगभग 15,008 टन कोयला जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 करोड़ रुपये है। उनका आरोप है कि यदि इतने कम समय में इतनी बड़ी मात्रा में कोयला जब्त हुआ है, तो पिछले वर्षों में बड़े पैमाने पर कोयला चोरी और अवैध खनन हुआ होगा। उन्होंने इस मामले में संबंधित सुरक्षा एजेंसियों और अन्य विभागों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यह आंकड़े कोयला भवन के सेफ्टी जीएम द्वारा जारी जानकारी पर आधारित हैं।

12 जुलाई को जिले के 10 केंद्रों पर होगी पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा, तैयारियां पूरी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) प्रवीण रंजन ने किया। बैठक में परीक्षा के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डीपीआरओ एवं डीईओ ने बताया कि पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा आगामी 12 जुलाई, 2026 को जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा का समय पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक निर्धारित है। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्राधीक्षकों को परीक्षा प्रारंभ होने से दो घंटे पूर्व अपने-अपने केंद्रों पर उपस्थित रहकर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में परीक्षा के स्वच्छ, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन पर विशेष बल दिया गया। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा आयोजित करने तथा प्रश्नपत्रों के वितरण एवं परीक्षा संचालन को निर्धारित समयानुसार संपन्न कराने का निर्देश दिया गया। उम्मीदवारों के प्रवेश के दौरान छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग कतार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष शिक्षक एवं महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला शिक्षिका द्वारा किए जाने का निर्देश दिया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर परिवार कल्याण मेला का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला परिषद की अध्यक्षा शारदा सिंह ने सदर अस्पताल कैंपस के एमटीसी बिल्डिंग में विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा आयोजित परिवार कल्याण मेला का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परिवार कल्याण मेला का उद्देश्य लोगों को परिवार नियोजन के लिए जागरूक करना है। इसमें सहिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे धूप, बारिश में भी लोगों के घर जाती है। इसलिए वे लोगों को बेहतर तरीके से समझा सकती है। साथ में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की कमी, कम उम्र में विवाह के कारण परिवार नियोजन में समस्या आती है। परंतु अब महिलाओं की इस सोच में परिवर्तन आया है। पुरुषों को भी अपनी सोच में परिवर्तन लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा 'छोटा परिवार सुखी परिवार' के लिए दो बच्चों के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर रखना चाहिए। इससे माता-पिता बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकेंगे और उनकी अच्छी परवरिश कर सकेंगे। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने कहा कि स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त परिवार ही विकसित समाज और राष्ट्र की नींव होती है। परिवार नियोजन का उद्देश्य बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, बच्चों के बीच उच्च अंतर, परिवार की आर्थिक मजबूती और जीवन की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। कहा जब दंपत्ति सही समय पर परिवार नियोजन का निर्णय लेते हैं तो पूरा परिवार स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनता है। बताया कि वर्ष 2025-26 में धनबाद जिले में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत 82 पुरुषों ने नसबंदी कराई जबकि उसी वर्ष 4825 महिलाओं की नसबंदी सफलतापूर्वक संपन्न की गई। यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग, आशा कार्यकर्ता और विकास सहयोगी संस्थाओं के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। कहा कि पुरुषों को यह संदेश देना होगा कि परिवार नियोजन केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्की इसमें पति पत्नी दोनों की समान साझेदारी है। नसबंदी को लेकर पुरुषों में व्याप्त भ्रांतियां दूर करनी होगी। सिविल सर्जन ने कहा कि परिवार कल्याण मेला का 10 अगस्त तक विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायत में आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक दंपत्ति को परिवार नियोजन की सभी सुरक्षित और शैक्षणिक विकल्पों की सही जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से 'छोटा परिवार सुखी परिवार' का संदेश दिया गया। साथ ही परिवार नियोजन के तरीके को बारे में जानकारी दी गई। वहीं परिवार नियोजन में टॉप परफोर्मेंस के लिए विभिन्न एमओआईसी एवं स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया गया। साथ ही परिवार नियोजन से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद की अध्यक्षा शारदा सिंह, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, डीपीसी रेखा सिंह, वीबीडी सलाहकार रमेश कुमार सिंह, सभी प्रखंड के एमओआईसी, सहिया, एएनएम सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

बीएसएल में नियोजन की मांग को लेकर विस्थापित ने उपायुक्त आवास का किया घेराव

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड आंदोलनकारी युवा मोर्चा के बैनर तले बोकारो इस्पात संयंत्र के विस्थापितों ने आज बोकारो डीसी अजय नाथ झा के आवास का घेराव किया। इस दौरान कनारी मौजा से आए विस्थापितों ने प्रशासन एवं बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और समझौते के मुताबिक नियोजन देने की मांग की। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस और पदाधिकारी की तैनाती की गई थी। मौके पर सिटी डीएसपी राजीव रंजन खुद मोर्चा संभाल रखे थे। कनारी मौज से आए विस्थापितों ने कहा कि हम लोगों को त्रिपक्षीय वार्ता में प्लांट का बाउंड्री वॉल निर्माण करने के बाद नियोजन देने का वादा किया गया था। लेकिन इस वादे को आज तक पूरा नहीं किया गया। जबकि हम लोगों के मौजा की जमीन का पेमेंट भी प्रबंधन के द्वारा नहीं किया गया है। हम लोगों ने हाई कोर्ट से इस मामले में ऑर्डर भी लाकर प्रशासन को देने का काम किया है। इस आवास घेराव में पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता ने भी शिरकत की और कहा कि राज्य सरकार विस्थापितों के साथ अन्याय कर रही है। पूरे राज्य में विस्थापितों की स्थिति खराब है। ऐसे में प्रबंधन सरकार और प्रशासन के अधिकारी मिलकर विस्थापितों को न्याय देने का काम करें। अन्यथा पूरे झारखंड में इस आंदोलन को खड़ा करने का काम किया जाएगा।

कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था का डीएसपी सीसीआर ने किया व्यापक निरीक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निदेर्शानुसार शुक्रवार को पुलिस उपाधीक्षक (सीसीआर) प्रदीप कुमार साव ने धनबाद व्यवहार न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न्यायालय परिसर में सुरक्षा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं का बारीकी से जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएसपी (सीसीआर) प्रदीप कुमार साव ने व्यवहार न्यायालय परिसर, सीजेएम कोर्ट परिसर, हाजत, जेल गेट, न्यायालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों, वॉच टावर तथा वाहन पार्किंग स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, कैमरों की कवरेज, निगरानी व्यवस्था तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष नजर रखने के संबंध में जानकारी ली। साथ ही वॉच टावर पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरे परिसर पर सतत निगरानी बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नियंत्रण कक्ष एवं वरीय अधिकारियों को देने का निर्देश दिया। उन्होंने न्यायालय परिसर के पार्किंग क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करने, बिना जांच किसी भी संदिग्ध वाहन को परिसर में प्रवेश नहीं देने तथा पार्किंग क्षेत्र में नियमित गश्त करने के निर्देश दिए। इसके अलावा हाजत एवं जेल गेट पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आने-जाने वाले बंदियों की सुरक्षा, एस्कॉर्ट पार्टी की सतर्कता तथा प्रवेश एवं निकास व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएसपी (सीसीआर) ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को निर्देशित किया कि न्यायालय परिसर जैसे संवेदनशील स्थान पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को सतर्क रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं पर विशेष नजर रखने, नियमित जांच अभियान चलाने तथा आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि न्यायालय परिसर में आने वाले न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों, बंदियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं ताकि न्यायालय परिसर में सुरक्षित, व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखा जा सके।

संवेदक संघ ने पथ निर्माण विभाग की नई अधिसूचना पर जताई आपत्ति

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पथ निर्माण विभाग, झारखंड सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना के बाद धनबाद जिले में चल रहे सरकारी निर्माण कार्यों की लागत बढ़ने की आशंका से संवेदकों में भारी चिंता देखी जा रही है। इस नई व्यवस्था के विरोध में संवेदक संघ ने पथ निर्माण विभाग के सचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि लघु खनिजों पर रॉयल्टी जमा करने की पुरानी व्यवस्था को ही यथावत रखा जाए। संवेदक संघ का मानना है कि नई अधिसूचना को यदि तत्काल लागू किया गया तो न केवल संवेदकों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा बल्कि पूरे जिले में सड़क, नाली, पुल-पुलिया और अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण कार्य भी प्रभावित होंगे। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा।

क्या है नई अधिसूचना का प्रावधान?

पथ निर्माण विभाग, झारखंड सरकार ने 23 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना संख्या 1021 के माध्यम से यह अनिवार्य कर दिया है कि अब सरकारी योजनाओं में प्रयुक्त होने वाले सभी लघु खनिजों जैसे बालू, गिट्टी, पत्थर आदि की रॉयल्टी का चालान अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। पहले इसको लेकर कुछ छूट और स्थानीय स्तर पर व्यवस्था थी, लेकिन नई अधिसूचना में स्पष्ट कर दिया गया है कि बिना रॉयल्टी चालान के कोई भी लघु खनिज निर्माण कार्य में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। सरकार का उद्देश्य राजस्व बढ़ाना और अवैध खनन पर रोक लगाना बताया जा रहा है। लेकिन संवेदक संघ का कहना है कि नीति बनाने से पहले जमीनी हकीकत को नहीं समझा गया।

धनबाद में लघु खनिजों की किल्लत बनी मुख्य समस्या

संवेदक संघ ने कहा कि पूरे धनबाद जिले में वर्तमान में बालू, गिट्टी और अन्य लघु खनिजों के पर्याप्त पट्टाधारी आपूर्तिकर्ता उपलब्ध ही नहीं हैं। कई खदानें बंद पड़ी हैं और जिनके पास पट्टा है वे या तो उत्पादन नहीं कर रहे या उनकी क्षमता बहुत कम है। संघ ने कहा है कि हमने जिला खनन पदाधिकारी कार्यालय से अनुरोध किया था कि जिले में उपलब्ध बेस रेट वाले पट्टाधारी आपूर्तिकर्ताओं की सूची उपलब्ध कराई जाए, ताकि संवेदक उसी के अनुसार रॉयल्टी जमा करके सामग्री खरीद सकें। लेकिन आज तक वह सूची उपलब्ध नहीं कराई गई है। ऐसे में संवेदक जाएं तो जाएं कहां?

एक जगह रॉयल्टी, दूसरी जगह कामः से डबल मार

संवेदक संघ के अनुसार नई व्यवस्था में सबसे बड़ी दिक्कत यह आएगी कि रॉयल्टी एक स्थान पर कटेगी और निर्माण कार्य दूसरे स्थान पर होगा। उदाहरण के लिए अगर किसी संवेदक को सड़क बनानी है और वहां आसपास बालू-गिट्टी उपलब्ध नहीं है, तो उसे 20-30 किमी दूर से सामग्री लानी पड़ेगी। वहां रॉयल्टी कटेगी, फिर परिवहन खर्च लगेगा और साइट पर पहुंचते-पहुंचते लागत दोगुनी हो जाएगी। संघ ने कहा कि अगर जिला में ही लीज होल्डर नहीं है तो संवेदक रॉयल्टी किसको और कहां जमा करेगा? बिना रॉयल्टी चालान के काम होगा तो विभाग भुगतान रोकेगा और रॉयल्टी के साथ काम होगा तो लागत इतनी बढ़ जाएगी कि टेंडर की राशि भी पूरी नहीं पड़ेगी। संवेदक संघ ने कहा कि 13 जुलाई को धनबाद जिला में सभी विभाग के संवेदक खनन विभाग द्वारा जारी चालान के विरोध में रणधीर वर्मा चौक पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर आकाश रवानी, देवेंद्र कुमार सिंह, लक्ष्मण सिंह, ओपी यादव, बबलू तिवारी, सुशील कुमार सिंह, रंजन सिंह, समीर सिंह, संतोष चौधरी, भूषण पासवान, रामदुलाल पाठक, राहुल सिंह, अभय कुमार, सुमित कुमार, प्रदीप कुमार सांडील,सुनील कुमार सिंह, ,ब्रजेश सिंह, ऋषि सिंह,सुजीत सिंह,मनोज कुमार सिंह,रणधीर कुमार शाही,गोलू ,शिशिर कांत,राजीव रंजन सभी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com